

'हनुमान' एक्टर तेजा सज्जा ने इंटीमेट सेरेमनी में की सगाई, कौन है अभिनेता की होने वाली दुल्हन?

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 28
न्यूनतम - 16

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 319 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर मंगलवार 17 नवम्बर 2026 ● कार्तिक शुक्ल 8 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

बिलकिस बानो केस के 2 दोषियों की उम्रकैद निलंबित

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो गैंगरेप और हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे दो दोषियों को जमानत दे दी है। कोर्ट ने उनकी सजा पर निलंबित करते हुए कहा कि दोनों 17 साल से ज्यादा समय जेल में बिता चुके हैं। इनमें से एक दोषी गंभीर रूप से दिव्यांग है। कोर्ट ने दोनों को ट्रायल कोर्ट की ओर से तय शर्तों पर रिहा करने का आदेश दिया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने दोनों दोषियों बिपिनचंद्र जोशी और प्रदीप मोधिया की याचिकाओं पर सुनवाई की। दोषियों ने बॉम्बे



हाईकोर्ट के 2017 के फैसले को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने दोनों की उम्रकैद की सजा बरकरार रखी थी। सुनवाई के दौरान दोषियों के वकील सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि दोनों 17 साल से ज्यादा समय जेल में बिता चुके हैं। एक दोषी का नाम एफआईआर में नहीं था और घटना के करीब 3 साल बाद उसे इस मामले में आरोपी बनाया गया था। उन्होंने कोर्ट को यह भी बताया कि एक दोषी गंभीर रूप से दिव्यांग है। वहीं, केंद्र सरकार की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल राजा ठाकरे ने जमानत की मांग का विरोध किया। उन्होंने कहा कि निचली अदालत और हाईकोर्ट दोनों मामले से जुड़े सबूतों पर विचार कर चुके हैं। अपराध की गंभीरता को देखते हुए दोषियों को राहत नहीं मिलनी चाहिए।

आसियान समिट के लिए फिलीपींस पहुंचे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिन के दौरे पर सोमवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला पहुंचे हैं। एयरपोर्ट पर उनका फूल-माला पहनाकर स्वागत किया गया। मोदी 17 नवंबर को 23वें आसियान-भारत समिट और 21वें ईस्ट एशिया समिट में शामिल होंगे। इस दौरान उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भी मुलाकात होगी। दोनों नेता क्वाड देशों की बैठक में साथ बैठेंगे। इसमें भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के नेता हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। **चीन के**



बढ़ते प्रभाव पर चर्चा कर सकते हैं क्वाड देश- क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। इसकी शुरुआत 2007 में हुई थी, लेकिन चीन की नाराजगी की आशंका के चलते एक साल बाद इसकी बैठकें बंद हो गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 2017 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान इसे फिर से शुरू किया। इसका मकसद हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करना और चारों देशों के बीच सहयोग बढ़ाना है। मनीला में होने वाली यह बैठक करीब दो साल बाद चारों देशों के नेताओं की पहली आमने-सामने बैठक होगी। ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में भी यह पहली क्वाड लीडर्स मीटिंग है। चीन के बढ़ते प्रभाव पर भी इस बैठक में बात हो सकती है।

आरोप ज्ञानेश कुमार से 48 सवाल पूछने कांग्रेस पहुंची सुप्रीम कोर्ट

एसआईआर किसके इशारे पर हुआ, किसने बदला फॉर्म-6!

● विपक्ष ने कहा-चुनाव आयोग ने वोट चोरी पर जवाब नहीं दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग द्वारा दाखिल हलफनामे में वोट चोरी से जुड़े सवालों का कोई जवाब नहीं दिया गया है। कांग्रेस के अनुसार, इंडिया गठबंधन के नेताओं ने अब सुप्रीम कोर्ट से चुनाव आयोग से सीधे सवाल पूछने की अनुमति मांगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कांग्रेस ने जानकारी दी कि उसने आयोग के सामने 48 सवालों की एक सूची रखी है। पार्टी की मांग है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, दो अन्य चुनाव आयुक्त और आईटी महानिदेशक



व्यक्तिगत रूप से इन सवालों के जवाब दें। कांग्रेस द्वारा जारी सवालों की लिस्ट में मुख्य रूप से यह पूछा गया है कि देशभर में एसआईआर कराने का निर्णय किसने लिया और फॉर्म 6 में बदलाव को किसने मंजूरी दी। इसके अलावा, ईसी नेट और आयोग को केंद्रीकृत करने के फैसले पर भी सवाल उठाए गए हैं, जिसके तहत मतदाता सूची तक पहुंच पर केंद्रीय नियंत्रण लागू किया गया है। पार्टी ने यह स्पष्टीकरण भी मांगा है कि मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा लिए गए ऐसे कितने फैसले हैं, जिन पर अन्य दो चुनाव आयुक्तों ने असहमति जताई थी। कांग्रेस का आरोप है कि एसआईआर प्रक्रिया की खामियों ने वोट चोरी का रास्ता तैयार किया है, जिस पर आयोग के शीर्ष अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

सीईसी के एकतरफा फैसले लेने पर उठाए सवाल

राहुल गांधी और अन्य याचिकाकर्ताओं का मुख्य सवाल यह है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ने अन्य दो चुनाव आयुक्तों की जानकारी, सहमति या मंजूरी के बिना आयोग की सामूहिक शक्तियों का इस्तेमाल किया। चुनाव आयोग ने 26 अक्टूबर को दाखिल जवाबी हलफनामे और 14 नवंबर को दाखिल पूरक हलफनामे में कहा था कि एसआईआर से जुड़े आदेश तीन सदस्यीय आयोग के सर्वसम्मत फैसले के बाद जारी किए गए थे। ये हलफनामे उप चुनाव आयुक्त भानु प्रकाश येतुरु की ओर से दाखिल किए गए थे। हालांकि, याचिकाकर्ताओं का कहना है कि आयोग ने अपने दावे के समर्थन में फाइल नंबर, तारीख या बैठकों का ब्योरा नहीं दिया। उन्होंने अगस्त 2025 में मिले एक आरटीआई जवाब का भी हवाला दिया है।

भारत को बांटने की हो रही है कोशिश

● भागवत बोले-अलगाववाद को बढ़ावा देकर रची जा रही साजिश

● संघ चीफ बोले-भारत का उदय विश्व कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है

जयपुर (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत को बांटने और लोगों में संघर्ष पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने अलगाववाद को बढ़ावा देने और 'छोटी पहचानों' को बड़ा करने के प्रयासों पर चिंता जताई। भागवत ने ऐसे प्रयासों का मुकाबला करने के लिए एकता का आह्वान किया। भागवत रविवार को जोधपुर के शिकारपुरा स्थित श्री राजाराम आश्रम में थे। वह चार दिवसीय आरएसएस संगीत बैंड शिविर मरु निनाद 2026 के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत का उदय विश्व कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है। कुछ ताकतें नहीं चाहतीं कि देश मजबूत बने। भागवत ने कहा भारतीय समाज में विभाजन पैदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं।



संगीत परंपरा और लत पर चेतावनी

आरएसएस प्रमुख ने विभिन्न प्रकार की लत के प्रति भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि यह केवल नशीले पदार्थों तक सीमित नहीं है, बल्कि इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसी लत भी है। उन्होंने संगीत परंपरा के बारे में भी बात की।

- **अतीत के आक्रमण और शिक्षा-** भागवत ने वर्तमान स्थिति को नाजुक बताया और लोगों से एक साथ खड़े होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एक मजबूत भारत का अर्थ पूरे विश्व का कल्याण होगा। उन्होंने अतीत के विदेशी आक्रमणों का भी जिक्र किया। भागवत ने कहा कि भारतीयों ने हमेशा बाहरी हमलों का विरोध करने के लिए एकजुटता दिखाई है। आक्रमणकारियों ने हमारे सिस्टम को नष्ट कर अपनी शिक्षा प्रणाली थोप दी। इसके परिणामस्वरूप, जो लोग कभी समृद्ध थे, वे गरीब हो गए।

भारतीय सेना को अंदरूनी लोगों से है ज्यादा खतरा

● एयरफोर्स चीफ ने बताया, इस साल हनी ट्रैप के 4 मामले ● हनी ट्रैप के अलावा साइबर हमले से भी हो रही जासूसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयरफोर्स चीफ आशुतोष दीक्षित ने कहा है कि विदेशी जासूसी नेटवर्क अब सिर्फ हनी ट्रैप तक सीमित नहीं हैं। वे साइबर जासूसी और दूसरे तरीकों से भारतीय रक्षा क्षेत्र से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें सोशल मीडिया पर प्यार में फंसाना, मल्टीलेवल मार्केटिंग और कर्ज के जाल में फंसाना जैसे तरीके शामिल हैं। हालांकि, अंदरूनी लोगों के जरिए जानकारी लीक होने का खतरा भी ज्यादा है। 2026 में हनी ट्रैप के चार मामले सामने आए हैं। इनमें नेवी के दो जवान, एक एयरफोर्स का विंग कमांडर और एक पूर्व सैनिक शामिल था। आशुतोष दीक्षित ने बताया कि इस तरह के खतरों से निपटने के लिए तकनीकी और संस्थागत स्तर पर कई उपाय किए गए हैं। सरकारी क्षेत्र,लैब और निजी रक्षा कंपनियों के लिए भी सुरक्षा व्यवस्था पर काम हो रहा है।



आंखें बंद करता हूं तो सामने दिखते हैं दादा

अजित पवार को याद कर भावुक हुए शाह

गृहमंत्री बोले- उनका जाना अपूरणीय क्षति





पुणे (एजेंसी)। दिवंगत एनसीपी नेता अजीत पवार की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि दादा का अचानक और असामयिक निधन एक ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती। उन्होंने अजित पवार के असामयिक निधन को न केवल महाराष्ट्र, बल्कि विशेष रूप से पुणे, बारामती, पिंपरी और चिंचवड़ क्षेत्रों के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव का किया जिक्र

अमित शाह ने अजित पवार के राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें विकास की गहरी समझ थी। पंचायती राज, सहकारिता, कृषि और आधुनिक शहरी विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उन्हें व्यापक अनुभव हासिल था। उन्होंने कहा कि अजित पवार दूरदृष्टि और विजन रखने वाले नेता थे। उनका विकास को लेकर नजरिया और विभिन्न क्षेत्रों में काम करने का अनुभव उन्हें एक विशिष्ट जननेता बनाता था। आज जब भी मैं आंखें बंद करता हूं तो दादा नजर आते हैं।

भारत से दूरी बढ़ा रहा अपना पड़ोसी बांग्लादेश!

नए उच्चायुक्त की तैनाती में देरी, गंगा जल संधि पर भी संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते केवल कूटनीतिक बयानों से नहीं, बल्कि समय पर उठाए गए कदमों से भी तय होते हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच इन दिनों कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक तरफ बांग्लादेश के नए उच्चायुक्त असद आलम सियाम के नई दिल्ली पहुंचने का इंतजार बढ़ता जा रहा है, तो दूसरी तरफ दोनों देशों के बीच गंगा जल बंटवारा संधि के भविष्य पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। संधि की समयसीमा करीब है, लेकिन इसके नवीनीकरण और बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की भारत यात्रा को लेकर अब तक कोई ठोस संकेत नहीं मिला है। असद आलम सियाम को भारत में बांग्लादेश का नया उच्चायुक्त बनाया गया है। उन्होंने विदेश सचिव का पद छोड़ने के बाद जल्द ही नई दिल्ली पहुंचने की योजना बनाई थी।



● यूपी में सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से हो

राहुल गांधी बोले-हमें सबको साथ लेकर ही चलना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर अगले साल होने वाले चुनाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर सोमवार को पार्टी बैठक हुई। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में राहुल गांधी ने कहा- सपा हमारी महत्वपूर्ण सहयोगी है। सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए। सबको साथ लेकर चलना होगा। बैठक में सपा से सीट शेयरिंग पर चर्चा करने के लिए कमेटी बनाई गई है। इसे प्रियंका गांधी लीड करेंगी। कमेटी में केसी वेणुगोपाल, यूपी प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, यूपी के वर्किंग प्रेसीडेंट इमरान मसूद शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में राहुल गांधी ने कहा- सपा हमारी महत्वपूर्ण सहयोगी है। सीटों का



बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए। सबको साथ लेकर चलना होगा। कांग्रेस ने सपा को करीब 181 विधानसभा सीटों की सूची सौंपी है। कांग्रेस ने ग्राउंड रिपोर्ट के आधार पर सीटें मांगी हैं।

आराधना मिश्रा बोलीं-

सीट शेयरिंग पर अभी फैसला नहीं हुआ

बैठक से पहले कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि 17 नवंबर को सपा के साथ सीट बंटवारे को लेकर बैठक होगी। उन्होंने कहा कि सीटों की संख्या पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। इस बारे में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा चल रही है और प्रदेश के नेताओं से सुझाव मांगे गए हैं। बैठक के बाद सीटों को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी। सीट बंटवारे को लेकर सपा और कांग्रेस के बीच 17 नवंबर को लखनऊ में औपचारिक बैठक होगी।

सेना ने लिया सीआरपीएफ पोस्ट पर हमले का बदला

● 2 आतंकियों का एनकाउंटर, इनमें एक लश्कर कमांडर ● आतंकियों ने अपने जवानों पर 30 राउंड फायर किए थे

श्रीनगर (एजेंसी)। सीआरपीएफ पोस्ट पर तैनात जवानों पर 5 दिन पहले 30 राउंड फायर करने वाले दोनों आतंकियों को सेना ने कुलगाम जिले के लारू में मार गिराया। इस हमले में 3 जवान घायल हो गए थे। कश्मीर जोन पुलिस ने एक्स पर बताया कि मरने वाला आतंकी लश्कर-ए-तैयबा का घाटी में एकमात्र बचा कमांडर लतीफ भट और उसका साथी उमर



है। मारा गया आतंकी लतीफ भट इस साल कुलगाम और अनंतनाग में हुए सिलसिलेवार हमलों में शामिल था। इनमें अनंतनाग के लाल चौक में पुलिसकर्मियों की हत्या और कुलगाम में दो प्रवासी मजदूरों की हत्या शामिल है। सेना के एक अधिकारी के मुताबिक, आतंकियों की जानकारी मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों की जॉइंट टीम ने इलाके में घेराबंदी की थी। साथ ही फायरिंग कर दी।

पोस्टर चस्पा होने के तीन दिन बाद आतंकी हमला

कश्मीर में वांछित आतंकियों के खिलाफ सुरक्षाबलों की कार्रवाई के बीच पोस्टर चस्पा होने के महज तीन दिन बाद कुलगाम में आतंकी हमला हुआ। श्रीनगर के लाल चौक समेत प्रमुख स्थानों पर रविवार को लश्कर-ए-ताइबा के स्थानीय आतंकी मोहम्मद लतीफ भट समेत चार वांछित आतंकियों के पोस्टर लगाए गए थे। बुधवार को कुलगाम के अखरन में सुरक्षाबलों के नाके पर हुई गोलीबारी में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए। रविवार को प्रमुख स्थानों पर लगाए गए पोस्टरों में पहचान हुई थी।

पड़ताल केमिकल और प्रतिबंधित रंगों के इस्तेमाल पर होगी कार्रवाई

यूपी में ब्रेड से लेकर केक-पेस्ट्री तक की होगी जांच

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में ब्रेड, बिस्कुट, केक, पेस्ट्री, कुकीज, चॉकलेट और कैंडी बनाने व बेचने वाले कारोबारियों को अब खाद्य सुरक्षा के तय मानकों का सख्ती से पालन करना होगा। घटिया कच्चा माल, प्रतिबंधित रंगों का इस्तेमाल, अस्वच्छ तरीके से बनाए गए उत्पादों को लेकर भ्रामक दावे करने पर कार्रवाई होगी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने बेकरी और कन्फेक्शनरी कारोबार के लिए स्टोरेज, उत्पादन, पैकेजिंग और बिक्री से जुड़े निर्देश जारी किए हैं। इनके तहत निर्माण इकाइयों के साथ कैफे और दुकानों के काउंटर भी जांच के दायरे में रहेंगे।



- **कच्चे माल की गुणवत्ता पर नजर-** मैदा, आटा, कोको पाउडर, अंडे, मेवे, मार्जरीन और शॉर्टनिंग जैसे कच्चे माल की नियमित जांच करनी होगी। इनमें फफूंद, बदरंग होने, दुर्गंध, संक्रमण या मिलावट के संकेत मिलने पर तत्काल अलग करना होगा। दूध, कस्टर्ड और पेस्ट्री फिलिंग जैसे जल्दी खराब होने वाले उत्पादों के भंडारण और परिवहन के दौरान कोल्ड चेन बनाए रखना जरूरी होगा। उत्पादों पर उपयोग की अंतिम तारीख भी लिखनी होगी।
- **प्रतिबंधित रंग और रसायन नहीं कर सकेंगे इस्तेमाल-** उत्पादों को आकर्षक बनाने के लिए रोडामिन बी, मेटानिल येलो और सुडान डाई जैसे औद्योगिक रंगों का इस्तेमाल प्रतिबंधित है। पोटैशियम ब्रोमेट, पोटैशियम आयोडेट, फॉर्मेलिन, बोरिक एसिड और सैलिसिलिक एसिड का प्रयोग भी नहीं किया जा सकेगा। उत्पादों में केवल अनुमन्य खाद्य रंग और प्रिजर्वेटिव का तय मात्रा में इस्तेमाल होगा।

ब्रेड के नाम पर गलत दावा नहीं चलेगा

होल व्हीट ब्रेड में कुल आटे का कम से कम 75 प्रतिशत साबुत गेहूं का आटा होना जरूरी है। मल्टीग्रेन ब्रेड में गेहूं के अलावा अन्य अनुमन्य अनाजों की मात्रा कम से कम 20 प्रतिशत होनी चाहिए। मिल्क ब्रेड में दूध के ठोस पदार्थ कम से कम छह प्रतिशत होने चाहिए। ओट, ब्रान, हनी और फ्रूट जैसे नामों से बेची जाने वाली ब्रेड में भी संबंधित सामग्री की निर्धारित मात्रा होनी चाहिए। सिर्फ रंग मिलाकर ब्रेड को ब्राउन या होल व्हीट बताकर बेचना गलत है।

अनमोल वचन

लकड़ी का सामान्य गुण पानी पर तैरने का है किन्तु यदि इसके साथ भारी पत्थर बाँध दिया जाए तो तैरने का गुण दब जाता है, लकड़ी डूब जाती है। प्रतिभा का विपुल भंडार हर व्यक्ति के अंतराल में भरा पड़ा है किन्तु प्रतिभावान होते हुए भी मनुष्य अपने सिर पर निकृष्टता की चट्टान लादे फिरता है जिससे उसका वास्तविक स्वरूप दब जाता है। प्रसुप्त प्रतिभा को जग पाने का अवसर मिल सके इसके लिए आवश्यक है कि भ्रष्ट चिंतन और दुष्ट आचरण से बचने का भरसक प्रयास किया जाए। निजी जीवन में संयम साधना और सामाजिक जीवन में परमार्थ के आदर्श को अपनाया जाए। संयम से तात्पर्य है आत्म-अनुशासन का, नीति-मर्यादाओं का कठोरतापूर्वक पालन। इसके लिए वासना, तृष्णा और अहंता के त्रिविध नागपाशों से छूटना पड़ता है। सादा जीवन उच्च विचार को अपनाया जाए। इतना करने पर ही परमार्थ सिद्धि संभव है और तभी प्रतिभा के जागरण एवं परिष्कार की संभावना बन पाती है।

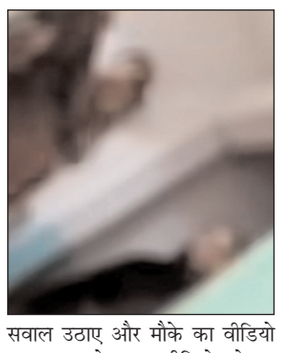
मुजफ्फरनगर में बदल रहा कथित अय्याशी के ठिकानों का ठिकाना! होटलों से निकलकर अब बंद मकानों तक पहुंची चचाएं, शहाबुद्दीनपुर रोड का वीडियो वायरल

भोपा रोड के बाद शहाबुद्दीनपुर रोड को लेकर मचा हड़कंप, 500 से 800 रुपये में कथित तौर पर आपत्तिजनक गतिविधियां संचालित होने का आरोप

मुजफ्फरनगर। शहर में कथित अनैतिक गतिविधियों को लेकर अब एक नया सवाल खड़ा हो रहा है। क्या ऐसे ठिकानों का स्वरूप बदल रहा है? पहले होटलों और गेस्ट हाउसों को लेकर इस तरह की चचाएं सामने आती थीं, लेकिन अब निजी मकानों को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। भोपा रोड के बाद शहाबुद्दीनपुर रोड का मामला चर्चा में आने से शहर में हलचल मच गई है। यहां एक मकान में कथित रूप से अनैतिक गतिविधियां संचालित होने का दावा किया जा रहा है। इस पूरे मामले से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसने शहर में नई बहस छेड़ दी है।

बंद दरवाजों के पीछे क्या चल रहा है?

शहाबुद्दीनपुर रोड को लेकर वायरल वीडियो और उसके साथ किए जा रहे दावों में 500 से 800 रुपये तक में कथित तौर पर आपत्तिजनक गतिविधियों के लिए व्यवस्था होने की बात कही जा रही है। आरोप है कि अब इस तरह की गतिविधियों के लिए होटल के बजाय निजी मकानों का इस्तेमाल किया जा रहा है। हालांकि इन दावों की अभी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में पूरे मामले की वास्तविकता पुलिस जांच के बाद ही सामने आ सकेगी। मामले को लेकर शिवसेना कार्यकर्ताओं के सत्यम, उज्ज्वल और अंकुर त्यागी के मौके पर पहुंचने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि युवकों ने शहाबुद्दीनपुर रोड पर पहुंचकर कथित गतिविधियों को लेकर



सवाल उठाए और मौके का वीडियो बनाया। इसके बाद वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो गया। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर चचाओं का बाजार गर्म हो गया है। मामले में रामलीला टीला चौकी प्रभारी गोविंद चौधरी ने बताया कि उन्हें फेसबुक के माध्यम से एक वीडियो प्राप्त हुआ था। वीडियो मिलने के बाद उन्होंने स्वयं मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। वहां मुतुर्जा नाम का एक व्यक्ति, उसकी पत्नी और पुत्री मिलीं। चौकी प्रभारी के अनुसार मौके पर उन्हें कोई ऐसी गतिविधि होती नहीं मिली, जैसी वीडियो के माध्यम से आरोप लगाए जा रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मामले की जांच जारी रखी जाएगी और जांच के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शिवसेना जिलाध्यक्ष ने 800 रुपये में धंधा चलने का लगाया आरोप

वहीं शिवसेना जिलाध्यक्ष मुकेश त्यागी ने दावा किया कि शहाबुद्दीनपुर रोड पर शिवसेना कार्यकताओं ने ही मौके पर पहुंचकर छापा मारा था। उनका आरोप है कि वहां 800 रुपये तक लेकर कथित अनैतिक गतिविधियों का धंधा संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन की ओर से इस मामले को गंभीरता से उठाया गया है और प्रशासन से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई है। शहर में भोपा रोड को लेकर पहले भी इस तरह के आरोप चर्चा में रहे हैं। अब शहाबुद्दीनपुर रोड का मामला सामने आने से यह सवाल उठने लगा है कि क्या रिहायशी इलाकों में भी इस तरह की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं? यदि आरोप सही हैं तो यह केवल कानून-व्यवस्था ही नहीं, बल्कि आसपास रहने वाले परिवारों की सुरक्षा और सामाजिक वातावरण से जुड़ा गंभीर विषय है।

पुलिस जांच के बाद साफ होगी आरोपों की हकीकत

एक ओर शिवसेना जिलाध्यक्ष की ओर से 800 रुपये में कथित धंधा संचालित होने का आरोप लगाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर मौके पर जांच करने वाले चौकी प्रभारी ने किसी संदिग्ध गतिविधि के मिलने से इनकार किया है। ऐसे में दोनों पक्षों के दावों के बीच अब पुलिस की विस्तृत जांच महत्वपूर्ण हो गई है। वायरल वीडियो की सत्यता, लगाए गए आरोपों और मौके की वास्तविक स्थिति की जांच के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर साफ हो सकेगी।

मुजफ्फरनगर: कांग्रेस का 2027 मिशन शुरू, SIR और 6 सीटों पर मंथन, जिलाध्यक्ष सत्यपाल कटारिया बोले- अब हर बूथ पर होगी मजबूती



मुजफ्फरनगर। आज सोमवार दोपहर जिला कांग्रेस कमेटी मुजफ्फरनगर की एक महत्वपूर्ण बैठक कमला नेहरू वाटिका स्थित मधुबन रेस्टोरेंट में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सत्यपाल कटारिया ने की।

बैठक में मुख्य रूप से दो बड़े विषयों पर गहन मंथन किया गया, जिसमें

एसआईआर (SIR) प्रक्रिया,

आगामी 2027 विधानसभा चुनाव में जनपद की सभी 6 सीटों पर प्रत्याशी चयन और जीत की रणनीति बनाई जाएगी। बैठक में जिलाध्यक्ष सत्यपाल कटारिया ने कांग्रेस पार्टी के सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ चिंतन-मनन करते हुए पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के निर्देशों के अनुसार रक्त के सम्बन्ध में सभी पदाधिकारी अपने-अपने बूथों पर जाकर अपने-अपने वोटर लिस्ट का गहन निरीक्षण करें और उसमें हुई अनियमितताओं के सम्बन्ध में जिला कांग्रेस कमेटी को सूचित करने का कार्य करें। जिलाध्यक्ष ने सभी से आह्वान किया कि जिले की सभी विधानसभा सीटों पर अपनी-अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए 2027 में कांग्रेस पार्टी को सभी 6 सीटों पर जीत दिलाकर उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने की दावेदारी पेश करनी है। इसके लिए सभी कार्यकताओं और पदाधिकारियों को अभी से मैदान में उतरने के दिशा-निर्देश दिए गए।

मीटिंग में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री, वरिष्ठ नेता, जिला व शहर पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में पार्टी को मजबूत करने और 2027 की तैयारी में जुटने का संकल्प लिया।

शुकताल के आश्रम में फर्जी एसओजी की दबिश: साधुओं को बंधक बनाकर 75 हजार लूटे, एनकाउंटर की दी धमकी

काली स्कॉर्पियो से आए बदमाशों ने खुद को सहारनपुर पुलिस का बताया, महंत ने जान का खतरा बताकर मांगी सुरक्षा, भोपा पुलिस जांच में जुटी

मोरना। भोपा थाना क्षेत्र के शुकताल में एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां स्थित ऐतिहासिक श्री पंचदशनाम संन्यास आश्रम नागा बाबा टिल्ला में देर रात कुछ बदमाशों ने खुद को एसओजी प्रभारी बताकर धावा बोल दिया। आरोपियों ने आश्रम के साधुओं और सेवक को बंधक बनाकर जमकर तांडव मचाया और कमरे से 75 हजार रुपये नकद लूटकर फरार हो गए। इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। आश्रम के महंत जयदेव गिरी महाराज ने भोपा थाने में दी गई तहरीर में बताया कि घटना बीते रविवार की देर रात की है। वे आश्रम में मौजूद थे, तभी एक नई काली रंग की स्कॉर्पियो कार आश्रम के गेट पर आकर रुकी। कार पर लाल रंग की ए.एफ. की चिट लगी हुई थी। महंत ने बताया कि कार में सवार लोगों में से एक व्यक्ति को वह पहले से जानते थे, इसलिए उन्होंने आश्रम का गेट खोल



दिया। गेट खुलते ही सभी लोग कार सहित आश्रम के अंदर आ गए। बंधक बनाकर एनकाउंटर की धमकी आरोप है कि कार से उतरे एक व्यक्ति ने खुद को सहारनपुर एसओजी प्रभारी बताया। इसके तुरंत बाद आरोपियों ने अपना असली रंग दिखाना शुरू कर दिया। उन्होंने आश्रम के बुजुर्ग साधु भोला गिरी महाराज और सेवक बिजेन्द्र को जबरन पकड़कर दूसरे कमरे में बंद कर दिया और उन्हें बंधक बना लिया। इसके बाद आरोपी महंत जयदेव गिरी के कमरे की तलाशी लेने लगे। एसओजी प्रभारी बताने वाले व्यक्ति ने आश्रम में अवैध हथियार होने की सूचना होने की बात कही। उसने गाड़ी से पिस्टल लाकर महंत को जान से मारने और एनकाउंटर कर देने की धमकी दी। महंत ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उन्हें जबरन कार में डालकर अपहरण करने का भी प्रयास किया। किसी तरह वे आरोपियों के चंगुल से छूटकर भागने में सफल रहे। वे भागते हुए पास ही स्थित पुलिस चौकी पहुंचे, लेकिन वहां उन्हें कोई पुलिसकर्मी नहीं मिला, जिससे उनकी चिंता और बढ़ गई। इसके बाद उन्होंने डायल-112 पर कॉल करके पुलिस को घटना की सूचना दी। लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो चुके थे। पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद जब महंत जयदेव गिरी वापस अपने कमरे में गए और वहां बिखरा सामान ठीक करने लगे, तो उन्होंने पाया कि एक बैग में रखे 75 हजार रुपये गायब थे।

अपने शरीर का उपयोग राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिये करें: शान्तनु महाराज

रेशु प्रांगण में चल रही अनुष्ठान की श्रीमद् भागवत कथा में झुग्गी-झोपडी वालों को दिया गया विशेष निमंत्रण

मुजफ्फरनगर। रेशु विहार स्थित रेशु प्रांगण में चल रही अनुष्ठान की श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन कथाव्यास श्री शान्तनु जी महाराज ने अपने श्रीमुख से भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की लीलाओं का बहुत ही सुन्दर तरीके से वर्णन कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। श्री कृष्ण जी के जन्म के अवसर पर रेशु विहार गार्डन में रुद्राक्ष के 2 वृक्ष लगाये गये, जिनको लगाना अत्यंत शुभ, आध्यात्मिक और पर्यावरण-अनुकूल माना जाता है। आज की कथा में श्रीकल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम जी ने पहुंचकर समस्त श्रद्धालुओं का अपना आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर रेशु परिवार ने समस्त संतों एवं श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत कर उनका आभार जताया।

मंगलवार की श्रीमद् भागवत कथा में कनखल हरिद्वार से शारदा पीठाधीश्वर अनंत श्री विभूषित जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज भी भक्तों को दर्शन देंगे। श्रीमद् भागवत कथा में लगातार संतों के आने से श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल बना हुआ है।

श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर कथाव्यास शान्तनु महाराज ने कहा कि जिसके ऊपर भगवान की कृपा होती है, उसके ऊपर सभी कृपा करते हैं। महाराजश्री ने कहा कि जिन गृहस्थों के घरों पर साधु-संतों का आगमन नहीं होता, वे घर उसी फलदार वृक्ष के समान होते हैं, जिन पर बडे-बडे सांप लिपटे होते हैं। महाराज श्री ने कहा कि हमारे शरीर का उपयोग राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिये हो जाये तो यही जीवन की सार्थकता है। महाराज अंग की कथा सुनाते हुए महाराजश्री ने कहा कि इनका बेटा वेन हुआ, जो बहुत दुराचारी था, जिससे परेशान होकर अंग अपने ही राज्य में एक गुफा में जाकर छिप गये। शान्तनु महाराज ने कहा कि यही कारण है कि व्यक्ति को उत्तम संस्कारी संतान



का निर्माण करना चाहिये, अन्यथा बुढ़ापे में ऐसे ही रोना पड़ता है। महाराज पृथु की कथा सुनाते हुए महाराज श्री ने कहा कि महाराज पृथु बडे ही धर्मात्मा राजा हुए, जिनके प्रताप के कारण ही इस धरा का नाम पृथ्वी पड़ा। शान्तनु महाराज ने बताया कि महाराज पृथु ने यज्ञ किया, फलस्वरूप भगवान से 10,000 कान मांग लिये, क्योंकि 2 कानों से भगवान की कथा सुनने से मन नहीं भरता। महाराजश्री ने कहा कि जिन कानों में भगवान की कथा प्रवेश नहीं करती, वो कान साँप के बिल के समान हैं। सनत्कुमारों ने महाराज पृथु को उपदेश देते हुए कहा कि आप आत्म वस्तुओं से संग करो, जिसके पश्चात महाराज पृथु ने दक्षिणा स्वरूप अपना सम्पूर्ण राज्य दान में दिया, जिसे सनत्कुमारों ने स्वीकार करके पुनः महाराज पृथु को वापस लौटा दिया। प्राचीनवर्हि की कथा सुनाते हुए शान्तनु महाराज ने कहा कि पशु बलि किसी भी दृष्टि से ठीक नहीं है, इसलिये सबको शाकाहारी रहना चाहिये।

पुरंजनोपाख्यान सुनाते हुए महाराज जी ने कहा कि जीवात्मा और परमात्मा में क्या सम्बन्ध है, इसका ज्ञान होना चाहिये। ऋषभदेव की कथा सुनाते हुए महाराज जी ने बताया की यहीं से जैन मत का प्रारम्भ हुआ। जड़भरत जी की कथा सुनाते हुए महाराज जी ने कहा कि आत्मा अजर अमर है, इसे कोई नष्ट नहीं कर सकता। इसके पश्चात शुकदेव जी ने नरको का वर्णन किया है, जिससे बचने का उपाय केवल भगवान का नाम है, इसके उदाहरणस्वरूप शुकदेव जी ने अजामिलोपाख्यान सुनाया। इसके बाद विश्वरूप की कथा सुनाई, जिसे देवताओं का गुरु बनाया गया, जिनका वध इन्द्र द्वारा कर दिया गया, जिस कारण इन्द्र को ब्रह्म हत्या का पाप लगा, जिसे इन्द्र ने चार स्थानों पर बाँट दिया- पहला ऊसर भूमि, दूसरा स्त्रियों में रज के रूप में, तीसरा जल में झाग के रूप में, चौथा वृक्षों में गोंद के रूप में। इसके पश्चात महाराजश्री ने हिरण्यकशिपु की कथा सुनाई, जिसका अन्त करने के लिये भगवान को नृसिंह भगवान के रूप में अवतार लेना पड़ा। इसी के पुत्र प्रह्लाद जी भगवान के परम भक्त हुए, उनके पिता द्वारा विभिन्न प्रकार की यातनाएं देने के बाद भी भगवान के प्रति उनका विश्वास नहीं डिगा। अन्त में भगवान ने स्वयं खम्भे से प्रकट होकर हिरण्यकशिपु का अन्त किया। इसके पश्चात महाराजश्री ने भगवान के हरि अवतार की कथा सुनाई, जिसका अर्थ यह है कि यह संसार बने का साथी है। इसके बाद महाराज जी ने समुद्रमन्थन की कथा सुनाई, जब दैत्य अमृत लेकर भागने लगे, तब भगवान ने मोहिनी अवतार लेकर सभी दैत्यों को मोहित कर लिया और सभी देवता अमृत पी गये।

घर के बाहर सफाई कर रही किशोरी को दबोचा, छेड़छाड़ के बाद दुष्कर्म के इरादे से घर में खींचने की कोशिश, शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी देकर भागा आरोपी

भौराकलां थाना क्षेत्र के एक गांव में घटना से मचा हड़कंप, पड़ोस में रहने वाले सोनू पर गंभीर आरोप; परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने नामजद मुकदमा दर्ज किया

मुजफ्फरनगर। जनपद के भौराकलां थाना क्षेत्र में किशोरी के साथ छेड़छाड़ और दुष्कर्म के प्रयास का गंभीर मामला सामने आया है। एक गांव में घर के बाहर साफ-सफाई कर रही किशोरी को पड़ोस में रहने वाले एक युवक ने कथित तौर पर अपनी हवस का शिकार बनाने का प्रयास किया। आरोप है कि युवक ने किशोरी को अकेला देखकर उसके साथ अश्लील हरकतें कीं और उसके नाजुक अंगों को दबाया। इसके बाद आरोपी ने दुष्कर्म करने की नीयत से किशोरी को अपने घर के अंदर खींचने का प्रयास किया। किशोरी के शोर मचाने पर मौके पर पहुंचे परिजनों को देखकर आरोपी जान से मारने की धमकी देता हुआ फरार हो गया। मामले में शिकायत मिलने के बाद भौराकलां पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सुबह अंधेरे में घर के बाहर सफाई कर रही थी किशोरी

पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार घटना 14 नवंबर 2026 की सुबह करीब 5:15 बजे की है। भौराकलां थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी शिकायतकर्ता की ममेरी बहन घर के सामने साफ-सफाई का कार्य कर रही थी। सुबह का समय होने के कारण आसपास ज्यादा लोगों की आवाजाही नहीं थी। इसी दौरान गांव में घर के पास ही रहने वाला सोनू पुत्र वीरेंद्र शर्मा वहां पहुंच गया। आरोप है कि युवक ने किशोरी को अकेला देखकर उसके साथ गलत नीयत से छेड़छाड़ शुरू कर दी।

छेड़छाड़ के बाद दुष्कर्म की नीयत से घर में खींचने लगा

शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने किशोरी के साथ अश्लील हरकतें करते हुए उसके संवेदनशील अंगों को गलत तरीके से छुआ। इसके बाद आरोपी ने दुष्कर्म करने की नीयत से उसे अपने घर के अंदर खींचने का प्रयास किया। अचानक हुई इस घटना से किशोरी घबरा गई और उसने अपनी जान बचाने के लिए शोर मचाना शुरू कर दिया। किशोरी की आवाज सुनकर आसपास के लोगों और परिजनों का ध्यान घटना की ओर गया।

शोर सुनकर मौके पर पहुंचे परिजन, आरोपी ने दी धमकी

तहरीर के मुताबिक किशोरी का शोर सुनकर उसके परिजन मौके पर पहुंच गए। परिजनों को आता देखकर आरोपी वहां से भागने लगा। आरोप है कि फरार होते समय आरोपी ने परिजनों को धमकाते हुए कहा कि यदि कहीं शिकायत की तो उन्हें जान से मार देगा। घटना के बाद पीड़ित पक्ष में दहशत का माहौल बन गया। परिजनों ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस का दरवाजा खटखटाया।

परिजनों की शिकायत पर नामजद मुकदमा दर्ज

पीड़ित पक्ष की ओर से 14 नवंबर को थाना भौराकलां में लिखित शिकायत देकर आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। पुलिस ने शिकायत और लगाए गए आरोपों के आधार पर सोनू पुत्र वीरेंद्र शर्मा निवासी गांव मोहम्मदपुर मार्डन के खिलाफ संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया है। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस मामले की जांच और अग्रिम कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

कम दहेज लाने पर विवाहिता को किया प्रताड़ित, मारपीट कर घर से निकाला; मायके पहुंचकर भी नहीं छोड़ा पीछा

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न का एक मामला सामने आया है। आरोप है कि शादी में मायके पक्ष की ओर से अपनी हैसियत के अनुसार दान-दहेज, जेवरात, नकदी और स्कूटी देने के बावजूद ससुराल पक्ष के लोग कम दहेज लाने का ताना देकर विवाहिता का उत्पीड़न करने लगे। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। आरोप है कि एक दिन मारपीट करने के बाद विवाहिता को जबरन घर से निकालकर गांव के बाहर छोड़ दिया गया। इसके बाद जब विवाहिता अपने मायके पहुंची तो ससुराल पक्ष के लोग वहां भी पहुंच गए और उसे जबरन अपने साथ ले जाने का प्रयास किया। इस दौरान मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। पीड़िता की शिकायत पर मंसूरपुर पुलिस ने पति समेत सात ससुरालियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मंसूरपुर थाना क्षेत्र के गांव जौहरा निवासी विवाहिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका विवाह एक नवंबर 2025 को शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव सांझक निवासी विपिन कुमार के साथ हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार हुआ था। शादी में उसके माता-पिता ने अपनी आर्थिक हैसियत के अनुसार दान-दहेज, जेवरात, नकदी और स्कूटी दी थी। शादी के समय ससुराल पक्ष के लोग दिए गए सामान से संतुष्ट दिखाई दिए, लेकिन कुछ समय बीतने के बाद उनका व्यवहार बदलने लगा। आरोप है कि पति विपिन कुमार, सास शिमला, जेठ सचिन, जेठानी प्रियंका, देवर सोनू, देवर निक्की और देवरानी ज्योति कम दहेज लाने का ताना देकर उसे परेशान करने लगे।

विरोध करने पर मारपीट का आरोप

विवाहिता के अनुसार जब उसने कम दहेज लाने को लेकर की जा रही प्रताड़ना का विरोध किया तो पति और अन्य ससुरालियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। लगातार हो रहे उत्पीड़न से परेशान होकर उसने अपने माता-पिता को पूरी जानकारी दी। आरोप है कि बेटी की परेशानी सुनकर जब उसके माता-पिता ने ससुराल पहुंचकर परिजनों को समझाने का प्रयास किया तो उनके साथ भी अभद्रता की गई और मारपीट शुरू कर दी गई। इसके बावजूद ससुराल पक्ष के लोगों के व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ और विवाहिता को लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा। तहरीर के मुताबिक 12 अप्रैल 2026 को दान-दहेज को लेकर एक बार फिर ससुराल में विवाद हो गया। आरोप है कि इस दौरान ससुराल पक्ष के लोगों ने विवाहिता के साथ मारपीट की। उसने इसकी जानकारी अपने मायके वालों को दी तो आरोप है कि उसका देवर सोनू उसे जबरदस्ती घर से निकालकर गांव के बाहर छोड़ आया।

आज गोपाष्टमी पर श्री कृष्णा गौशाला में होगा भव्य वार्षिक महोत्सव, हवन-यज्ञ, गौ पूजन और सम्मान समारोह के बाद लगेगा भंडारा

पचैण्डा रोड स्थित श्री कृष्णा गौशाला सभा प्रन्यास की ओर से आयोजित होगा धार्मिक आयोजन

मुजफ्फरनगर। गोमाता की सेवा, संरक्षण और धार्मिक परंपराओं को समर्पित गोपाष्टमी का पर्व इस वर्ष भी शहर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। पचैण्डा रोड स्थित गांधी कॉलोनी की श्री कृष्णा गौशाला सभा प्रन्यास (रजिस्टर्ड) की ओर से गोपाष्टमी वार्षिक महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव में हवन-यज्ञ, गौ पूजन, सम्मान समारोह और विशाल भंडारे सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। गौशाला प्रबंधन की ओर से आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं और शहर के धर्मप्रेमी लोगों, समाजसेवियों, दानदाताओं तथा श्रद्धालुओं को सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया है।

हवन-यज्ञ से होगा महोत्सव का शुभारंभ, गौ पूजन और सम्मान समारोह मुख्य आकर्षण

श्री कृष्णा गौशाला सभा प्रन्यास की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार महोत्सव की शुरूआत प्रातः 8:30 बजे हवन-यज्ञ के साथ होगी। इसके बाद प्रातः 10



बजे गौ पूजन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इसमें गौमाता की पूजा-अर्चना कर उनकी सेवा, संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया जाएगा। इसके बाद प्रातः 11 बजे भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। गौशाला सभा प्रन्यास के अध्यक्ष अनिल रॉयल हैं, जबकि वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतीश चंद्र गोयल और उपाध्यक्ष मित्तरसैन कथूरिया सहित कार्यकारिणी के पदाधिकारी आयोजन की व्यवस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। संस्था के सचिव, उप सचिव, कोषाध्यक्ष, मुख्य व्यवस्थापक, प्रबंधक और कार्यकारिणी सदस्यों के साथ संरक्षक मंडल भी आयोजन को सफल बनाने में सहयोग कर रहा है। गौशाला के संस्थापक स्वर्गीय राम स्वरूप मेन्दीरत्ता जी रहे हैं। वहीं स्वर्गीय जिले सिंह चौहान और स्वर्गीय नरेंद्र रॉयल संस्था के प्रेरणास्रोत के रूप में स्मरण किए जाते हैं। संस्था से जुड़े पदाधिकारियों ने बताया कि गौशाला की धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में अनेक लोगों का निरंतर सहयोग मिलता रहा है। श्री कृष्णा गौशाला सभा प्रन्यास के मुख्य सहयोगियों एवं नियमित दानदाताओं में प्रदेश सरकार के मंत्री कपिल देव अग्रवाल, संजीव रॉयल, विजय अग्रवाल, एडवोकेट सुनील गर्ग, भीम सैन कंसल, गोपाल गर्ग, राकेश बिंदल, सुमित रोहाल, सुमित गोयल, डॉ. शिशिर, उमेश साबरी, सुरेश कुमार धमोजा, राजेश सिंघल, घनश्याम दास गोयल, सचिन देव, आलोक कुमार, विनोद, मनोज कुमार गर्ग, सुभाष चंद जैन, गौरव गर्ग सहित अनेक समाजसेवी और व्यापारी शामिल हैं। इसके अलावा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े चिकित्सकों, अधिवक्ताओं, व्यापारियों, शिक्षाविदों, सामाजिक संगठनों और धर्मप्रेमी परिवारों का भी गौशाला को निरंतर सहयोग प्राप्त होता रहा है। संस्था की ओर से जारी आमंत्रण पत्र में मुख्य सहयोगियों के साथ अन्य विशिष्ट सहयोगियों एवं नियमित दानदाताओं का भी आभार व्यक्त किया गया है।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादकः
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

With Best Compliments from

SWASTIK

UDYOG

(A Unit of Kriti Steel Rolling Mills (P) Limited)

Manufacturers of :

M.S. Bar, Tor, Flat, Angles & Section

Works :

Meerut Road, C-12, Industrial Estate,
Muzaffarnagar-251003 (U.P.)

E-mail: swastikudyog@ymail.com
Cin : U74899DL1995PTC074484
Works: 0131-2622891, Mobile : 9837041476



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
मंगलवार 17 नवम्बर 2026 पृष्ठ 3



जन्मदिन की पार्टी के लिए घर से निकला युवक, अगले ही दिन सड़क किनारे मिला शव; परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

शामली रोड पर राणा चौक के पास संदिग्ध परिस्थितियों में मिला अश्वनी का शव, जन्मदिन पर दोस्तों ने फोन कर बुलाया था पार्टी के लिए, आखिरी बार शाम छह बजे हुई थी पत्नी से बात

मुजफ्फरनगर। जन्मदिन की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब जन्मदिन की पार्टी मनाने के लिए घर से निकले एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे पड़ा मिला। थाना खालापार क्षेत्र के शामली रोड पर राणा चौक के पास युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान दक्षिणी कृष्णापुरी निवासी 35 वर्षीय अश्वनी पुत्र रामपाल के रूप में हुई है। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने इसे सड़क हादसा मानने से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है। मृतक के छोटे भाई विशाल ने कुछ युवकों पर संदेह जताते हुए पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मृतक अश्वनी के छोटे भाई विशाल ने बताया कि उनके भाई का जन्मदिन था। इसी खुशी में दोपहर करीब डेढ़ बजे ओरिएंट पेपर मिल में काम करने वाले उनके भाई के कुछ साथियों का फोन आया। साथियों ने अश्वनी को जन्मदिन की पार्टी करने के लिए बुलाया था। फोन आने के बाद अश्वनी घर से उनके साथ चले गए। परिवार को उस समय बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि जन्मदिन की खुशियां कुछ ही घंटों में जिंदगी का सबसे बड़ा दुख बन जाएंगी। विशाल के अनुसार, शाम करीब छह बजे उनकी भाभी की अश्वनी से आखिरी बार फोन पर बातचीत हुई थी। इसके बाद अश्वनी का मोबाइल फोन बंद हो गया। परिवार के लोग उनसे संपर्क करने का प्रयास करते रहे, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी।



पत्नी के मोबाइल पर पुलिसकर्मी ने उठाया फोन, हादसे की दी जानकारी

विशाल ने बताया कि शाम करीब साढ़े सात बजे उनकी भाभी के मोबाइल फोन पर एक कॉल आई। जब फोन उठाया गया तो दूसरी ओर पुलिसकर्मी थे। पुलिसकर्मियों ने बताया कि अश्वनी का मोबाइल फोन उनके पास मिला है और उनका एक्सीडेंट हो गया है। यह जानकारी मिलते ही परिवार के लोग परेशान हो गए और युवक के बारे में जानकारी जुटाने के लिए पुलिस चौकी पहुंचे।

राणा चौक के पास पड़ा मिला था शव, बाइक का नहीं चला पता

विशाल का कहना है कि जब वह पुलिस चौकी पहुंचे तो पुलिसकर्मियों ने बताया कि अश्वनी का शव शामली बाईपास स्थित राणा चौक के पास पड़ा मिला था। इसके बाद उन्होंने अपने भाई की बाइक के संबंध में जानकारी मांगी, लेकिन बाइक का कोई पता नहीं चल सका। परिजनों ने इस पूरे घटनाक्रम पर सवाल खड़े किए हैं। विशाल का कहना है कि यदि उनके भाई का सड़क हादसा हुआ था तो उनकी बाइक कहां है? घटनास्थल पर दुर्घटना से संबंधित अन्य सामान या साक्ष्य क्यों नहीं मिले? उन्होंने कहा कि अभी तक परिवार को यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि अश्वनी के साथ वास्तव में क्या हुआ था। इन्हीं परिस्थितियों के चलते उन्हें भाई की मौत सामान्य सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि हत्या होने का संदेह है। मृतक के छोटे भाई विशाल ने बताया कि उन्होंने मौशीन नाम के युवक सहित अपने भाई के कुछ दोस्तों से फोन पर बातचीत की थी। उन्होंने युवकों से पूछा कि क्या अश्वनी उनके साथ था और जन्मदिन के दौरान उनके साथ क्या हुआ था, लेकिन युवकों ने अश्वनी के उनके साथ होने से इनकार कर दिया। विशाल का दावा है कि अश्वनी के मोबाइल फोन से मिले डाटा में चार युवकों के साथ वीडियो कॉल और फोटो मौजूद होने की बात सामने आई है। जब उन्होंने इस संबंध में संबंधित युवकों से सवाल किए तो कथित तौर पर उन्हें जवाब मिला कि जो करना है कर लो। इस घटनाक्रम के बाद परिवार का संदेह और गहरा गया है। हालांकि, इन आरोपों की पुलिस स्तर पर पुष्टि होना अभी बाकी है। मां और भाई ने लगाई इंसाफ की गुहार

अश्वनी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। जिस घर में जन्मदिन की खुशियां मनाने की तैयारी थी, वहां अब मातम पसरा हुआ है। मृतक की मां और छोटे भाई ने बेटे और भाई की मौत की सच्चाई सामने लाने की मांग की है। परिजनों का

छठ महापर्व पर पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने महिलाओं के साथ की छठी मैया की आराधना

अलमासपुर की नवीन कॉलोनी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचीं पालिकाध्यक्ष

मुजफ्फरनगर। छठ महापर्व के पावन अवसर पर नगर में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। विभिन्न स्थानों पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं ने पूरी आस्था के साथ छठी मैया की पूजा-अर्चना की। इसी क्रम में नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप मोहल्ला अलमासपुर की नवीन कॉलोनी में छठ महापर्व समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। आयोजन समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उनका स्वागत किया। पालिकाध्यक्ष ने श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उन्हें छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। नगर के वार्ड संख्या दो के अंतर्गत नवीन कॉलोनी अलमासपुर की गली नंबर दो में आयोजित छठ पूजा कार्यक्रम में पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने महिलाओं के साथ छठी मैया की आराधना की। उन्होंने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना में भाग लेते हुए पर्व की धार्मिक परंपराओं के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं और श्रद्धालुओं में



खासा उत्साह दिखाई दिया। आयोजन स्थल पर भक्ति और उल्लास का माहौल बना रहा। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि छठ महापर्व भारतीय संस्कृति, आस्था, पवित्रता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। लोक आस्था से जुड़ा यह पर्व परिवार की सुख-समृद्धि और समाज की खुशहाली की कामना के साथ मनाया जाता है। छठ महापर्व हमें प्रकृति और सूर्य की महत्ता का स्मरण कराता है। यह पर्व लोगों को आपसी प्रेम, सहयोग और एकजुटता का संदेश भी देता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज में सामाजिक सद्भाव तथा आपसी भाईचारे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे आयोजनों से विभिन्न वर्गों के लोगों को एक साथ आने और अपनी परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है।

नगरवासियों की सुख-समृद्धि की कामना

पालिकाध्यक्ष ने छठी मैया से कामना की कि उनकी असीम कृपा समस्त नगरवासियों और क्षेत्रवासियों पर सदैव बनी रहे। सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली का वास हो। उन्होंने छठ महापर्व समिति के सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि धार्मिक परंपराओं को पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ आगे बढ़ाना सराहनीय प्रयास है। उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी लोगों को पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में व्यापारियों की आवाज व्यापार संगठन के अध्यक्ष शलभ गुप्ता एडवोकेट, छठ महापर्व समिति के वीरेन्द्र यादव, सुरेन्द्र कुमार, रजनीश, अनुज यादव, सचिन गुप्ता और राजन गुप्ता सहित समिति के पदाधिकारी, सदस्य तथा सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे। सभी ने मिलकर छठ महापर्व को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया।

महिला से मोबाइल छीनकर भागे बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़, एक गोली लगने से घायल; चंडीगढ़ के दो आरोपी गिरफ्तार

गांधी कॉलोनी में 25 अक्टूबर को बारात घर के बाहर हुई मोबाइल छिनैती का खुलासा, पचेंडा रोड पर चेकिंग के दौरान पुलिस पर की फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में लगी गोली

मुजफ्फरनगर। थाना नई मंडी क्षेत्र की गांधी कॉलोनी में महिला से मोबाइल छिनैती की घटना को अंजाम देकर फरार हुए दो आरोपियों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दूसरे को पुलिस ने कांबिंग के दौरान पकड़ लिया। गिरफ्तार दोनों आरोपी चंडीगढ़ के रहने वाले हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से महिला से छीना गया वनप्लस नॉर्ड मोबाइल फोन, दो अवैध तमंचे, दो जिंदा और दो खोखा कारतूस 315 बोर बरामद किए हैं। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल की गई बिना नंबर प्लेट की स्कूटी भी बरामद की गई है। सीओ नई मंडी राजू कुमार साव ने बताया कि आरोपियों ने 25 अक्टूबर को गांधी कॉलोनी स्थित एक बारात घर के बाहर महिला से मोबाइल फोन छीन लिया था। घटना के बाद से ही पुलिस उनकी तलाश में जुटी थी। सीओ नई मंडी राजू कुमार साव ने बताया कि पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान दोनों आरोपियों को रोकने का प्रयास किया था, लेकिन उन्होंने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी घायल हो गया। दोनों को गिरफ्तार कर अस्पताल और पुलिस अभिरक्षा में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के मुताबिक 25 अक्टूबर 2026 को थाना नई मंडी क्षेत्र की गांधी कॉलोनी में एक बारात घर के बाहर अज्ञात बदमाशों ने एक महिला



का मोबाइल फोन छीन लिया था। महिला से मोबाइल छिनैती की इस घटना के संबंध में थाना नई मंडी में मुकदमा अपराध संख्या 501/2026 धारा 304(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश और वारदात के खुलासे के लिए अलग-अलग टीमें गठित की थीं। पुलिस आसपास के क्षेत्र में जानकारी जुटाने के साथ ही संदिग्धों की तलाश कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना मिली। 16 नवंबर को थाना नई मंडी पुलिस मुखबिर की सूचना पर पचेंडा रोड से नसीरपुर जाने वाली पुलिया के पास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एनएच-58 की तरफ से बिना नंबर प्लेट की स्कूटी पर दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो दोनों घबरा गए और स्कूटी को पीछे मोड़कर भागने लगे। पुलिस के अनुसार भागते समय दोनों आरोपियों ने पुलिस टीम को निशाना बनाकर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई फायरिंग से पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। इसके बाद पुलिस टीम ने उनका पीछा शुरू कर दिया। पुलिस के मुताबिक पीछा किए जाने के दौरान आरोपियों की स्कूटी कच्चे रास्ते पर फिसलकर गिर गई। दोनों युवक स्कूटी छोड़कर पास के ईख के खेत में घुस गए और वहां से भी पुलिस टीम पर गोलियां चलाने लगे।

खतौली में शादी का झांसा देकर तीन साल तक किया शारीरिक शोषण: जबरन कराया गर्भपात, एसएसपी से लगाई मुकदमा दर्ज करने की गुहार

खतौली (मुजफ्फरनगर)। कस्बा खतौली के एक मोहल्ला निवासी युवती ने अपने ही मोहल्ले के एक युवक पर शादी का झांसा देकर पिछले तीन वर्षों से शारीरिक शोषण करने, गर्भवती होने पर जबरन गर्भपात कराने और अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। स्थानीय पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज न किए जाने से आहत पीड़िता ने सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) मुजफ्फरनगर को प्रार्थना पत्र सौंपकर आरोपियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। एसएसपी को दिए गए शिकायती पत्र में पीड़िता ने बताया कि उसके मोहल्ले का ही निवासी फरमान पुत्र मुस्तकीम पिछले तीन वर्षों से उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाता रहा। जब युवती ने उस पर शादी करने का दबाव बनाया, तो आरोपी ने विवाह करने से साफ इनकार कर दिया। मामले की जानकारी जब पीड़िता के परिजनों को हुई, तो उन्होंने लोक-लाज



के चलते अपनी पुत्री का रिश्ता दूसरी जगह तय कर दिया। आरोप है कि जब फरमान को इसकी भनक लगी, तो उसने अपने भाइयों के साथ मिलकर युवती को बदनाम किया और उसका तय हुआ रिश्ता तुड़वा दिया। पीड़िता का आरोप है कि बीते 24 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 10:30 बजे आरोपी फरमान उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और बाद में रास्ते में ही छोड़कर फरार हो गया। युवती ने बताया कि इस दौरान गर्भ ठहरने पर आरोपी फरमान ने अपने भाइयों हसीनू और फुरकान के साथ मिलकर उसके मुंह में जबरदस्ती गर्भपात की गोलियां डाल दीं, जिससे उसका गर्भपात हो गया। इतना ही नहीं, आरोपियों ने पीड़िता की अश्लील वीडियो भी बना ली है। अब आरोपी धमकी दे रहे हैं कि यदि उसके माता-पिता ने उसकी शादी कहीं और करने की कोशिश की, तो वे वीडियो वायरल कर उसे बदनाम कर देंगे और कहीं भी रिश्ता नहीं होने देंगे। पीड़िता के अनुसार, उसने इस संबंध में सबसे पहले 24 अक्टूबर को थाना खतौली में तहरीर दी थी, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। इसके बाद उसने 30 अक्टूबर और फिर 2 नवंबर 2026 को एसएसपी कार्यालय में प्रार्थना पत्र दिया। एसएसपी के आदेश पर सीओ खतौली द्वारा मामले की जांच शुरू की गई और पीड़िता के बयान दर्ज किए गए। युवती का कहना है कि उसने जांच अधिकारी को अपने और आरोपी के बीच हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग भी उपलब्ध करा दी है, लेकिन इसके बावजूद 15 दिन बीत जाने के बाद भी न तो मुकदमा दर्ज हुआ है और न ही आरोपियों पर कोई कार्रवाई की गई है। पीड़िता ने एसएसपी से थानाध्यक्ष खतौली को तत्काल रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश देने की मांग की है।

श्याममय होगी धर्मनगरी, बाबा के रथ के आगे झुकेंगे हजारों शीश।

18 नवंबर को निकलेगी भव्य रथयात्रा, आठ झांकियों और तीन बैंडों के साथ नगर भ्रमण करेंगे लखदातार

मुजफ्फरनगर। हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा... इस जयकारे से जल्द ही धर्मनगरी मुजफ्फरनगर की गलियां गूंजने वाली हैं। भक्ति, आस्था और श्रद्धा का ऐसा अद्भुत संगम सजने जा रहा है, जिसमें हर रास्ता श्याममय होगा और हर जुबां पर बाबा खाटू श्याम का नाम होगा। भरतिया कॉलोनी स्थित श्रीगणपति खाटू श्याम मंदिर में भगवान श्री खाटू श्याम का पांच दिवसीय जन्मोत्सव 17 से 21 नवंबर तक धूमधाम और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया जाएगा। जन्मोत्सव का मुख्य आकर्षण 18 नवंबर को निकलने वाली विशाल एवं परंपरागत रथयात्रा होगी, जिसमें बाबा श्याम के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ने की उम्मीद है। सोमवार को श्री गणपति खाटू श्याम मंदिर परिवार की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में जन्मोत्सव के कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। इस दौरान श्री गणपति खाटू श्याम मंदिर परिवार के अध्यक्ष अशोक गर्ग ने बताया कि बुधवार 18 नवंबर को सुबह 10 बजे मंदिर प्रांगण से बाबा श्याम की भव्य रथयात्रा प्रारंभ होगी। यात्रा में तीन बैंड, ढोल और आठ आकर्षक धार्मिक



झांकियां शामिल रहेंगी। उन्होंने बताया कि सबसे विशेष आकर्षण बाबा श्याम का वह रथ होगा, जिसे श्रद्धालु अपने हाथों से खींचकर नगर भ्रमण कराएंगे। यह दृश्य भक्तों की अटूट आस्था और समर्पण का प्रतीक बनेगा। यात्रा मार्ग को झंडों और तोरणद्वारों से सजाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रथयात्रा गणपति धाम मंदिर से प्रारंभ होकर नवीन मंडी गुड़ मंडी, बाबूराम गेट, मुनीम कॉलोनी, जैन कन्या इंटर कॉलेज, नई मंडी डाकखाना, गौशाला रोड, पुरानी गुड़ मंडी, पीठ बाजार, बिंदल बाजार, मेहता क्लब, वकील रोड, चौड़ी गली, भोपा पुल, मालवीय चौक, अंसारी रोड, सराफा बाजार, भगत सिंह रोड और शिव चौक सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए वापस मंदिर पहुंचेगी। वहीं भीम सेन कंसल ने कहा कि इस बार जन्मोत्सव में एक विशेष धार्मिक आकर्षण भी जुड़ने जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनपद में पहली बार भगवान खाटू श्याम की दिव्य लीलाओं का मंचन किया जाएगा। इसके माध्यम से श्रद्धालुओं को बाबा की महिमा, भक्ति और जीवन से जुड़े प्रसंगों को करीब से देखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि धार्मिक आयोजनों की शुरूआत 17 नवंबर को शाम सात बजे मंदिर प्रांगण में मेहंदी उत्सव से होगी। 19 नवंबर को सुबह नौ बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो नई मंडी के प्रमुख मार्गों से होकर मंदिर पहुंचेगी। इसी दिन से दोपहर तीन से शाम छह बजे तक श्री श्याम कथा का शुभारंभ होगा। कथा व्यास गिरिराज शरण जयपुर वाले होंगे

राजनीतिक कार्यक्रम में जाने की जल्दी या सड़क पर शक्ति प्रदर्शन? आवाम-ए-हिंद पार्टी के कार्यकर्ताओं की स्टंटबाजी का वीडियो वायरल

चलती कार की खिड़कियों से बाहर लटककर जानलेवा अंदाज में सफर करते नजर आए युवक

मुजफ्फरनगर। सड़क पर सुरक्षित सफर करने के लिए यातायात नियम बनाए गए हैं, लेकिन कुछ लोग राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होने के उत्साह या दिखावे के चक्कर में अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डालने से भी पीछे नहीं हट रहे। मुजफ्फरनगर में आवाम-ए-हिंद पार्टी के कार्यकर्ताओं की कथित स्टंटबाजी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। वायरल वीडियो में कुछ युवक चलती कार की खिड़कियों से बाहर निकलकर खतरनाक अंदाज में सफर करते दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह वीडियो जानसठ थाना क्षेत्र का है और कार सवार युवक रविवार को जानसठ में आयोजित आवाम-ए-हिंद पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। राजनीतिक संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं की इस हरकत ने अब पुलिस और यातायात व्यवस्था का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

चलती कार की खिड़कियों से बाहर निकले युवक, सड़क पर दिखाए स्टंट

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कार के भीतर बैठे कुछ युवक खिड़कियों से बाहर निकलकर सफर करते नजर आ रहे हैं। चलती गाड़ी में इस तरह बाहर लटकना किसी बड़े हादसे को न्योता देने जैसा है। वीडियो में युवक सड़क पर खतरनाक अंदाज में अपनी मौजूदगी दिखाते दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि कार में सवार युवक आवाम-ए-हिंद पार्टी के कार्यकर्ता हैं, जो जानसठ में आयोजित पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे।

एक की लापरवाही से कई लोगों की



जान पड़ सकती है खतरे में

सड़क पर इस तरह की स्टंटबाजी केवल वाहन में सवार लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि दूसरे वाहन चालकों और राहगीरों के लिए भी गंभीर खतरा बन सकती है। चलती कार की खिड़की से बाहर निकलने के दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने, वाहन के ब्रेक लगने या सड़क पर किसी दूसरे वाहन से टक्कर होने की स्थिति में बड़ा हादसा हो सकता है। तेज रफ्तार में इस तरह की हरकत किसी की जान भी ले सकती है। इसके बावजूद कुछ युवक सड़क को स्टंट दिखाने का मंच बनाने से बाज नहीं आ रहे हैं।

वायरल वीडियो को लेकर राजनीतिक संगठन से जुड़े लोगों के आचरण पर भी सवाल उठ रहे हैं। किसी पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होना या अपने संगठन के प्रति उत्साह दिखाना अलग बात है, लेकिन सार्वजनिक सड़कों पर नियमों की अनदेखी करने का अधिकार किसी को नहीं है। राजनीतिक संगठनों से जुड़े लोगों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे आम नागरिकों के सामने कानून और यातायात नियमों का पालन करने की मिसाल पेश करें। सड़क पर इस तरह की हरकतें दूसरे लोगों को भी गलत संदेश देती हैं।

वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद अब पुलिस की कार्रवाई पर निगाहें टिकी हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लेकर संबंधित कार के नंबर और उसमें सवार युवकों की पहचान की है या नहीं। वीडियो की सत्यता, स्थान और उसमें दिखाई दे रहे लोगों की पहचान की पुष्टि भी पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। इस मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि सार्वजनिक सड़क पर यातायात नियमों की खुलेआम अनदेखी करने वालों के खिलाफ पुलिस क्या कदम उठाती है।

खादर में विवादित जमीनों पर कब्जे का बड़ा खेल बेनकाब, हिस्ट्रीशीटर समेत 20 गिरफ्तार, हथियारों का जखीरा बरामद

ऑपरेशन कवच के तहत भोपा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन लग्जरी गाड़ियों में सवार होकर पहुंचे थे 20 आरोपी; छह तमंचे, पिस्टल, राइफल, दोनाली बंदूक, तलवार और 48 जिंदा कारतूस मिले

मुजफ्फरनगर। खादर क्षेत्र में कीमती और विवादित जमीनों पर अवैध कब्जा करने तथा जमीनों के विवाद में दबदबा कायम करने के कथित खेल का पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। थाना भोपा पुलिस ने ऑपरेशन कवच अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए ऐसे 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो तीन लग्जरी गाड़ियों में सवार होकर भारी मात्रा में हथियारों के साथ खादर क्षेत्र में पहुंचे थे। गिरफ्तार आरोपियों में उत्तराखंड के हरिद्वार जिले का एक हिस्ट्रीशीटर भी शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छह तमंचे, एक पिस्टल, एक पोनिया राइफल, एक दोनाली बंदूक, एक राइफल, 48 जिंदा कारतूस, एक तलवार और नौ लकड़ी के डंडे बरामद किए हैं। इसके अलावा तीन लग्जरी गाड़ियां स्कॉर्पियो एन, स्कॉर्पियो क्लासिक और थार भी कब्जे में ली गई हैं। पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए पुलिस



अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक ने पूरे मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में खादर क्षेत्र की विवादित और कीमती जमीनों की खरीद-फरोख्त के साथ-साथ उन जमीनों पर अवैध कब्जा करने और कब्जा बरकरार रखने के लिए संगठित होकर काम करने की बात सामने आई है। आरोपियों का कथित तौर पर मकसद विरोध करने वालों को हथियारों के दम पर भयभीत कर अपने पक्ष में दबाव बनाना था। एसपी ग्रामीण ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन और पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक के पर्यवेक्षण में ऑपरेशन कवच अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 15 नवंबर को थाना भोपा पुलिस शुक्रताल चौकी क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि गंगा घाट के पार से तीन गाड़ियों में सवार होकर 20 से 25 लोग आ रहे हैं। उनके पास अवैध हथियार हैं और वे किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए भोपा पुलिस ने तत्काल बताए गए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी करते हुए चेकिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम को कुछ देर बाद तीन गाड़ियां आती दिखाई दीं। इनमें एक काले रंग की स्कॉर्पियो एन, एक स्कॉर्पियो क्लासिक और एक थार शामिल थी। पुलिस ने तीनों वाहनों को रोककर उनमें सवार लोगों को नीचे उतारा और उनकी तलाशी ली।

गाड़ियों से निकला हथियारों का जखीरा

तलाशी के दौरान पुलिस भी उस समय हैरान रह गई, जब आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद हुए। पुलिस के अनुसार आरोपियों के पास छह तमंचे 315 बोर, एक पिस्टल .32 बोर मय पांच जिंदा कारतूस, एक पोनिया राइफल .22 बोर मय मैगजीन और पांच जिंदा कारतूस, एक फैक्ट्री मेड दोनाली बंदूक 12 बोर मय 20 जिंदा कारतूस तथा एक फैक्ट्री मेड राइफल 315 बोर मय 18 जिंदा कारतूस बरामद हुई।

भाई को छत दिलाने के लिए भीख मांगने वाली बहन ने उधार लेकर दिए 50 हजार, फिर भी नहीं मिला सरकारी मकान!

खुद भीख मांगकर करती है गुजर-बसर, दिव्यांग भाई के सिर पर छत के सपने के लिए जुटाई थी पाई-पाई की रकम

मुजफ्फरनगर। किसी के लिए 50 हजार रुपये शायद बहुत बड़ी रकम न हो, लेकिन भीख मांगकर अपना पेट पालने वाली एक गरीब महिला के लिए यह जिंदगीभर की जमा-पूंजी और उधार का बोझ हो सकता है। इस महिला ने अपने लिए नहीं, बल्कि अपने दिव्यांग भाई के सिर पर छत का सपना पूरा करने के लिए यह रकम जुटाई थी। उसे उम्मीद थी कि सरकारी आवास मिल जाने से उसके भाई को भी सम्मान के साथ रहने के लिए एक सुरक्षित ठिकाना मिल जाएगा। इसी उम्मीद में उसने किसी से उधार लेकर 50 हजार रुपये दिए, लेकिन आरोप है कि न तो भाई को मकान मिला और न ही उसकी मेहनत और मजबूरी से जुटाई गई रकम वापस हुई। अब बहन के सामने भाई को छत दिलाने का सपना टूटने के साथ ही उधार चुकाने की चिंता भी खड़ी हो गई है। मामला सामने आने के बाद आजाद अधिकार सेना ने डूडा विभाग में तैनात कर्मचारी गौरव चंदेल के खिलाफ मुख्यमंत्री से शिकायत कर जांच और कार्रवाई की मांग की है।



भाई के सिर पर छत के लिए उधार लेकर जुटाए 50 हजार रुपये

बुढ़ाना मोड़ स्थित खंजापुर निवासी कमला पत्नी सिसाला की शिकायत के अनुसार, वह भीख मांगकर अपना जीवन यापन करती है। उसका दिव्यांग भाई भी आर्थिक और सामाजिक रूप से कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहा है। ऐसे में परिवार को उम्मीद थी कि सरकारी आवास योजना के तहत भाई को मकान मिल जाएगा तो उसकी जिंदगी कुछ आसान हो सकेगी। महिला का आरोप है कि डूडा विभाग में तैनात कर्मचारी गौरव चंदेल ने उसके दिव्यांग भाई को श्रेणी 16/2 का सरकारी आवास आवंटित कराने का भरोसा दिया था। इसी भरोसे में उसने 20 फरवरी 2026 को किसी से उधार लेकर 50 हजार रुपये दिए। महिला के लिए यह रकम जुटाना आसान नहीं था, लेकिन भाई को छत मिलने की उम्मीद ने उसे उधार लेने के लिए मजबूर कर दिया।

उम्मीद टूट गई, कर्ज का बोझ रह गया

महिला को उम्मीद थी कि कुछ समय बाद उसके दिव्यांग भाई को सरकारी मकान मिल जाएगा और परिवार को दर-दर की परेशानी से राहत मिलेगी। लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी आवास नहीं मिला। महिला का आरोप है कि रकम वापस मांगने के बावजूद उसे पैसे नहीं लौटाए गए। जिस रकम को उसने भाई के बेहतर भविष्य की उम्मीद में उधार लिया था, वही अब उसके लिए बड़ी परेशानी बन गई है। एक तरफ भाई के लिए छत का सपना अधूरा है तो दूसरी तरफ उधार देने वाले को रकम लौटाने की चिंता सता रही है। महिला की शिकायत ने सरकारी योजनाओं का लाभ पाने के लिए संघर्ष कर रहे गरीब और जरूरतमंद परिवारों की मुश्किलों को भी सामने ला दिया है।

इस प्रकरण को लेकर सोमवार दोपहर करीब एक बजे आजाद अधिकार सेना के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद यूसुफ उर्फ गुड्डू के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सिटी मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

संपादकीय

दवा की लागत कम, कीमत कई गुना ज्यादा

सवाल है कि जब दवाओं के निर्माण में अपेक्षाकृत कम खर्च आता है, तो बाजार में उनका अधिकतम मूल्य कई गुना ज्यादा क्यों तय किया जाता है? देश ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में काफी प्रगति की है, मगर आज भी यहां आम नागरिकों को किफायती और बेहतर इलाज की सुविधाएं मिल पाना किसी चुनौती से कम नहीं है। बीमार हालत में अस्पताल में भर्ती होने और जांच कराने के शुल्क के साथ दवाओं की बढ़ती कीमतें मरीजों की जेब पर भारी पड़ रही हैं। चिंता की बात यह है कि कई दवाओं की निर्माण लागत तथा उनके अधिकतम और खुदरा मूल्यों के बीच इतना ज्यादा अंतर होता है कि उनकी कीमतें मरीजों की पहुंच से ही दूर हो जाती हैं।सवाल है कि जब दवाओं के निर्माण में अपेक्षाकृत कम खर्च आता है, तो बाजार में उनका अधिकतम मूल्य कई गुना ज्यादा क्यों तय किया जाता है? सर्वोच्च न्यायालय ने इसी चिंता को रेखांकित करते हुए सरकार से पूछा कि क्या दवा निर्माताओं को इस तरह की मनमानी करने की छूट दी जा सकती है! साथ ही यह सवाल भी किया कि पूरी व्यवस्था दवा निर्माताओं की मदद करने के लिए क्यों काम कर रही है?गौरतलब है कि किसी भी दवा के निर्माण की लागत में कच्चे माल, अनुसंधान, परीक्षण, उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग और वितरण पर होने वाला खर्च तथा मुनाफा शामिल होता है। इसलिए उसकी वास्तविक निर्माण लागत और अंतिम बिक्री मूल्य में अंतर होता है। मगर जब यह अंतर असाधारण रूप से अधिक हो जाता है, तो दवा की कीमत तय करने की प्रक्रिया पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कुछ दवाओं के मामले में एक ही औषधीय घटक विभिन्न निर्माताओं की ओर से अलग-अलग कीमतों पर बेचा जाता है।ऐसे में मरीजों और उनके तीमारदारों के लिए यह समझना मुश्किल हो जाता है कि महंगी दवा वास्तव में कितनी बेहतर है और उसकी अधिक कीमत के पीछे क्या कारण हैं। खासकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज से संबंधित दवाओं के अधिकतम और खुदरा मूल्यों में भारी अंतर की वजह से इनकी कीमतें बढ़ा दी जाती हैं। हालांकि, दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण मौजूद है, लेकिन शीर्ष अदालत ने इसकी कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा है कि यह पूरी तरह से निष्क्रिय संस्था प्रतीत होती है।अहम सवाल यह है कि आम लोगों को सस्ते इलाज की सुविधा मुहैया कराने के दावों के अनुरूप सरकार को जो काम खुद करना चाहिए था, उसके लिए सर्वोच्च न्यायालय को निर्देश क्यों देना पड़ रहा है! यही नहीं, सरकार को इस मामले में उस वक्त अदालत की तीखी टिप्पणियों का सामना करना पड़ा, जब उसकी ओर से कहा गया कि पूरी व्यवस्था को नियंत्रित करना ठीक नहीं होगा। अदालत का यह सवाल वाजिब है कि जब दवाओं की अधिकतम और खुदरा कीमतों में चार सौ फीसद या उससे भी ज्यादा का अंतर होता है, तो इसके बीच का पैसा कहां जाता है?जाहिर है कि आम मरीज और उनके परिजन ज्यादा मोल-भाव करने की स्थिति में नहीं होते और उन्हें दवाओं के लिए अधिक मूल्य चुकाना पड़ता है।

आस्था का लोक-विज्ञान और पुरबिया प्रवासी संघर्ष तक छठ महापर्व का मर्म

(कुशाग्र राजेंद्र और देविना कृष्णा)

छठ महापर्व सदियों से इसलिए जीवित है क्योंकि यह जीवनदायिनी प्राकृतिक शक्तियों के प्रति सार्वभौमिक कृतज्ञता का पर्व है। वैचारिक विवादों से परे, छठ महापर्व भारतीय ज्ञान परंपरा के लोक-विज्ञान, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और बिहार के मेहनतकश विस्थापित समाज के संघर्ष और आत्मसम्मान का सबसे बड़ा संबल है। कार्तिक महीने के साथ ही हर वर्ष उत्तर भारत की सामाजिक और सांस्कृतिक फिजा में दो बिल्कुल विपरीत तस्वीरें उभरती हैं। एक ओर दिल्ली, मुंबई, सूरत और बेंगलुरु के रेलवे स्टेशनों पर अपने घर लौटने की जद्दोजहद में ट्रेनों के खचाखच भरे डिब्बों में ठुंसे लाखों बिहारी प्रवासी कामगार दिखते हैं, तो दिल्ली में यमुना के जहरीले झाग के बीच खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देते पूरब के विस्थापित परिवार।

वहीं दूसरी ओर, बिहार-झारखंड और पूर्वांचल के ग्रामीण अंचलों में नदियों और पोखरों के घाटों पर बिना किसी पुरोहित, मंदिर या मूर्ति के कमर भर पानी में खड़ी होकर उगते और डूबते सूर्य को गन्ना, कच्ची हल्दी और मौसमी फल अर्पित करती आह्लादित स्त्रियों और पुरुषों का अनुशासित लोक-पर्व दिखाई देता है। *लोक-कंठ से फूटता स्वर*

केरवा जे फरेला घवद से,
ओह पर सुगा मेड़राय

मनुष्य, पशु-पक्षी और प्रकृति के बीच के इसी आत्मीय संवाद को जीवंत कर देता है।प्रकृति के प्रति इस निश्छल कृतज्ञता और आधुनिक पलायन की त्रासदी के बीच ही छठ महापर्व का वास्तविक मर्म छिपा है। विडंबना यह है कि हाल के वर्षों में सोशल मीडिया और वैचारिक बहसों ने इस जीवंत लोक-पर्व को भी कृत्रिम खांचों में बांटने की कोशिश की है। कहीं इसे विशुद्ध वैदिक परंपरा साबित करने की होड़ है, तो कहीं इसे बौद्ध परंपरा से जोड़कर एक नया सांस्कृतिक ध्रुवीकरण खड़ा करने का प्रयास।ऐसे विवाद इस पर्व की मूल आत्मा से भटकाव हैं। यदि हम इसे भारतीय ज्ञान की लोक-परंपरा की कसौटी पर परखें, तो छठ किसी भी वैचारिकी से परे, पारिस्थितिकी, जल-संरक्षण और कृषि-कृतज्ञता का एक जीवंत लोक-विज्ञान है, जिसे उन्नीसवीं सदी में गिरमिटिया मजदूरों ने सात समंदर पार तक जीवित रखा, यहां तक मुस्लिम महिलाएं भी उसी निश्चल श्रद्धा के साथ घाट पर अर्घ्य देती दिख जाती है और आज बिहार का मेहनतकश प्रवासी समाज छठी मइया के साथ अपने जुड़ाव को अपने आत्मसम्मान के संबल के रूप में संजो रहा है।भारतीय सभ्यता में ज्ञान की दो धाराएं समानांतर प्रवाहित होती



रही हैं 'शास्त्रीय' और 'लौकिक'। छठ इन दोनों धाराओं का अद्भुत संगम है।इसके दार्शनिक सूत्र ऋग्वेद की उन ऋचाओं से जुड़ते हैं जो सूर्य को संपूर्ण चराचर जगत की आत्मा (सूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च) मानती हैं, और उस प्राचीन सूर्य-उपासना परंपरा से भी, जिसके प्रमाण आज भी बिहार के औरंगाबाद के देव सूर्य मंदिर और नालंदा के बड़गांव में मौजूद हैं। किंतु इस गूढ़ सूर्य-दर्शन को जन-जन का सहज, लोकतांत्रिक अनुष्ठान बनाने का श्रेय हमारी 'लोक-परंपरा' को जाता है, जिसे पीढ़ी दर पीढ़ी स्त्रियों ने अपने भोजपुरी, मैथिली और मगही छठ गीतों के माध्यम से सहेजा है।भारत के तमाम कृषि-पर्व, चाहे तमिलनाडु का पोंगल हो, असम का बिहू या ओडिशा का नुआखाई, बिना पुरोहित और कर्मकांड के ही मनाए जाते रहे हैं। छठ का पुरोहित-विहीन और स्त्री-प्रधान स्वरूप कोई ऐतिहासिक अपवाद नहीं, बल्कि भारत की मौलिक कृषि-संस्कृति की स्वाभाविक पहचान है।इसलिए छठ के बहाने 'वैदिक बनाम बौद्ध' का द्वंद्व खड़ा करना न केवल अनैतिहासिक है, बल्कि समाज को मूल प्रश्नों से भटकाने वाला भी है। प्राचीन मगध की उर्वर भूमि पर वैदिक और श्रमण (बौद्ध व जैन) परंपराएं अलग-अलग द्वीपों में नहीं रहती थीं; उन्होंने एक ही कृषि-चक्र, उन्हीं नदियों और प्रकृति के प्रति समान सम्मान को साझा किया था।केवल पुरोहित की अनुपस्थिति के आधार पर इसे बौद्ध पर्व घोषित करना मानवशास्त्र की बुनियादी समझ के विपरीत है, क्योंकि होली से लेकर करवा चौथ तक भारत के अधिकांश लोक-पर्व बिना पुरोहित के ही संपन्न होते हैं। इसके अतिरिक्त, छठ का 36 घंटे का कठोर निर्जला उपवास और सात्विक संयम, बौद्ध दर्शन के 'मध्यम मार्ग' से बिल्कुल भिन्न है।

उत्पत्ति की इन व्यर्थ बहसों में उलझना उन ग्रामीण स्त्रियों के योगदान को नकारना है जिन्होंने इस परंपरा को गढ़ा, और साथ ही बिहार के समकालीन आर्थिक संकटों से आंखें मूंदना भी है।यदि हम छठ के अनुष्ठानों को गहराई से देखें, तो इसमें प्रकृति और मानव शरीर के संतुलन का एक अत्यंत परिष्कृत समझ दिखाई देता है, जिसकी वैश्विक महत्ता को देखते हुए आज इसे यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल करने की पहल भी हो रही है।

पहला, यह ऋतु-संधि और जैविक लय का विज्ञान है। कार्तिक मास शरद और हेमंत ऋतु का संधिकाल होता है, जब मनुष्य की रोग-प्रतिरोधक क्षमता स्वाभाविक रूप से कमजोर पड़ती है। अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा शरीर को प्रातः और सायं की उन कोमल किरणों के संपर्क में लाती है और सर्दियों से पहले शरीर की जैविक घड़ी को संतुलित करने में सहायक होती हैं।

दूसरा, यह कृषि-पारिस्थितिकी और जैव-विविधता के संरक्षण का पर्व है। बाजारवादी मिठाइयों और कृत्रिम वस्तुओं से दूर, बांस के सूप में सजाया जाने वाला हर नैवेद्य सीधे खेत से निकला कच्चा और मौसमी उत्पाद होता है, गन्ना, कच्ची हल्दी, अदरक, मूली, सिंघाड़ा, शकरकंद और गागल, नींबू।इन पारंपरिक फसलों की अनिवार्यता न केवल स्थानीय जैव-विविधता को बचाए रखती है, बल्कि छोटे किसानों के साथ-साथ सूप बुनने वाले डोम कारीगरों और मिट्टी के दीये गढ़ने वाले कुम्हारों की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल देती है। तीसरा, यह जल-संस्कृति और सामाजिक समरसता का अनुष्ठान है।

चूंकि व्रतियों को नदी या तालाब के कमर भर पानी में उतरना होता है, इसलिए पर्व से पहले पूरे समाज के लिए अपने जलस्रोतों की सफाई और गाद निकालना एक नैतिक, सामूहिक और वार्षिक दायित्व बन जाता है। एक ही घाट पर खड़ा समाज जाति और वर्ग की दीवारों को स्वतः गिरा देता है।

इस विकेंद्रीकृत लोक-ज्ञान की जीवटता की सबसे कठिन परीक्षा उन्नीसवीं सदी में हुई, जब औपनिवेशिक शासन के दौरान बिहार और पूर्वांचल से लाखों गिरमिटिया मजदूरों को मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, त्रिनिदाद, गुयाना और दक्षिण अफ्रीका के गन्ने के खेतों में खटने के लिए ले जाया गया। बिना किसी सामान, बिना मंदिर और बिना पुरोहित के सात समंदर पार पहुंचे इन मजदूरों के पास केवल उनकी स्मृतियां और लोकगीत थे।

मॉरीशस में, जहां भोजपुरी भाषी समाज बहुसंख्यक था, स्त्रियों ने छठ गीतों के सहारे इस पर्व को जीवित रखा और आज वहां गंगा तालाब के तट पर यह राजकीय सम्मान के साथ मनाया जाता है। कैरेबियाई द्वीपों में बागानों की कठोर मजदूरी ने चार दिवसीय अनुष्ठान में बाधा जरूर डाली, लेकिन 'कार्तिक नहान' और संतान-रक्षा के लोक-संस्कारों के रूप में छठी मइया की स्मृति बची रही, जो आज वहां एक नए सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आधार बन रही है। दक्षिणी गोलार्ध के विपरीत मौसम और अनजान फसलों के बीच भी गिरमिटिया समाज ने प्रकृति के प्रति कृतज्ञता के इस व्याकरण को ढाल लिया, यह सिद्ध करते हुए कि सूर्य, जल और मिट्टी से मनुष्य का सीधा रिश्ता कभी गुलाम नहीं बनाया जा सकता।

उन्नीसवीं सदी के उन गिरमिटिया मजदूरों और इक्कीसवीं सदी के बिहारी प्रवासी कामगारों के बीच एक गहरा, मार्मिक सूत्र जुड़ा हुआ है। दोनों ही अपनी मिट्टी की उपेक्षा और आर्थिक विवशता के कारण पलायन का दंश झेलने वाले समाज हैं। आज छठ महापर्व बिहार के विकास मॉडल की विफलता का सबसे बड़ा वार्षिक आईना बन चुका है।

खेती के संकट, बाढ़ की त्रासदी और स्थानीय रोजगार के अभाव ने लाखों युवाओं को देश के महानगरों में असंगठित मजदूरी के लिए धकेल दिया है। कार्तिक मास में हर कीमत पर घर लौटने की उनकी तड़प केवल भावुकता नहीं, बल्कि अपने खोए हुए आत्मसम्मान को पुनः पाने की छटपटाहट है।

साथ ही, यह पर्व पीछे गांव में छूट गई उन लाखों महिलाओं के एकाकी संघर्ष और धैर्य का भी उत्सव है, जो साल भर अकेले घर-खेत संभालती हैं और अपने प्रवासी पतियों व परिवार की सलामती के लिए 36 घंटे का निर्जला तप करती हैं। किंतु आधुनिक शहरी विकास की विडंबना इन प्रवासियों का पीछा घाटों तक करती है! जो कामगार घर नहीं लौट पाते, वे दिल्ली की प्रदूषित यमुना के जहरीले पानी या कृत्रिम गड्ढों में खड़े होकर अर्घ्य देने को विवश हैं।

हालांकि, इस गौरवशाली परंपरा का उत्सव मनाते हुए हमें एक जरूरी आत्म-मंथन भी करना होगा। आज स्वयं हमारे गांवों और शहरों के घाटों पर बढ़ता प्लास्टिक का कचरा, कानफोडू डीजे का शोर, और राजनीतिक व प्रशासनिक 'वीआईपी संस्कृति' का दिखावा छठ की उस मूल सादगी और पर्यावरण-चेतना को चुनौती दे रहा है। यदि हमने इस आंतरिक प्रदूषण और बाजारवाद को नहीं रोका, तो हम अनजाने में उसी लोक-संस्कृति को कमजोर करेंगे जिसे हमारे पुरखों ने सदियों तक सहेजा है। छठ महापर्व सदियों से इसलिए जीवित है क्योंकि यह जीवनदायिनी प्राकृतिक शक्तियों के प्रति सार्वभौमिक कृतज्ञता का पर्व है। इस महान विरासत के प्रति सच्ची निष्ठा केवल प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा के गौरवगान, व्यर्थ के वैचारिक विवादों या घाटों के बाहरी आडंबर से सिद्ध नहीं होगी। सूर्य और छठी मइया की सच्ची आराधना का अर्थ है, अपनी नदियों और जलस्रोतों को स्वच्छ व अविरल बनाना, स्थानीय खेती को लाभकारी बनाना और बिहार झारखंड में ही सम्मानजनक रोजगार का सृजन करना, ताकि आने वाले कल में अपनी ही मिट्टी और अपने ही सूर्य को अर्घ्य देने के लिए प्रवासी बनकर भीड़ भरी ट्रेनों में धक्के न खाने पड़ें।

लेखक पर्यावरणविद हैं और देविना कृष्ण भाषाविज्ञानी हैं। यह दोनों के निजी विचार हैं।

राजेंद्रनारायण बसु की पुस्तक 'सेकाल आर ए काल' और हमारी बौद्धिक विडंबना

(राकेश सिन्हा)

'सेकाल आर ए काल' एक बांग्ला पुस्तक का शीर्षक है। इसका अर्थ है 'बीता हुआ कल और आज'। यह 1848 में राजनारायण बसु द्वारा बंगाल की जातीय सभा में दिया गया 'डेविड हरे व्याख्यान' है, जिसे 1874 में पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया गया। स्वाभाविक है, बसु का यह शताब्दी वर्ष उन्हें याद करने का निमित्त बना है। यह अपने आप में चिंता का विषय है।

प्रकाशन के बाद पुस्तक अपने वैचारिक प्रभाव और मौलिकता के कारण जाना जाता है। 'से काल आर ए काल' में वैचारिक प्रभाव और मौलिकता, दोनों है। फिर भी लेखक या व्यक्तित्व के सहारे हमें इसे स्मरण करने का क्या कारण है? यह प्रश्न वर्तमान बौद्धिक परिवेश को आईना दिखाता है।

पुस्तक के नाम से जाहिर है कि यह साम्राज्यवादी काल के भारत की अवस्था का चित्रण है। पर यह इन दो बातों से मुक्त है- आत्मग्लानि और आत्ममुग्धता। बसु सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन में प्रवृत्तियों और परिणामों को सामने रखते हैं। पात्रों का उल्लेख सिर्फ प्रतिबिंब की तरह होता है। लेखन की यह शैली आलोचनात्मक होती है और इसमें विचारों को आगे बढ़ाने या नए विचारों के सृजन की क्षमता आ जाती है।

यही इस व्याख्यान की खासियत है। इसे पढ़ते समय हमारा मस्तिष्क भूतकाल के पिंजरे में बंद नहीं रहता है, बल्कि चिंतन की एक समांतर धारा चलती है, जो हमें अपने वर्तमान पर सोचने और आत्मालोचन के लिए बाध्य करती है। बुस की यह रचना अतिरेक से मुक्त है, चीजों को आलोचनात्मक और संवेदनशीलता के साथ देखने की विधा की तरह है।

हमारे प्राचीन साहित्य अपनी इसी मौलिकता के कारण अपनी प्रासंगिकता बनाए हुए हैं। चाहे वह बौद्ध साहित्य हो या जैन साहित्य अथवा साम्राज्यवादी काल में लिखी गई रचनाएं। हर युग की बौद्धिकता की एक विशिष्ट प्रवृत्ति होती है। उसे विचार और व्यक्ति के बीच जूझना पड़ता है। विचार प्रधान साहित्य कालजयी होता है, तो व्यक्ति प्रधान साहित्य पानी के बुलबुले की तरह होता है।

समकालीन दुनिया, विशेषकर भारत का बौद्धिक समाज अपनी विरासत से बहुत दूर है। प्रवृत्तियों पर विमर्श की जगह यह पात्रों पर अपनी ऊर्जा, समय और प्रतिभा खर्च कर रहा है। बसु का व्याख्यान उसी कमजोरी को सामने रखता है। वर्तमान की बौद्धिकता राजा-रानी की कहानियों से भी एक कदम नीचे है। बौद्धिक और गैर-बौद्धिक के बीच जब लकीर खींचना मुश्किल हो जाता है, तब विरासत की ओर देखने की अनिवार्यता हो जाती है। बौद्धिकता के क्षरण का प्रतिबिंब हमारा दिन-प्रतिदिन की घटनाओं में उलझकर रह जाना है। समाज के बदलाव को समझने और नई पीढ़ी को उसके अनुकूल ढालने की क्षमता खो जाना साहित्य से समाजशास्त्र तक दिखाई पड़ता रहा है। बौद्धिकता जब खांचे में बंटी होती है, तब संवाद पर बर्फ जम जाता है। वही दृश्य आज हमें परिभाषित कर रहा है। बौद्धिकता का काम समाज, संस्कृति, अर्थव्यवस्था और मानवीय स्वभाव की प्रवृत्तियों को तुलनात्मक रूप से उजागर कर उसे अपनी श्रेष्ठता का आभास कराना होता है। तभी वह समाज का नेतृत्व कर पाता है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पात्रों की जगह प्रवृत्तियों का आधिपत्य था।

तभी सुंदरलाल का 'अंग्रेजी राज', आरपी दत्त का 'इंडिया टुडे', गांधी का 'हिंद स्वराज', सावरकर का 'प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' जैसी रचनाएं बौद्धिकता की श्रेष्ठता का मानक बनी हुई हैं। बसु ने जब व्याख्यान दिया था, तब वे मात्र बाईस वर्ष के थे। उनके पास डिग्रियों या पुरस्कारों का गट्ठर भी नहीं था। व्याख्यान के सात साल बाद वे एक स्कूल के प्रधानाध्यापक बने।

बसु बौद्धिकता की समकालीन प्रवृत्ति की ओर इशारा करते हुए अनेक घटनाओं का उल्लेख करते हैं। उनमें एक माइकेल मधुसूदन दत्ता से दोस्ती है। उन दोनों के सांस्कृतिक दर्शन में जमीन आसमान का अंतर था। दूसरी घटना दो अखबारों 'बंग दूत' और 'शब्द प्रभाकर' के बीच का खुला वैचारिक झगड़ा था।

इसमें 'फ्रेंड्स आफ इंडिया' के संपादक कूद पड़े, तब 'बंगदूत' ने लिखा था कि यह झगड़ा भोला मोयरा और नीलू राम प्रसाद (सामान्य लोगों) के बीच है। फिर फिरंगी कहां से आ गए? बसु ने नवदीप का उल्लेख किया, जहां शिक्षक रामनाथ का स्कूल था। उन्हें राजा शिवचरण ने सहायता करने की पेशकश की, पर रामनाथ तैयार नहीं हुए। उनका राजा को दिया गया उत्तर न्याय दर्शन के संदर्भ में था।

ज्ञान परंपरा भौतिकता के वैशाखी से नहीं चलता है। उसमें सामर्थ्य तप और साधना से आता है। पर अंग्रेजी प्रभाव से ग्रस्त होकर उन्हें असभ्य कहा गया। इस पर बसु ने पूछा, 'अगर वे असभ्य हैं, तो सभ्यता क्या है?'समाज के विकास को समझने से ही उसमें बुनियादी परिवर्तन का रास्ता खुलता है। घटनाओं, पात्रों और प्रतिरोधों का हिस्सा बनकर समाज की उन्नति की कल्पना करना व्यर्थ साबित होता है। वर्तमान काल की बौद्धिकता और सामाजिक-राजनीतिक प्रवृत्तियां स्वयं के उलझनों से ग्रस्त हैं।

व्यक्ति का स्वभाव, आचरण, आदत, महत्त्वाकांक्षा आदि के भंवर में फंसा है। इसलिए बसु, दत्त, दादाभाई नौरोजी जैसे को देखकर मन में प्रश्न आता है कि वे कैसे लोग थे, जिन्होंने प्रतिकूलताओं के बीच रहकर चिंतन के स्तर को निरंतर बनाए रखा। और हम कौन लोग हैं, जो उस महान वैचारिक विरासत से रूबरू भी कुछ लोगों के माध्यम से हो रहे हैं। यही अंतर रेखांकित हो रहा है। कैसी विडंबना है कि 'से काल आर ए काल' का हिंदी सहित भारतीय भाषाओं में अनुवाद तक नहीं हो पाया है। यह बात सिर्फ इसी पुस्तक तक सीमित नहीं है। भारतीय भाषाओं की मौलिक रचनाएं स्थानीयता में सिमट गई हैं।

चुनावी दंगल में प्रत्याशी की छवि बनेगी जीत का मूलाधार

जो नेता केवल चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद हेलीकॉप्टर या लग्जरी काफिले में उतरता है, उसके लिए अब जनता के पास केवल तिरस्कार शेष है। बनारस और लखनऊ के नतीजों ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि प्रतिष्ठा और विरासत का दंभ अब मतदाता को गुमराह नहीं कर सकता। जब प्रत्याशी की छवि पर सवाल खड़े होते हैं, तो चाहे कितनी भी रणनीतिक चालें चली जाएं, चाहे कितने भी बड़े स्टार प्रचारक झोंक दिए जाएं परन्तु पराजय की पूर्व लिखित पटकथा बदली नहीं जा सकेगी।

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

भारतीय लोकतंत्र की नई प्रयोगशाला में अब मतदाता केवल पारंपरिक निष्ठाओं, काल्पनिक नारों और कागजी समीकरणों के भरोसे मतदान केंद्र तक नहीं जा रहा है। राजनीतिक दलों के रणनीतिकारों की पुरानी जमा-घटाव वाली गणित अब थक चुकी है। मैदान में उतरने वाले प्रत्याशी की व्यक्तिगत छवि ही जीत-हार का निर्णायक मूलाधार बनने जा रही है। बीते दिनों उत्तर प्रदेश में हुए चुनावों के नतीजों ने इस सच्चाई को खुलकर सामने रख दिया जहां बनारस और लखनऊ जैसी प्रतिष्ठित सीटों पर उतारे गए प्रत्याशियों को किसी बाहरी तूफान ने नहीं बल्कि उनकी अपनी नकारात्मक छवि ने धूल चटाई है। इन दोनों ही सीटों पर प्रत्याशियों की छवि को लेकर उठते सवालों, पार्टी के अहंकार की बू, जनता से कटे होने के आरोपों और विश्वसनीयता के संकट ने उस पारंपरिक वोट बैंक आहत किया था जिसे दल विशेष अपनी जागीर समझ बैठे हैं।

बनारस और लखनऊ के ये परिणाम केवल स्थानीय हार नहीं हैं बल्कि उन तमाम रणनीतिकारों के मुंह पर करारा तमाचा है जो मानते थे कि बड़े नाम, भारी-भरकम अभियान या सत्ता के गलियारों की चमक के सहारे किसी को सिंहासन पर बैठाया जा सकता है। आज की राजनीति का सबसे बड़ा कैंसर वह सिद्धांतविहीन दलबदल संस्कृति है जिसने वर्षों से झंडा ढोने वाले, लाठी खाने वाले और बूथों पर पसीना बहाने वाले पुराने कार्यकर्ताओं की कमर तोड़ दी है। जब रातोंरात दल बदलने वाले अवसरवादियों को माला पहनाकर टिकट थमाया जाता है तब जमीन पर वर्षों मेहनत करने वाला निष्ठावान कार्यकर्ता स्वयं को ठगा हुआ महसूस करता है। उसकी यह नाराजगी किसी मंच से नारेबाजी बनकर नहीं निकलती बल्कि मतदान के दिन वह चुप्पी साधकर घर के भीतर से ही निकट विरोधी को समर्थन देकर अपनी पीड़ा का हिसाब चुकता करता है।

आंकडे बताते हैं कि आगामी चुनावों में लगभग पंद्रह से बाईस प्रतिशत सीटों का भाग्य यही नाराज जमीनी कार्यकर्ता तय करेंगे। राजनैतिक दलों की असली वोटिंग मशीनरी तो उसका समर्पित कार्यकर्ता होता है, न कि किराए पर लाई गई भीड़। जब वह कार्यकर्ता ही रूठा हो तो बड़े-बड़े रैलियों के आंकड़े और सोशल मीडिया के कृत्रिम ट्रेंड्स स्वमेव ही धूल चाटते दिखने लगते हैं। लोकतंत्र की जड़ों को दीमक की तरह चाटने वाले बहुबली, धनबली, अपराधबली और पहुंचबली तत्वों को टिकिट देना अब फैशन बन गया है। दलों के आकाओं को लगता है कि बाहुबल के प्रदर्शन, थैली की ताकत, आपराधिक रौब और राजधानी के गलियारों में बैठे सफेदपोश संरक्षकों तक पहुंच से चुनाव जीता जा सकता है। मतदाता अब इस दंभ को तोड़ने पर आमादा है। ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों के सर्वेक्षण और जमीनी अनुमान के आधार पर यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि जिन सीटों पर ऐसे तत्वों को उतारा जाएगा, वहां सत्ता विरोधी लहर से कहीं अधिक तीव्र प्रतिक्रिया प्रत्याशी के चरित्र, व्यवहार और अतीत के इतिहास के खिलाफ देखने को मिलेगी।

आम आदमी अब बल की धौंस से डरने के बजाय मतदान के दिन ईवीएम का बटन दबाकर अपनी मूक शक्ति का प्रदर्शन का मन बना चुका है। धनबल के सहारे प्रचार का शोर तो खड़ा किया जा सकता है परन्तु मतदाता का आत्मसम्मान के नहीं खरीदा जा सकता। सबसे बडा बदलाव तो जातिगत समीकरणों की उस तथाकथित अजेय दीवार को लेकर आ रहा है जिसे दशकों तक भारतीय राजनीति का अटल सत्य माना जाता रहा। अब यह धारणा भी तेजी से टूट रही है कि किसी विशेष जाति की बहुलता किसी भी कमजोर या अलोकप्रिय प्रत्याशी को जिता सकती है। आगामी चुनावों में प्रत्याशी की उज्ज्वल, स्वच्छ और संवेदनशील छवि किसी भी जातिगत आंकड़े पर भारी पड सकती है। अतीत का अनुभव बताता है कि किसी सीट पर किसी जाति के तीस से पैंतीस प्रतिशत मतदाता हैं लेकिन प्रत्याशी की छवि जनविरोधी, अहंकारी या संदिग्ध है तो उसी जाति का जागरूक वर्ग अपने ही सजातीय प्रत्याशी से मुंह मोड़कर स्वच्छ छवि वाले विकल्प की ओर रुख कर लेता है। ऐसे में लगभग तीस प्रतिशत से अधिक सीटों पर पक्षविरोधी मतदान यानी क्रॉस-वोटिंग का यह पैटर्न निर्णायक भूमिका निभा सकता है जहां जाति की पहचान के ऊपर व्यक्ति की विश्वसनीयता और जनसंपर्क की कसौटी जीत का ताज पहनाएगी।

यह परिवर्तन अचानक नहीं आया है बल्कि लम्बे समय तक उपेक्षा, वादाखिलाफी और दिखावटी राजनीति के खिलाफ जमा हुए आक्रोश का विस्फोट है। आज का मतदाता, विशेष रूप से युवा और महिला वर्ग, प्रत्याशी के बीते पांच वर्षों के आचरण, उसकी सुलभता, उसके व्यवहार की शालीनता और संकट के समय उसकी उपस्थिति का हिसाब रखता है। जो नेता केवल चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद हेलीकॉप्टर या लग्जरी काफिले में उतरता है, उसके लिए अब जनता के पास केवल तिरस्कार शेष है। बनारस और लखनऊ के नतीजों ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि प्रतिष्ठा और विरासत का दंभ अब मतदाता को गुमराह नहीं कर सकता। जब प्रत्याशी की छवि पर सवाल खड़े होते हैं, तो चाहे कितनी भी रणनीतिक चालें चली जाएं, चाहे कितने भी बड़े स्टार प्रचारक झोंक दिए जाएं परन्तु पराजय की पूर्व लिखित पटकथा बदली नहीं जा सकेगी।

ऐसे में वही दल बाजी मारेगा जो अपने टिकट वितरण में जमीन कार्यकर्ता, स्थानीय कार्यकर्ता और समर्पित कार्यकर्ता को महत्व देगा। यदि दलों ने पुराने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा जारी रखी, दलबदलुओं को सिर-आंखों पर बैठाया और बहुबली-धनबली-अपराधबली-पहुंचबली जैसी जमात को टिकट बांटने का मोह नहीं छोड़ा, तो उन्हें घातक परिणामों के लिए भी तैयार रहना पड़ेगा।

ऐसे में आगामी विधानसभा और लोकसभा के रणक्षेत्रों में वही प्रत्याशी सुरक्षित माने जाएंगे जिनकी छवि जनता के बीच सेवक की है, न कि शासक, ठेकेदार, माफिया या दलबदलू की। जातिगत अंकगणित के भरोसे टिकट बांटने वालों को इस बार प्रत्याशियों के चयन में उज्ज्वल छवि वाला जमीनी कार्यकर्ता को तलाशना होगा तभी जातिगत किले में सेंध लगाई जा सकेगी। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

मुजफ्फरनगर में बुढाना के यूपी ग्रामीण बैंक का 16 करोड़ गबन मामला: 17 खाता धारकों के खाते में वापस आए 1.19 करोड़ रुपये, भाकियू का धरना रहेगा जारी

प्रशासन और बैंक की पहल लाई रंग, शादी-विवाह वाले परिवारों को दी गई प्राथमिकता



बुढ़ाना (मुजफ्फरनगर)। उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की बुढ़ाना शाखा में किसानों व ग्रामीणों के खातों से हुए करोड़ों रुपये के गबन मामले में आखिरकार पीड़ितों को बड़ी राहत मिलनी शुरू हो गई है। लगातार चल रहे आंदोलन और प्रशासनिक दबाव के बाद रकम वापसी की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, जिसके तहत पहले चरण में 17 खाताधारकों के खातों में कुल 1 करोड़ 19 लाख 90 हजार 688 रुपये वापस आ गए हैं। हालांकि, गबन की गई संपूर्ण राशि की वापसी तक भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) का अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को 36वें दिन भी जारी रहा।

इन 17 खाताधारकों के खातों में लौटी गाढ़ी कमाई

बैंक द्वारा जारी विवरण के अनुसार, जिन 17 पीड़ित खाताधारकों को उनकी धनराशि वापस मिली है, उनमें राजकुमार त्यागी, कल्पना त्यागी, मावा देवी, ब्रिजानन्द त्यागी, नेहा, वेदपाल, बबलेश, अरविंद, सत्यपाल, विशी, मेमपाल, हरओम, रूचि शर्मा, श्रवण कुमार, प्रतिभा, सुरेश और पुष्पा शामिल हैं। डीआरएम नवदीप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जिन परिवारों में शादी-विवाह या अति आवश्यक पारिवारिक जरूरतें थीं, उनकी सूची प्राथमिकता के आधार पर तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजी गई थी। उन्होंने आश्वस्त किया कि अब यह प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और लगातार अन्य प्रभावित खाताधारकों के खातों में भी पैसा आना शुरू हो जाएगा।

पूरी रकम वापस आने तक नहीं रुकेगा आंदोलनः अनुज बालियान

धरनास्थल पर डटे भाकियू के जिला महासचिव अनुज बालियान ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह किसानों के संघर्ष की पहली जीत है, लेकिन जब तक गबन की गई एक-एक पाई सभी प्रभावित किसानों के खातों में वापस नहीं पहुंच जाती, तब तक धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक (आरएम) और तहसीलदार भूपेंद्र सिंह ने धरनास्थल पर पहुंचकर किसानों को आश्वासन दिया था कि 16 नवंबर से खातों में पैसा आना शुरू हो जाएगा और नवंबर माह के भीतर ही सभी प्रभावित खाताधारकों को उनकी पूरी रकम लौटा दी जाएगी।

304 शिकायतों में सामने आया था करीब 16 करोड़ का गबन

गौरतलब है कि बुढ़ाना शाखा में हुए इस बड़े वित्तीय घोटाले की जांच में अब तक करीब 304 शिकायतों के आधार पर लगभग 16 करोड़ रुपये के गबन का मामला सामने आ चुका है। स्थानीय किसानों का कहना है कि इस गबन से गांव बड़कता सहित आसपास के कई गांवों के मेहनतकश किसान और खाताधारक सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। अपनी जमापूंजी फंस जाने के कारण कई परिवार लंबे समय से गंभीर आर्थिक संकट और मानसिक तनाव से जूझ रहे थे, जिन्हें अब रकम वापसी शुरू होने से उम्मीद की किरण दिखाई दी है।

भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में मुजफ्फरनगर के नए फ्लेवर वाले गुड़ का जलवा: उत्तर प्रदेश पैवेलियन का मुख्य सचिव ने किया उद्घाटन

यूपी की विरासत को मिला वैश्विक बाजार का मंच, ओडीओसी के माध्यम से उत्तर प्रदेश के पारंपरिक व्यंजन देश-विदेश में बने लोकप्रिय



मुजफ्फरनगर/ नई दिल्ली । भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ)-2026 में उत्तर प्रदेश की पारंपरिक कारोबारी पहचान और आधुनिक उद्यमिता का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। मेले में प्रदेश के पैवेलियन में मैनपुरी की पांच पीढ़ियों से तैयार हो रही सोहन पापड़ी, लखनऊ की मुगलकालीन चिकनकारी और मुजफ्फरनगर का अदरक व सौंफ के नए फ्लेवर वाला गुड़ खास आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इन उत्पादों के माध्यम से उत्तर प्रदेश ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि परंपरागत कारोबार और स्थानीय हुनर को आधुनिक बाजार की जरूरतों के अनुरूप ढालकर बड़े व्यावसायिक अवसर पैदा किए जा सकते हैं। इस वर्ष व्यापार मेले की थीम 'विकास और विरासत' रखी गई है। सहयोगी राज्य के रूप में शामिल उत्तर प्रदेश ने अपने पैवेलियन में कुल 145 स्टॉल लगाए हैं। इनमें प्रदेश के विभिन्न जिलों के पारंपरिक उत्पाद, हस्तशिल्प, खानपान और स्थानीय उद्यमियों की कारोबारी पहल प्रदर्शित की जा रही है। मेले में एक ओर पीढ़ियों से चली आ रही पारंपरिक मिठास है तो दूसरी ओर महीनों और वर्षों की मेहनत से तैयार होने वाली बारीक कारीगरी। वहीं, मुजफ्फरनगर के गुड़ कारोबारी पारंपरिक उत्पाद में नए स्वाद जोड़कर बदलती ग्राहक पसंद के साथ कदमताल कर रहे हैं। हालांकि, कारोबारियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल मेले में उत्पादों को प्रदर्शित करना नहीं, बल्कि यहां मिलने वाली पहचान को नियमित व्यावसायिक ऑर्डर, नए कारोबारी संपर्क और निर्यात के अवसरों में बदलना है। यही वजह है कि ओडीओपी (एक जिला, एक उत्पाद) और ओडीओसी (एक जिला, एक व्यंजन) जैसी पहलों की वास्तविक सफलता का आकलन स्थानीय उत्पादों की बाजार में स्थायी पहुंच और कारोबार में होने वाली वृद्धि से किया जाएगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख गुड़ उत्पादक क्षेत्र मुजफ्फरनगर का गुड़ भी आईआईटीएफ-2026 में अपनी नई पहचान के साथ पहुंचा है। यहां के गुड़ कारोबारी मो. नदीम पारंपरिक गुड़ को आधुनिक बाजार की पसंद के अनुरूप नए रूप में पेश कर रहे हैं। गुड़ में अदरक और सौंफ जैसे फ्लेवर मिलाकर नए उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य पारंपरिक गुड़ के नियमित ग्राहकों के साथ-साथ ऐसे उपभोक्ताओं को भी आकर्षित करना है, जो नए और अलग स्वाद पसंद करते हैं। मुजफ्फरनगर लंबे समय से गुड़ उत्पादन और कारोबार के लिए जाना जाता है। यहां के गुड़ की पहचान स्थानीय मंडियों से निकलकर दूसरे राज्यों तक पहुंचती रही है। अब इस पारंपरिक कारोबार को बेहतर पैकेजिंग, आकर्षक ब्रांडिंग और नए स्वाद के माध्यम से बड़े बाजार में स्थापित करने की कोशिश हो रही है। मो. नदीम के मुताबिक, स्थानीय उत्पादों को बाजार की बदलती मांग के अनुरूप तैयार करना जरूरी है। केवल पारंपरिक तरीके से उत्पादन करने के बजाय गुणवत्ता, पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर भी ध्यान देना होगा। फ्लेवर्ड गुड़ इसी दिशा में एक नई पहल है। मुजफ्फरनगर के गुड़ कारोबार के लिए यह प्रयोग इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे पारंपरिक उत्पाद को नई उपभोक्ता श्रेणी तक पहुंचाने की संभावना बनती है। यदि ऐसे उत्पादों को नियमित खरीदार और बड़े कारोबारी नेटवर्क मिलते हैं तो स्थानीय गुड़ उद्योग को भी नए अवसर मिल सकते हैं।

मीम और चुटकुलों से आगे सोहन पापड़ी की पहचान बनाने की कोशिश

मैनपुरी की सोहन पापड़ी केवल एक मिठाई नहीं, बल्कि पांच पीढ़ियों से चले आ रहे पारिवारिक कारोबार और पारंपरिक स्वाद की पहचान है। सोहन पापड़ी कारोबारी क्षितिज स्वरूप बताते हैं कि सोशल मीडिया पर इस मिठाई को लेकर अक्सर मीम और चुटकुले बनाए जाते हैं। कई बार इसके स्वाद से ज्यादा इसके डिब्बे को लेकर चर्चा होती है। इसके बावजूद मैनपुरी में यह मिठाई पीढ़ियों से लोगों की रोजी-रोटी का आधार बनी हुई है। उनका कहना है कि सोहन पापड़ी भारतीय मिठाइयों की समृद्ध परंपरा का हिस्सा है।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ चार दिवसीय लोकआस्था के महापर्व छठ का समापन



नोएडा, 16 नवम्बर । घर-परिवार में सुख-शांति, संतान की लम्बी उम्र और उत्तम स्वास्थ्य की कामना से सोमवार को सुबह उदीयमान (उगते) सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय लोक आस्था के महापर्व छठ का समापन हो गया। इसके बाद पिछले 36 से 40 घंटों तक निर्जला उपवास रखने वाले व्रतियों ने भगवान भाष्कर को अर्पित किए गए फलों-पकवानों आदि को प्रसाद स्वरूप ग्रहण कर पारण किया। इसके बाद प्रेमपूर्वक प्रसाद का वितरण घर-परिवार, रिश्तेदारों, दोस्तों, पड़ोसियों आदि के बीच किया गया । इस पर्व की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें व्रत रखने वालों के साथ पड़ोसी और मित्र भी पूर्ण सहयोग की भावना से उपस्थित रहते हैं। पिछले कई वर्षों से अटूट श्रद्धा और विश्वास के साथ धूमधाम से छठ महापर्व को मनाने वाली विभा शर्मा बताती हैं कि इस महापर्व के चौथे दिन यानि कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने का विधान है। घर-परिवार के सभी लोग स्नान-ध्यान कर खुशी-खुशी नदी तटों, जलाशयों या अन्य बनाये गए विशेष पूजा स्थलों पर पहुँचते हैं। व्रती जल के मध्य पूर्व दिशा में मुख कर खड़े होकर सूर्य देव के उदय होने का इन्तजार करते हैं और सूर्य दर्शन के बाद उन्हें हर मनोकामना पूर्ण करने की प्रार्थना के साथ अर्घ्य दिया जाता है। इस दौरान बच्चों, बुजुर्गों और युवाओं के चेहरे पर खुशी की अद्भुत छटा देखी जा सकती है। महापर्व के इन चार दिनों के दौरान व्रत-पूजन करने वालों के साथ ही पड़ोसियों और मित्रों में भी एक गजब की खुशी और उत्साह देखने को मिलता है, खुशहाली के इन्हीं पलों को समेटकर फिर अगले साल के छठ महापर्व का इन्तजार शुरू हो जाता है। इस महापर्व पर पूजा-अर्चना में पवित्रता को खास महत्व दिया जाता है। इस दौरान लहसुन, प्याज आदि वर्जित होता है। इस महापर्व पर पारम्परिक लोकगीतों और भक्ति गीतों का भी श्रवण किया जाता है। इसके साथ ही इस महापर्व पर विभिन्न नदियों के तटों, घाटों पर सूर्य अर्घ्य व पूजन के लिए उमड़ने वाला जनसैलाब सामूहिक एकता का भी जीता-जागता उदाहरण है। विभा शर्मा पूजा सम्पन्न होने के बाद भाव विह्वल हो बताती हैं कि कैसे अब बेसब्री से अगले वर्ष की पूजा का इंतजार करेंगी। साथ ही उन्होंने दीपा, किरण, शिवानी, सृष्टि, सोनल, भावना, सुनील, शिवम, निमेष, नवीन एवम् अन्य भक्तों का धन्यवाद किया जिन्होंने तन- मन से इस महापर्व में सहयोग देकर इसे सफल बनाने में योगदान दिया। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में मनाया जाने वाला यह महापर्व आज प्रवासी भारतीयों द्वारा पूरे विश्व में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। छठ महापर्व सूर्यदेव की खास आराधना का पर्व है, जो कि दृढ इच्छाशक्ति, पवित्रता, शुचिता और विश्वास से युक्त होता है। देवी-देवताओं में भगवान भाष्कर ऐसे देवता हैं, जो कि मूर्त रूप में देदीप्यमान हैं, जिन्हें ऊर्जा का स्रोत भी माना जाता है। यह भी माना जाता है कि सूर्य की शक्तियों का मुख्य स्रोत उनकी पत्नी उषा और प्रत्यूषा हैं। इसीलिए छठ में सूर्य देव के साथ ही दोनों शक्तियों की भी संयुक्त आराधना होती है। उगते सूर्य की पहली किरण (उषा) और अस्ताचलगामी सूर्य देव की अंतिम किरण (प्रत्यूषा) को अर्घ्य देकर दोनों को नमन किया जाता है। इसके अलावा प्रकृति की देवी यानि सूर्यदेव की बहन छठी मैया का भी विधि-विधान से पूजन किया जाता है।

चौधरी छोटूराम पी.जी. कॉलेज में कार्बन क्रेडिट एवं सतत कृषि विषय पर कार्यशाला आयोजित



मुजफ्फरनगर। चौधरी छोटूराम पी.जी. कॉलेज, मुजफ्फरनगर में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के संयुक्त तत्वावधान में किसान समृद्धि कार्बन क्रेडिट योजना एवं सतत कृषि विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय के बी.एससी. कृषि के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. के. पी. सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ विद्यार्थियों को आधुनिक कृषि तकनीकों, पर्यावरण संरक्षण एवं शोध आधारित कृषि गतिविधियों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। TRST01 के निदेशक एस. के. बारीक ने कार्बन क्रेडिट की अवधारणा, इसके महत्व तथा कृषि क्षेत्र में इसकी संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार्बन क्रेडिट परियोजनाओं की सफलता के लिए मिट्टी से संबंधित गुणवत्तापूर्ण डेटा का संकलन अत्यंत आवश्यक है। प्रो. ए. एस. मौर्य, पृथ्वी विज्ञान विभाग, IIT रुड़की ने विद्यार्थियों को कार्बन क्रेडिट परियोजनाओं के अंतर्गत मिट्टी के नमूने एकत्र करने की वैज्ञानिक विधियों, सैंपलिंग प्रक्रिया तथा गुणवत्तापूर्ण मृदा डेटा संग्रहण के तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को जानकारी दी गई कि इस परियोजना के अंतर्गत बी.एससी. कृषि के अध्ययनरत एवं उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए दो माह की इंटर्नशिप का अवसर भी उपलब्ध कराया जा रहा है। चयनित विद्यार्थियों को प्रतिमाह 8,000 का स्टाइपेंड दिया जाएगा। इस दौरान विद्यार्थियों को किसानों के खेतों पर जाकर सर्वेक्षण, मृदा नमूना संग्रहण, मृदा डेटा संकलन एवं जियो-रेफरेंसिंग जैसे कार्यों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा। सफलतापूर्वक इंटर्नशिप पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाएगा। इसी क्रम में अनुज कटियार, प्रोजेक्ट मैनेजर, TRST01 ने किसान समृद्धि कार्बन क्रेडिट योजना के अंतर्गत मुजफ्फरनगर जनपद में संचालित परियोजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनपद के सभी सात विकासखंडों में मृदा डेटा संग्रहण एवं जियो-रेफरेंसिंग का कार्य किया जाना प्रस्तावित है। इस परियोजना की शुरूआत वर्तमान में चरथावल विकासखंड से की गई है। इसके अंतर्गत किसानों के खेतों से मिट्टी के नमूने एकत्रित करना, उनका वैज्ञानिक रिकॉर्ड तैयार करना तथा खेतों की भौगोलिक स्थिति को जियो-रेफरेंसिंग के माध्यम से दर्ज करना प्रमुख कार्य होंगे। इस अवसर पर प्रो. ओमवीर सिंह, सस्य विज्ञान विभाग ने प्राकृतिक खेती एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों के महत्व पर प्रकाश डाला तथा पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने की आवश्यकता बताई। महाविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रभारी डॉ. रबीश वर्मा* ने विद्यार्थियों को इस परियोजना से मिलने वाले व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं रोजगारपरक अवसरों की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार की परियोजनाएँ कृषि विद्यार्थियों के कौशल विकास एवं भविष्य में रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. के. पी. सिंह, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रभारी डॉ. रबीश वर्मा, प्लेसमेंट सेल के सदस्य डॉ. आयुष बहुगुणा, प्रो. ओमवीर सिंह (सस्य विज्ञान विभाग), IIT रुड़की के प्रो. ए. एस. मौर्य, TRST01 के निदेशक एस. के. बारीक, प्रोजेक्ट मैनेजर अनुज कटियार एवं अन्य प्रतिनिधियों सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण तथा छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्लेसमेंट सेल के सदस्य डॉ. आयुष बहुगुणा ने सभी अतिथियों, विशेषज्ञों, महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुजफ्फरनगर में भारतीय उपाध्याय समाज का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया



मुजफ्फरनगर । भारतीय उपाध्याय समाज का राष्ट्रीय अधिवेशन भारतीय उपाध्याय समाज धर्मशाला पचेड़ा रोड मुजफ्फरनगर के प्रांगण में आयोजित किया गया।सभा के सभापति ई ओमप्रकाश उपाध्याय मेरठ मुख्य अतिथि ई देवेंद्र कुमार उपाध्याय राष्ट्रीय अध्यक्ष उपाध्याय समाज योगी तेजपाल सिंह अखिल भारतीय उपाध्याय समाज विशिष्ट अतिथि एवं सभा का संचालन श्री नरेन्द्र कुमार उपाध्याय राष्ट्रीय महासचिव भारतीय उपाध्याय समाज द्वारा किया गया। मुख्य एजेंडा भारतीय उपाध्याय समाज का राष्ट्रीय स्तर पर गठन हेतु सात प्रदेशों के प्रति निधियों के विचार उपरांत राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन निम्न वत सर्व सम्मति से किया गया। हरियाणा प्रदेश में चयनित पदाधिकारी ई. देवेन्द्र कुमार उपाध्याय राष्ट्रीय अध्यक्ष दिल्ली, सुखबीर सिंह उपाध्याय उत्तराखंड नरेंद्र कुमार उपाध्याय राष्ट्रीय महासचिव उत्तर प्रदेश विजय कुमार उपाध्याय राष्ट्रीय सचिव। हरियाणा प्रदेश नकली राम उपाध्याय राष्ट्रीय संरक्षक। सहारनपुर। प्रमोद प्रधान राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष लोनी, आर आर डी उपाध्याय मिडिया प्रभारी एवं वरिष्ठ राष्ट्रीय स्तर पत्रकार उत्तर प्रदेश। आज राष्ट्रीय कार्यकारिणी का विस्तार किया गया, जिसमें यशपाल शर्मा राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरियाणा, राकेश कुमार उपाध्याय राष्ट्रीय वरिष्ठ संरक्षक मध्य प्रदेश, ई ओमप्रकाश उपाध्याय राष्ट्रीय वरिष्ठ संरक्षक, सुभाष चन्द्र उपाध्याय राष्ट्रीय सचिव उत्तराखंड। ब्रजवीर सिंह उपा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष हरियाणा, पहल सिंह उपाध्याय राष्ट्रीय संगठन सचिव हिमाचल प्रदेश, अरुण कुमार उपाध्याय राष्ट्रीय प्रचार सचिव महाराष्ट्र। इस प्रकार से सात राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय कार्यकारिणी संविधान के अनुसार पूर्ण हुई। आगामी बैठक में सुयोग्य पदाधिकारियों को संगठन में शामिल किया जायेगा। प्रकिया सार्वजनिक बैठक में होगी। सभा को ई सुभाष चन्द्र उपाध्याय,इन ब्रजवीर सिंह उपाध्याय,ई विपिन कुमार मुजफ्फरनगर, रामकुमार प्रदेश महामंत्री उ प्र , प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली ई विक्रम पाल सिंह,ई वारिस कुमार सहारनपुर ओमपाल गोड वरिष्ठ समाजसेवी दिल्ली, सम्मानित योगी तेजपाल सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष योगी नाथ उपाध्याय, प्रहलाद सिंह खतौली, नरेन्द्र कुमार वशिष्ठ, मनीष कुमार उपाध्याय एडवोकेट, ओमप्रकाश उपाध्याय एडवोकेट, रामपाल सिंह सूबेदार, मांगेराम कानूनगो रुड़की, अमरसिंह गेहलोत, प्रदेश महामंत्री उत्तराखंड, ओम प्रकाश गोड पटवारी दिल्ली, अनिल कुमार उपाध्याय, दयानंद राठौर, मांगेराम उपाध्याय प्रदेश कोषाध्यक्ष, श्रीमति हेमप्रभा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्षा, सुनील कुमार आर्य बागपत, आरआर डी उपाध्याय वरिष्ठ समाजसेवी, हिमांशु कुमार उपाध्याय मुजफ्फरनगर, रविन्द्र कुमार उपाध्याय मुजफ्फरनगर

रंग संसार

'हनुमान' एक्टर तेजा सज्जा ने इंटीमेट सेरेमनी में की सगाई, कौन है अभिनेता की होने वाली दुल्हन?



नई दिल्ली। सुपरहीरो फिल्म 'हनुमान' में अपनी भूमिका के लिए मशहूर एक्टर तेजा सज्जा ने सोमवार, 16 नवंबर को हैदराबाद में एक निजी समारोह में अपनी लॉन्ग टाइम पार्टनर से सगाई कर ली है। सगाई की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं और इन तस्वीरों ने उत्सुकता बढ़ा दी है कि आखिर तेजा सज्जा की होने वाली वाइफ है कौन? सगाई समारोह हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित ताज कृष्णा में आयोजित किया गया था। इस इवेंट में कपल के परिवार के सदस्य, करीबी दोस्त, तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री और राजनीति की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं। हालांकि तेजा ने अभी तक अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर समारोह की तस्वीरें शेयर नहीं की हैं, लेकिन कपल की पहली झलक ने ही फैंस का ध्यान खींच लिया है।कौन है तेजा सज्जा की होने वाली वाइफ? एक्टर ने अब तक अपने रिश्ते को लोगों की नजरों से दूर रखा है लेकिन जब से सगाई की तस्वीरें सामने आई हैं फैंस उनकी होने वाली वाइफ के बारे में जानने के लिए एक्साइटेड हैं। तेजा की होने वाली पत्नी हैदराबाद की रहने वाली हैं और फिलहाल अमेरिका में रहती हैं। वह अपने पिता के साथ टेक्नोलॉजी सेक्टर में काम करती हैं और उनके परिवार का फिल्म इंडस्ट्री से कोई लेना-देना नहीं है।एक पुराने इंटरव्यू में तेजा ने अपनी मंगेतर के बारे में बात करते हुए बताया था कि वह उनकी पहचान उजागर नहीं करना चाहते। इसकी वजह है कि वे अमेरिका में पली-बढ़ी हैं और उन्हें फिल्म इंडस्ट्री की पब्लिसिटी की आदत नहीं है। इसीलिए मैंने सोचा कि यह बेहतर है। तेजा ने उनका नाम और अन्य जानकारियां सीक्रेट रखी हैं, क्योंकि वह चाहते हैं कि वह मीडिया और पब्लिसिटी से दूर रहें।

राज काज

'शायद जिंदा वापस न लौट पाऊं', पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की सुप्रीम कोर्ट को चेतावनी; इलाज की मांग

इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने चेतावनी दी है कि उनकी लगातार बिगड़ती सेहत उन्हें ऐसी स्थिति में पहुंचा सकती है जहां से वे शायद जिंदा वापस न आ पाएं। इमरान खान ने पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट के जजों से अपील की है कि वे उनके और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के लिए उचित चिकित्सा उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करें। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट, फेडरल कॉन्स्टिट्यूशनल कोर्ट और इस्लामाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों को संबोधित यह खुला पत्र सोमवार को सार्वजनिक किया गया। खान के वकील सलमान सफदर ने पिछले हफ्ते अदियाला जेल में उनसे मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह लेटक शेयर किया। 11 नवंबर को हुई इस मुलाकात के दौरान खान ने सफदर से कहा था कि उनकी यह बात सीधे जजों तक पहुंचाई जाए। लेटर में 74 वर्षीय इमरान खाने लिखा है, इस लगातार बनी हुई स्थिति के कारण मुझे ऐसी जगह ले जाया जा रहा है, जहां से शायद मैं जिंदा वापस न आ सकूं। उन्होंने दावा किया है कि 20 दिसंबर 2025 से उन्हें लगातार एकांत कारावास में रखा जा रहा है।वे दिन में 22 घंटे तक बाहरी दुनिया से पूरी तरह कटे रहते हैं और उन्हें परिवार, वकीलों या मीडिया से संपर्क की अनुमति नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री ने अपनी गंभीर सेहत का हवाला देते हुए बताया कि 10 नवंबर को उनका ब्लड प्रेशर बढ़कर 192-193 तक पहुंच गया था। डॉक्टरों ने उन्हें चेतावनी दी है कि इस स्थिति में उन्हें ब्रेन हेमरेज या कार्डियक अरेस्ट का गंभीर खतरा हो सकता है। इमरान खान ने अपनी पत्नी बुशरा बीबी के सेहत को लेकर भी गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी आंखों की रोशनी लगातार कम हो रही है और उन्हें तत्काल एक और सर्जरी की जरूरत है। अप्रैल में बुशरा बीबी की आंख का रेटिना अलग होने के बाद उनकी सर्जरी हुई थी, लेकिन उसके बाद उन्हें फिर से एकांत में डाल दिया गया और उन्हें अपने डॉक्टरों से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। 11 नवंबर को मुलाकात के दौरान वे न तो रोशनी बर्दाश्त कर पा रही थीं और न ही अपनी आंखें खोल पा रही थीं। इमरान खान का कहना है

दैनिक राशिफल मंगलवार 17 नवम्बर 2026

मेष – मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष – दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क – सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

सिंह– कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे।

कन्या – आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढड्डे के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा

तुला – आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

वृश्चिक – कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

धनु – यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढड्डे के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

मकर – मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी।

कुंभ – परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी।

मीन – अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगें। सुख-आनंद कारक समय है।

दैनिक पंचांग

17 नवम्बर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.17 ब.से
चंद्र	मकर में	धनु	08.33 बजे से
मंगल	सिंह में	मकर	10.38 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	12.24 बजे से
गुरु	सिंह में	मीन	13.57 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	15.28 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.08 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.06 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.19 बजे से
		सिंह	23.35 बजे से
		कन्या	01.47 बजे से

जनगणना-2027 में अब उद्योग जगत भी निभाएगा अहम भूमिका, फैक्ट्री मालिकों और कर्मचारियों को सिखाई स्व-गणना की प्रक्रिया

मुजफ्फरनगर। जनगणना-2027 को सफल बनाने और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र की ओर से औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े फैक्ट्री मालिकों, औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों और कर्मचारियों को स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की प्रक्रिया समझाने के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को बताया गया कि वे किस प्रकार ऑनलाइन माध्यम से अपनी स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं और जनगणना अभियान में सक्रिय भागीदारी निभा सकते हैं। 16 नवंबर को मेरठ रोड स्थित औद्योगिक आस्थान के फेडरेशन भवन में आयोजित प्रशिक्षण सत्र की अध्यक्षता उपायुक्त उद्योग जैस्मीन ने की,



जबकि कार्यक्रम का संचालन सहायक आयुक्त उद्योग आशीष कुमार ने किया। इसमें जनपद के विभिन्न औद्योगिक संगठनों से जुड़े फैक्ट्री स्वामियों, पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर विक्रांत ने पीपीटी प्रेजेंटेशन और वीडियो के माध्यम से उपस्थित लोगों को स्व-गणना की पूरी प्रक्रिया विस्तार से समझाई। उन्होंने बताया कि स्व-गणना जनगणना-2027 का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके माध्यम से नागरिक स्वयं ऑनलाइन निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपने परिवार से संबंधित जानकारी दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने स्व-गणना के महत्व, इसकी उपयोगिता और ऑनलाइन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की जानकारी दी। प्रतिभागियों को बताया गया कि डिजिटल माध्यम से स्व-गणना करने से लोगों को अपनी जानकारी स्वयं दर्ज करने का अवसर मिलेगा और जनगणना अभियान में उनकी सीधी भागीदारी सुनिश्चित होगी।

फैक्ट्री मालिकों और कर्मचारियों को किया जागरूक

प्रशिक्षण सत्र में विशेष रूप से औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को शामिल किया गया, ताकि फैक्ट्री मालिकों, कर्मचारियों और औद्योगिक संगठनों के माध्यम से स्व-गणना का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जा सके। कार्यक्रम में मौजूद औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों से अपेक्षा की गई कि वे अपने-अपने प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों और अन्य संबंधित लोगों को स्व-गणना के प्रति जागरूक करें। इससे जनगणना-2027 अभियान में औद्योगिक क्षेत्र की भी प्रभावी सहभागिता सुनिश्चित हो सकेगी।

खतौली में पशु मेले और पशुपालक गोष्ठी का आयोजन, पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य और उन्नत नस्ल के लिए दी गई जानकारी

महिला एवं पुरुष पशुपालकों ने उत्साहपूर्वक किया प्रतिभाग, कृत्रिम गभार्धान, पशु पोषण, बांझपन और बीमारियों से बचाव के बताए गए तरीके

मुजफ्फरनगर। पशुपालकों को आधुनिक पशुपालन की तकनीकों से जोड़ने, पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार लाने और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से पशुपालन विभाग की ओर से विकासखंड खतौली परिसर में एक दिवसीय पशु मेले एवं प्रगतिशील पशुपालक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में विकासखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष पशुपालकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस दौरान पशुपालकों को पशुओं की बेहतर देखभाल, पौष्टिक आहार, प्रजनन क्षमता बढ़ाने, बीमारियों की पहचान और उनके उपचार के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। गोष्ठी में पशु चिकित्सकों ने पशुपालकों को विभाग की ओर से संचालित योजनाओं के साथ ही निःशुल्क कृत्रिम गभार्धान की सुविधा के बारे में जानकारी दी। डॉ. सुमित कौशिक ने पशुओं के पोषण, उचित प्रबंधन और कृत्रिम गभार्धान के महत्व को समझाते हुए बताया कि वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन अपनाकर पशुओं की उत्पादन क्षमता और पशुपालकों की आमदनी में वृद्धि की जा सकती है। उन्होंने पशुओं को संतुलित आहार देने और उनकी जरूरतों के अनुसार देखभाल करने पर विशेष जोर दिया। बांझपन और पशुओं के रोगों से बचाव के बताए उपाय



डॉ. स्नेहल, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी जानसठ ने पशुपालन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए पशुपालकों को उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. नागेंद्र ने पशुओं में होने वाले विभिन्न रोगों, बांझपन की समस्या, उनके उपचार और बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने पशुपालकों को पशुओं में बीमारी के शुरूआती लक्षणों को पहचानने और समय पर पशु चिकित्सक से परामर्श लेने की सलाह दी।

डॉ. विपिन नैन ने पशुओं के बेहतर प्रबंधन और देखभाल के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। वहीं डॉ. ज्योति दुबे ने पशुओं के रक्त एवं गोबर की जांच के महत्व को समझाते हुए बताया कि नियमित जांच के माध्यम से कई बीमारियों की समय रहते पहचान की जा सकती है। इससे पशुओं को गंभीर बीमारियों से बचाने के साथ ही उनके स्वास्थ्य और उत्पादन क्षमता को बेहतर बनाए रखने में मदद मिलती है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी खतौली सुश्री ज्योतिबाला रहीं। उन्होंने पशुपालकों को विभागीय योजनाओं और वैज्ञानिक पशुपालन की जानकारी का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

जनगणना में अब जनता खुद दर्ज करेगी अपने परिवार का ब्योरा, मुजफ्फरनगर में स्व-गणना अभियान का आगाज

डीएम सुनील कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट से प्रचार वाहनों को दिखाई हरी झंडी, शहर से गांव और तहसीलों तक पहुंचेगा जागरूकता अभियान; 30 नवंबर तक ऑनलाइन स्व-गणना का मौकाअभी फरार

मुजफ्फरनगर। देश की आगामी विकास योजनाओं और सरकारी नीतियों का आधार बनने जा रही जनगणना-2027 में अब आम नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रशासन ने जनजागरूकता अभियान तेज कर दिया है। इस बार जनगणना की प्रक्रिया में नागरिकों को स्वयं अपने परिवार का विवरण ऑनलाइन दर्ज करने का अवसर भी मिलेगा। इसी उद्देश्य से सोमवार को मुजफ्फरनगर में स्व-गणना अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर से जनगणना प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये प्रचार वाहन जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के साथ तहसीलों तथा विकासखंडों में पहुंचकर लोगों को जनगणना के महत्व और ऑनलाइन स्व-गणना की प्रक्रिया के प्रति जागरूक करेंगे। प्रशासन ने इस अभियान को केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए इसे जनभागीदारी से जोड़ने की पहल की है। प्रचार वाहनों के माध्यम से लोगों को बताया जाएगा कि जनगणना में प्रत्येक परिवार की सही जानकारी दर्ज होना कितना महत्वपूर्ण है। इसके लिए नागरिकों से निर्धारित समय के भीतर स्वयं ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की जा रही है। प्रचार वाहनों को रवाना करने के बाद जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने जनपदवासियों से स्व-गणना अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल जनसंख्या के आंकड़े जुटाने की सामान्य प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह देश और प्रदेश के भविष्य की विकास योजनाओं तथा सरकारी नीतियों के निर्धारण का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकताओं को समझने और भविष्य की योजनाएं तैयार करने में मदद मिलती है। इसलिए प्रत्येक



नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह इस राष्ट्रीय कार्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे और अपने परिवार से संबंधित सही जानकारी उपलब्ध कराए। जनगणना-2027 के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक स्व-गणना की प्रक्रिया संचालित की जाएगी। इस अवधि में नागरिक ऑनलाइन माध्यम से अपने परिवार का विवरण स्वयं दर्ज कर सकेंगे। प्रशासन की ओर से प्रचार वाहनों के जरिए लोगों को इस प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी, ताकि तकनीकी जानकारी के अभाव में कोई भी परिवार इस सुविधा से वंचित न रह जाए। स्व-गणना के माध्यम से नागरिकों को अपने परिवार का विवरण स्वयं दर्ज करने का अवसर मिलेगा। प्रशासन का प्रयास है कि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा का लाभ उठाएं और जनगणना अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। स्व-गणना की अवधि समाप्त होने के बाद एक दिसंबर 2026 से चार जनवरी 2027 तक घर-घर जाकर जनसंख्या गणना का कार्य किया जाएगा। इस दौरान प्रगणक निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार लोगों के घरों तक पहुंचेंगे और जनगणना से संबंधित आवश्यक जानकारी एकत्र करेंगे। प्रशासन की ओर से दोनों चरणों को सफल बनाने के लिए तैयारियां की जा रही हैं। प्रचार वाहनों को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भेजने का उद्देश्य यह है कि शहरी इलाकों से लेकर दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों तक जनगणना का संदेश पहुंचे और लोग समय रहते अपनी जिम्मेदारी समझें। जनगणना-2027 के प्रचार अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने के लिए जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने कार्यक्रम के दौरान सेल्फी भी ली। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व एवं जिला जनगणना अधिकारी गंभीर सिंह ने भी सेल्फी लेकर लोगों को अभियान के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। प्रशासन ने इस अवसर पर *'हमारी जनगणना, हमारा भविष्य'* का संदेश देते हुए नागरिकों से अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर प्रशासन सक्रिय, पात्र मतदाता का नाम छूटने नहीं देने पर जोर

सिटी मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक, 17 नवंबर से शुरू होगा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान; 16 दिसंबर तक लिए जाएंगे दावे और आपत्तियां

मुजफ्फरनगर। आगामी निर्वाचन की तैयारियों के तहत मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के लिए जिला प्रशासन ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में अपने कार्यालय में सिटी मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल ने मुजफ्फरनगर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर अभियान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने प्रतिनिधियों को बताया कि 17 नवंबर 2026 से विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान शुरू होगा। इस दौरान मतदाता सूची में नए पात्र मतदाताओं के नाम शामिल कराने, गलत प्रविष्टियों में सुधार कराने तथा अन्य आवश्यक संशोधन के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अभियान की समय-सारिणी और उसकी प्रक्रिया से अवगत कराते हुए कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। इसके लिए प्रशासन के साथ



राजनीतिक दलों और आम नागरिकों की सहभागिता भी जरूरी है।

17 नवंबर को प्रकाशित होगी प्रारूप मतदाता सूची

सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि 17 नवंबर 2026 से अभियान की शुरूआत के साथ ही प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। इसके बाद प्रत्येक मतदान केंद्र पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) मतदाता सूची को पढ़कर सुनाएंगे, ताकि मतदाता अपने नाम और अन्य विवरणों का मिलान कर सकें। सूची के अवलोकन से लोगों को यह पता चल सकेगा कि उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज है या नहीं। यदि किसी पात्र व्यक्ति का नाम छूट गया है अथवा किसी प्रविष्टि में गलती है तो वह निर्धारित अवधि में आवेदन कर सकेगा।

16 दिसंबर तक दर्ज कराए जा सकेंगे दावे और आपत्तियां

बैठक में बताया गया कि मतदाता सूची से संबंधित दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अवधि 17 नवंबर से 16 दिसंबर 2026 तक निर्धारित की गई है। इस दौरान नागरिक मतदाता सूची में नाम शामिल कराने, नाम या विवरण में संशोधन कराने तथा नियमानुसार अन्य आपत्तियां प्रस्तुत कर सकेंगे। प्रशासन की ओर से प्राप्त आवेदनों पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

चार विशेष अभियान दिवसों पर बूथों पर मिलेगी सुविधा

सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत 21, 22, 28 और 29 नवंबर को विशेष अभियान दिवस आयोजित किए जाएंगे।

विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों में जुटा जिला प्रशासन, बूथों की व्यवस्था पर डीएम सख्त

सेक्टर और जोनल मजिस्ट्रेटों को दो दिन में सभी मतदेय स्थलों का निरीक्षण करने के निर्देश, पेयजल, बिजली, शौचालय, रैंप और पहुंच मार्ग की जांच कर ईआरओ को सौंपनी होगी रिपोर्ट

मुजफ्फरनगर। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2027 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर व्यवस्थाओं को समय रहते दुरुस्त करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में सेक्टर एवं जोनल मजिस्ट्रेटों की प्रशिक्षण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करने और सभी तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप चुनाव संबंधी प्रत्येक व्यवस्था को निर्धारित मानकों के अनुसार पूरा किया जाए। सेक्टर एवं जोनल



मजिस्ट्रेटों को जो दायित्व सौंपे गए हैं, उनका निर्वहन पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ किया जाए। निर्वाचन कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में चुनावी तैयारियों की नियमित निगरानी करें और कमियों को समय रहते दूर कराने की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

दो दिन में सभी बूथों का निरीक्षण कर सौंपनी होगी रिपोर्ट

बैठक में जिलाधिकारी ने सेक्टर और जोनल मजिस्ट्रेटों को विशेष रूप से निर्देश दिए कि वे अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों के सभी मतदेय स्थलों का अगले दो दिनों के भीतर निरीक्षण कर लें। निरीक्षण के दौरान केवल बूथ भवन की स्थिति ही नहीं, बल्कि मतदान के दिन मतदाताओं और निर्वाचन कर्मियों को मिलने वाली बुनियादी सुविधाओं का भी बारीकी से परीक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदेय स्थल पर पेयजल की उपलब्धता, शौचालय, बिजली व्यवस्था, रैंप, खिड़कियों की स्थिति और साफ-सफाई की जांच की जाए। इसके साथ ही भवन की बाउंड्री वॉल, बूथ तक पहुंचने वाले मार्ग तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया जाए, ताकि मतदान के समय किसी प्रकार की परेशानी न हो। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि निरीक्षण के दौरान निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन का पूरी तरह पालन किया जाए। अधिकारी अपने क्षेत्र के क्रिटिकल और अनक्रिटिकल बूथों की स्थिति का भी परीक्षण करें। संवेदनशीलता और उपलब्ध व्यवस्थाओं से संबंधित सभी जरूरी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाए। निरीक्षण के बाद विस्तृत रिपोर्ट संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) को उपलब्ध कराई जाए, जिससे सामने आने वाली कमियों को दूर करने के लिए समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें। डीएम ने सभी सेक्टर एवं जोनल मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के नाम तथा मोबाइल नंबर अपने पास सुरक्षित रखें। निर्वाचन संबंधी कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ लगातार संपर्क एवं बेहतर समन्वय बनाए रखें। किसी भी समस्या या कमी की जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारी तक पहुंचाई जाए,

मुजफ्फरनगर के राजस्व विभाग में बड़ा फेरबदल, छह नायब तहसीलदार दूसरे जिलों में भेजे गए, चार नए अधिकारियों की तैनाती

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के राजस्व विभाग में बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल करते हुए राजस्व परिषद ने प्रदेशभर में कार्यरत नायब तहसीलदारों के स्थानांतरण के आदेश जारी किए हैं। इस प्रशासनिक बदलाव का असर मुजफ्फरनगर जनपद पर भी पड़ा है। राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश के अनुभाग-3 की ओर से जारी स्थानांतरण सूची के तहत जिले में तैनात छह नायब तहसीलदारों को दूसरे जनपदों में भेजा गया है, जबकि अन्य जिलों में कार्यरत चार नायब तहसीलदारों को स्थानांतरित कर मुजफ्फरनगर में नई तैनाती दी गई है। इस फेरबदल से जिले की तहसील स्तरीय राजस्व व्यवस्था में अधिकारियों की तैनाती का समीकरण बदल जाएगा। आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद कंचन वर्मा की ओर से जारी आदेश के बाद जिले में तैनात अधिकारियों के स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। एक साथ छह अधिकारियों के दूसरे जिलों में जाने और चार नए अधिकारियों के आने से राजस्व विभाग में कार्य विभाजन और तहसील स्तर पर प्रशासनिक जिम्मेदारियों में बदलाव देखने को मिलेगा। स्थानांतरण आदेश के अनुसार मुजफ्फरनगर में तैनात नायब तहसीलदार हरेंद्र पाल को बुलंदशहर स्थानांतरित किया गया है। इसी तरह सुनील कुमार सिंह को मेरठ, बृजेश कुमार को रामपुर, अजय सिंह को संभल, अमित कुमार सागर को सहारनपुर तथा राजीव त्यागी को अमरोहा भेजा गया है। इन छह अधिकारियों के स्थानांतरण से जिले की विभिन्न तहसीलों में राजस्व संबंधी कार्यों की जिम्मेदारी नए अधिकारियों को सौंपने की जरूरत होगी। तीन जिलों से चार नए अधिकारी मुजफ्फरनगर आएंगे

दूसरी ओर, राजस्व परिषद ने मुजफ्फरनगर में चार नए नायब तहसीलदारों की तैनाती भी की है। इसके तहत मेरठ में तैनात गौरव कुमार को मुजफ्फरनगर भेजा गया है। सहारनपुर से राकेश शर्मा और संजय कुमार का स्थानांतरण मुजफ्फरनगर के लिए किया गया है, जबकि अमरोहा में तैनात श्रीपाल को भी मुजफ्फरनगर भेजा गया है। इन अधिकारियों के जिले में आने से राजस्व विभाग को नई प्रशासनिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में सहयोग मिलेगा। नायब तहसीलदार राजस्व प्रशासन की महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। भूमि संबंधी विवादों, राजस्व वसूली, दाखिल-खारिज, भूमि अभिलेखों से जुड़े मामलों और विभिन्न प्रशासनिक कार्यों के निस्तारण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

आवारा गोवंश का खूनी हमला: सांड ने किसान को सींगों से उठाकर पटका, फिर झुंड ने पैरों से कुचलकर ली जान

सुबह पशुओं को घेर में लेकर जा रहे किसान पर अचानक टूट पड़ा आवारा गोवंश का झुंड, सिर और सीने पर गंभीर चोट लगने से मौके पर तोड़ा दम; तीन बेटों और तीन बेटियों के सिर से उठा पिता का साया, घटना के बाद गांव में आक्रोश

मुजफ्फरनगर। शहर से सटे गांव बामनहेड़ी में आवारा गोवंश की समस्या ने एक बार फिर खौफनाक रूप ले लिया। खेतों और गांव की सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं का झुंड सोमवार सुबह एक किसान की मौत का कारण बन गया। अपने दूधारू पशुओं को लेकर घेर की ओर जा रहे 62 वर्षीय किसान राजकुमार पर अचानक सांड ने हमला कर दिया। सांड ने पहले सींगों से जोरदार टक्कर मारकर किसान को सड़क पर पटक दिया। इसके बाद झुंड में शामिल अन्य गोवंश ने भी उन्हें संभलने का मौका नहीं दिया और पैरों से बुरी तरह कुचल दिया। गंभीर चोटों के चलते किसान की मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना से परिवार में कोहराम मचा है, वहीं गांव में आवारा गोवंश को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

रोजाना की तरह पशुओं को लेकर



निकले थे घर से

जानकारी के अनुसार, गांव बामनहेड़ी निवासी ठा. राजकुमार पुत्र शेर सिंह खेतीबाड़ी और पशुपालन करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। सोमवार सुबह करीब 6:30 बजे वह रोजाना की तरह अपनी भैंसों सहित अन्य दूधारू पशुओं को लेकर घर से घेर की ओर जा रहे थे। अभी वह घर से कुछ ही दूरी पर पहुंचे थे कि रास्ते में अचानक आवारा गोवंश का झुंड सामने आ गया। झुंड में कई सांड भी शामिल थे। बताया गया कि सामने से आ रहे पशुओं को देखकर एक सांड बिदक गया और उसने सीधे किसान पर हमला बोल दिया। सींगों की टक्कर से सड़क पर गिरे किसान, फिर झुंड ने घेरा

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सांड ने राजकुमार को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि वह उछलकर सड़क पर जा गिरे। सिर के बल जमीन पर गिरने से उन्हें गंभीर चोट आई। वह संभलकर उठ भी नहीं पाए थे कि हमलावर सांड और झुंड में शामिल दूसरे गोवंश ने उन्हें पैरों से कुचलना शुरू कर दिया। अचानक हुए हमले से आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। किसान को पशुओं के बीच घिरा देखकर ग्रामीणों ने शोर मचाया और लाठी-डंडे लेकर उनकी जान बचाने के लिए दौड़ पड़े।

ग्रामीणों ने लाठी-डंडों से भगाया गोवंश, लेकिन नहीं बची जान

ग्रामीणों के काफी प्रयास के बाद आवारा गोवंश का झुंड वहां से भागा। इसके बाद परिजन और ग्रामीण गंभीर रूप से घायल राजकुमार को तत्काल उपचार के लिए चिकित्सक के पास लेकर पहुंचे, लेकिन उनकी हालत इतनी गंभीर थी कि चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। किसान की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। कुछ ही देर में गांव के लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। ग्राम प्रधान ठा. विनोद कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

सिर और सीने पर आईं गंभीर चोटें, मौत से गांव में मातम

ग्राम प्रधान विनोद कुमार ने बताया कि राजकुमार की मौत आवारा गोवंश के हमले में हुई है। उनके माथे और सिर पर गंभीर चोटों के निशान थे। इसके अलावा सीने पर भी पशुओं के पैरों से कुचले जाने के कारण चोटें आई थीं। सुबह घर से सामान्य रूप से निकले किसान की इस तरह दर्दनाक मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

यूपी में 16 आईएएस अधिकारियों के तबादले, शामली के डीएम आलोक यादव हटाए गए, प्रवीण वर्मा होंगे नए जिलाधिकारी

शासन ने बड़े स्तर पर किया प्रशासनिक फेरबदल, आलोक यादव को आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में विशेष सचिव की जिम्मेदारी; वाराणसी, कानपुर, जौनपुर, गोंडा, श्रावस्ती और भदोही के जिलाधिकारी भी बदले

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए 16 आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। शासन की ओर से जारी स्थानांतरण सूची में कई जिलों के जिलाधिकारियों के साथ-साथ मंडलायुक्त, विभागीय प्रमुखों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की जिम्मेदारियों में भी बदलाव किया गया है। इस फेरबदल में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शामली जनपद को भी नया जिलाधिकारी मिला है। शामली के जिलाधिकारी आलोक यादव का तबादला कर उन्हें विशेष सचिव, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग बनाया गया है, जबकि ग्रेटर नोएडा में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद पर तैनात प्रवीण वर्मा को शामली का नया जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। इस प्रशासनिक फेरबदल में केवल जिलों के डीएम ही नहीं बदले गए, बल्कि कानपुर और वाराणसी के मंडलायुक्तों की अदला-बदली भी की गई है। इसके अलावा भदोही, चंदौली, गोंडा, जौनपुर और श्रावस्ती के जिलाधिकारियों को भी नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। शासन के इस फैसले को प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था में व्यापक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

शामली को मिला नया जिलाधिकारी, आलोक यादव की जगह प्रवीण वर्मा संभालेंगे कमान

तबादला सूची के अनुसार शामली के जिलाधिकारी आलोक यादव को विशेष सचिव, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के पद पर भेजा गया है। उनके स्थान पर प्रवीण वर्मा को शामली का नया जिलाधिकारी बनाया गया है। प्रवीण वर्मा इससे पहले ग्रेटर नोएडा में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद पर तैनात थे। अब उन्हें जिले की प्रशासनिक कमान सौंपी गई है। उनके सामने जिले में विकास कार्यों को गति देने, जनसमस्याओं के निस्तारण और शासन की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कराने की जिम्मेदारी होगी।

वाराणसी और कानपुर के मंडलायुक्त बदले

शासन ने मंडलायुक्त स्तर पर भी महत्वपूर्ण बदलाव किया है। के. विजयेंद्र पांडियन को कानपुर मंडलायुक्त के पद से स्थानांतरित कर वाराणसी का मंडलायुक्त बनाया गया है। वहीं वाराणसी के मंडलायुक्त एस. राजलिंगम को कानपुर मंडलायुक्त की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस प्रकार दोनों वरिष्ठ अधिकारियों की तैनाती में बदलाव किया गया है। रविकुमार एनजी को ग्रेटर नोएडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा स्थानीय आयुक्त और आयुक्त, एनसीआर की जिम्मेदारियों से स्थानांतरित कर उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण का मुख्य कार्यपालक अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही उन्हें उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग में आयुक्त एवं निदेशक की जिम्मेदारी भी दी गई है। वहीं डॉ. बलकार सिंह को उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पद से हटाकर ग्रेटर नोएडा का मुख्य कार्यपालक अधिकारी बनाया गया है। उन्हें स्थानीय आयुक्त तथा आयुक्त, एनसीआर की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। सौम्या अग्रवाल को वस्त्र निगमों का अतिरिक्त प्रभार

श्रमायुक्त के पद पर तैनात श्रीमती सौम्या अग्रवाल को उत्तर प्रदेश राज्य वस्त्र निगम लिमिटेड का प्रबंध निदेशक बनाया गया है। इसके अतिरिक्त उन्हें स्टेट स्पिनिंग कंपनी लिमिटेड, स्टेट यार्न कंपनी लिमिटेड, सहकारी कताई मिल्स संघ लिमिटेड तथा उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। भदोही में तैनात जिलाधिकारी एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी भदोही औद्योगिक विकास प्राधिकरण शैलेश कुमार को चंदौली का जिलाधिकारी बनाया गया है। वहीं अपर आयुक्त एवं अपर निबंधक (बैंकिंग), सहकारी समितियां के पद पर तैनात अनिल कुमार सिंह को भदोही का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्हें भदोही औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी की जिम्मेदारी भी दी गई है। चंदौली के जिलाधिकारी चंद्र मोहन गर्ग को विशेष सचिव, मुख्यमंत्री के पद पर भेजा गया है। इस बदलाव से भदोही और चंदौली दोनों जिलों में प्रशासनिक नेतृत्व बदल जाएगा।

गोंडा और जौनपुर में भी नई तैनाती

राजस्व परिषद लखनऊ में अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त के पद पर तैनात रमेश रंजन को गोंडा का जिलाधिकारी बनाया गया है। गोंडा की जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन को विशेष सचिव, नगर विकास विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वहीं नगर विकास विभाग में स्थानांतरणाधीन विशेष सचिव उमेश मिश्रा को जौनपुर का जिलाधिकारी बनाया गया है।

मुजफ्फरनगर में नपा अध्यक्ष ने किया विकास कार्यों का किया लोकार्पण:, वार्ड-10 दक्षिणी सिविल लाइन में 20 लाख रुपये की लागत आई

राज्य वित्त आयोग की ग्रांट से हुआ सीसी सड़क व आरसीसी नालियों का निर्माण, स्थानीय लोगों को जलभराव से मिलेगी निजात

मुजफ्फरनगर। शहर के प्रत्येक वार्ड में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने और नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में नगर पालिका परिषद ने विकास कार्यों की रफ्तार तेज कर दी है। इसी कड़ी में सोमवार को वार्ड संख्या-10 के दक्षिणी सिविल लाइन मोहल्ले में राज्य वित्त आयोग की ग्रांट से करीब 20 लाख रुपये की लागत से कराए गए विभिन्न विकास कार्यों का पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने विधिवत लोकार्पण किया। कार्यक्रम में पहुंचने पर क्षेत्रीय सभासद महिका गुप्ता सहित स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने पालिकाध्यक्ष का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। नगर पालिका के निर्माण विभाग की देखरेख में राज्य वित्त आयोग वर्ष 2026-27 के तहत प्राप्त धनराशि से मोहल्ला दक्षिणी सिविल लाइन में दो प्रमुख मार्गों का कायाकल्प किया गया है। इसके अंतर्गत अशोक जैन के मकान से पीयूष गोयल के मकान तक तथा कॉलोनी के गेट से मेरठ रोड तक मजबूती के साथ सीसी (सीमेंट कंक्रीट) सड़क का निर्माण कराया गया है। इसके साथ ही जल निकासी के स्थायी समाधान के लिए मार्गों के किनारे आरसीसी नालियों का भी निर्माण पूर्ण कराया गया है। इन संपूर्ण निर्माण कार्यों पर लगभग 20 लाख रुपये की धनराशि व्यय की गई है। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि नगर के सभी वार्डों में सड़क, नाली, स्वच्छता और जल निकासी जैसी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना नगर पालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के



कुशल नेतृत्व में नगरीय विकास को एक नई दिशा मिली है। केंद्र और प्रदेश सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों के अनुरूप ही शहरों में आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है और नगर पालिका परिषद भी इसी संकल्प के साथ हर वार्ड में आवश्यकतानुसार कार्य करा रही है।

आवागमन में होगी सुगमता, जलभराव की समस्या होगी दूर

पालिकाध्यक्ष ने विश्वास जताया कि दक्षिणी सिविल लाइन में नई सीसी सड़क और आरसीसी नालियों के निर्माण से स्थानीय निवासियों को रोजमर्रा के आवागमन में बड़ी सहूलियत मिलेगी। विशेष रूप से मानसून और बारिश के मौसम में होने वाली जलभराव की समस्या से क्षेत्रवासियों को स्थायी राहत मिलेगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में भरोसा दिलाया कि पूरे नगर के किसी भी क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से अछूता नहीं रहने दिया जाएगा और जनहित से जुड़े कार्यों को पूरी पारदर्शिता व प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाता रहेगा।

इस अवसर पर क्षेत्रीय सभासद महिका गुप्ता, शोभित गुप्ता, पूजा दुआ, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी (ईओ) पवन कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अन्नु चौधरी, निर्माण विभाग के अवर अभियंता (जेई) कपिल कुमार सहित अशोक सरीन, अजय सिंघल, राजकुमार कालरा, ठेकेदार सतप्रकाश त्यागी, रोबिन सिंघल तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और नगर पालिका के संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

मुजफ्फरनगर में पेंशन रिवीजन पर लामबंद हुए पेंशनर्स: मासिक सभा में जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपने का निर्णय

आठवें वेतन आयोग शामिल करने की मांग

मुजफ्फरनगर। केंद्र सरकार द्वारा गठित आठवें वेतन आयोग में पेंशन पुनरीक्षण (रिवीजन) को सम्मिलित कराने की मांग को लेकर पेंशनर्स ने कमर कस ली है। इसी कड़ी में रविवार को भोपा रोड स्थित पेंशन भवन में 'गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन' जनपद शाखा मुजफ्फरनगर की महत्वपूर्ण मासिक सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष बी.आर. शर्मा ने की, जबकि सफल संचालन महामंत्री डी.के. गुप्ता द्वारा किया गया। सभा के दौरान पेंशनर्स की विभिन्न लंबित समस्याओं और आगामी रणनीति पर गहन मंथन किया गया। ऑर्गनाइजेशन के वरिष्ठ कार्यकारी अध्यक्ष इंजी. लोकेश चंद्र तथा संरक्षक श्री वेदप्रकाश सिंघल ने संयुक्त रूप से विचार रखते हुए कहा कि आठवें वेतन आयोग के दायरे में पेंशन रिवीजन को शामिल कराना बेहद आवश्यक है। इसके लिए देश व प्रदेश के विभिन्न पेंशनर्स संगठन अपने-अपने स्तर पर प्रयासरत हैं। उन्होंने स्पष्ट किया



कि जल्द ही एक प्रतिनिधिमंडल स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपेगा, ताकि शासन स्तर पर इस मुद्दे को मजबूती से उठाया जा सके। अध्यक्षीय संबोधन में बी.आर. शर्मा ने संगठन की एकजुटता पर बल देते हुए कहा कि इस लड़ाई को व्यापक रूप देने के लिए जल्द ही पड़ोसी जनपदों के पेंशनर्स पदाधिकारियों से संपर्क स्थापित किया जाएगा और आपसी समन्वय से आंदोलन व संवाद की आगामी रूपरेखा तैयार की जाएगी। वहीं, वरिष्ठ सदस्य इंजी. करण सिंह ने सदस्यों के हित में महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए बताया कि अब पेंशनर्स को जीवन प्रमाण पत्र (डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट) के लिए भटकने की आवश्यकता नहीं है, कई प्रमुख बैंकों के माध्यम से भी यह सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। बैठक में संगठन के विस्तार और मजबूती पर भी चर्चा हुई। इंजीनियर बी. बी. गुप्ता ने सभी सदस्यों से ऑर्गनाइजेशन की गतिविधियों में सक्रिय योगदान देने की अपील की। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि परिवार पेंशनधारकों (फैमिली पेंशनर्स) की समस्याओं के समाधान के लिए उन्हें भी संगठन की मुख्यधारा से जोड़ने हेतु एक विशेष सदस्यता अभियान चलाया जाना चाहिए।

ककरौली पुलिस और एसओजी देहात का बड़ा खुलासा, तीन चोरी की वारदातों का पदार्फाश, छह लाख रुपये नकद और लाखों के जेवरात बरामद

बेहड़ा सादात रजवाहे की पटरी से दो शातिर चोर गिरफ्तार, मीरापुर और ककरौली क्षेत्र में हुई तीन चोरी की घटनाओं का खुलासा

मुजफ्फरनगर। जनपद में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन चक्रवात के तहत ककरौली पुलिस और एसओजी देहात की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। संयुक्त पुलिस टीम ने चोरी की तीन घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से छह लाख रुपये की नकदी के साथ चोरी किए गए पीली और सफेद धातु के भारी मात्रा में आभूषण बरामद किए हैं। बरामद आभूषणों में टीका, नथ, अंगूठियां, झूमर, बिछुए, पायल, कड़े, पाजेब, झुमके, हथफूल और सिक्के शामिल हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से चोरी की घटनाओं का खुलासा हुआ है। पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए एसपी देहात अक्षय संजय महाडीक ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में जनपद में अपराध और अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी भोपा राधारमण सिंह के पर्यवेक्षण तथा ककरौली थानाध्यक्ष दीपक चौधरी के नेतृत्व में ककरौली पुलिस और एसओजी देहात की संयुक्त टीम ने यह सफलता हासिल की है। एसपी देहात ने बताया कि 18 सितंबर 2026 को ककरौली थाना क्षेत्र के गांव बेहड़ा सादात में चोरी की घटना हुई थी। इस मामले में थाना ककरौली पर मुकदमा अपराध संख्या 116/2026 धारा 305/331(4)/317(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गई थीं। पुलिस टीम लगातार आरोपियों की



तलाश में जुटी हुई थी और चोरी की घटनाओं से जुड़े सुराग जुटाए जा रहे थे। इसी दौरान 14 नवंबर को ककरौली पुलिस और एसओजी देहात की संयुक्त टीम को मुखबिर से महत्वपूर्ण सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने गांव बेहड़ा सादात रजवाहे की पटरी पर घेराबंदी कर दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से छह लाख रुपये नकद और चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण बरामद हुए। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वरीन पुत्र नदीम निवासी मोहल्ला डंगडूंगरा, माया इंटर कॉलेज के पास कस्बा कांधला, जनपद शामली, हाल निवासी गांव बेहड़ा सादात थाना ककरौली तथा नजर मोहम्मद पुत्र बाबू निवासी गांव बेहड़ा सादात थाना ककरौली के रूप में हुई है।पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी थाना ककरौली में दर्ज चोरी के मुकदमे के अलावा थाना मीरापुर में दर्ज दो अन्य चोरी के मुकदमों में भी शामिल थे। इनमें मुकदमा अपराध संख्या 139/2026 और 150/2026 शामिल हैं। इस प्रकार संयुक्त पुलिस टीम ने तीन चोरी के अभियोगों का अनावरण किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने कुल छह लाख रुपये नकद बरामद किए हैं।

इनमें 54 हजार रुपये थाना मीरापुर में दर्ज मुकदमों से संबंधित बताए गए हैं, जबकि पांच लाख 46 हजार रुपये अन्य बरामद नकदी के रूप में मिले हैं। इसके अलावा पीली धातु का एक टीका और दो नथ बरामद की गई हैं। सफेद धातु के आभूषणों में 19 अंगूठियां, एक झूमर, दो सेट में कुल 12 बिछुए, दो जोड़ी पायल, आठ कड़े, दो जोड़ी पाजेब, कान के झुमकों की एक जोड़ी, हथफूल की दो जोड़ी, चार छल्ले और तीन सिक्के शामिल हैं।

खतौली पुलिस की मानवीय पहल: घर से नाराज होकर भागी सहारनपुर की दो सगी बहनों को परिजनों से मिलाया

ट्रेन पकड़कर खतौली स्टेशन पहुंची थीं दोनों बहन शीतल और नैना, काउंसलिंग कर पुलिस ने माता-पिता के सुपुर्द किया

खतौली (मुजफ्फरनगर)। 'मिशन शक्ति फेस-6.0' अभियान के अंतर्गत थाना खतौली पुलिस की एंटी रोमियो टीम ने संवेदनशीलता और सतर्कता की मिसाल पेश करते हुए घर से नाराज होकर निकली दो नाबालिग सगी बहनों को सकुशल उनके परिजनों से मिलवा दिया। पुलिस की इस त्वरित और मानवीय कार्रवाई से किसी बड़ी अनहोनी की आशंका टल गई, जिसके लिए परिजनों ने खतौली पुलिस का हृदय से आभार व्यक्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार को जनपद सहारनपुर के ग्राम जटौला निवासी संजय की दो पुत्रियां–शीतल (उम्र लगभग 17 वर्ष) और उसकी छोटी बहन नैना (उम्र लगभग 13 वर्ष) किसी बात को लेकर घर से नाराज हो गई थीं। नाराजगी में दोनों बहनें बिना किसी को बताए ट्रेन में सवार होकर मुजफ्फरनगर के खतौली रेलवे स्टेशन पहुंच गईं। स्टेशन परिसर में संदिग्ध और घबराई हुई अवस्था में



घूम रही दोनों किशोरियों पर वहां गश्त कर रही थाना खतौली की एंटी रोमियो टीम की नजर पड़ी। मामले की गंभीरता को भांपते हुए पुलिस टीम ने तत्काल तत्परता दिखाई और दोनों किशोरियों को सुरक्षित अपने संरक्षण में लेकर थाने स्थित मिशन शक्ति केंद्र पर पहुंचाया। केंद्र पर महिला हेड कांस्टेबल रजनी की देखरेख में दोनों बहनों को बैठाया गया और अपनत्व के साथ उनकी काउंसलिंग की गई। पुलिसकर्मियों ने उन्हें समझा-बुझाकर शांत किया और घर छोड़कर जाने के खतरों के प्रति जागरूक किया। किशोरियों से पूछताछ कर उनके पते की पुष्टि करने के बाद पुलिस टीम ने तत्काल सहारनपुर स्थित उनके परिजनों को सूचना दी। बच्चों के सकुशल होने की खबर मिलते ही चिंतित परिजन आनन-फानन में थाना खतौली पहुंचे। यहां आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के उपरांत दोनों किशोरियों को सकुशल उनके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया। अपनी बेटियों को सुरक्षित पाकर परिजनों ने राहत की सांस ली और खतौली पुलिस की संवेदनशील कार्यशैली की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

खतौली में मासूम के साथ अलकनंदा नहर में कूदने जाती महिला को पुलिस ने बचाया: मिशन शक्ति टीम ने की काउंसलिंग

घरेलू कलह से परेशान थी मेरठ निवासी मुस्कान: एंटी रोमियो टीम की सतर्कता ने बचाई दो जानें

खतौली (मुजफ्फरनगर)। खतौली पुलिस की संवेदनशीलता और तत्परता ने एक बड़ा हादसा होने से टाल दिया। सोमवार को घरेलू कलह से तंग आकर अपनी छह वर्षीय मासूम बेटी के साथ खतौली स्थित अलकनंदा नहर पुल पर आत्महत्या करने पहुंची एक महिला को पुलिस ने समय रहते बचा लिया। पुलिस की इस तत्परता की परिजनों और शहरवासियों ने जमकर प्रशंसा की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मेरठ जनपद के फलावदा निवासी शुएब की पत्नी मुस्कान (उम्र लगभग 30 वर्ष), जो इन दिनों घरेलू कलह से काफी परेशान चल रही थी, अपनी छह वर्षीय पुत्री के साथ खतौली के अलकनंदा नहर पुल पर पहुंच गई। महिला नहर में कूदकर जीवन लीला समाप्त करने का प्रयास करने ही वाली थी। एंटी रोमियो टीम की सतर्कता ने बचाया



इसी दौरान मौके पर गश्त कर रही थाना खतौली की एंटी रोमियो टीम की नजर महिला पर पड़ी। उसकी गंभीर स्थिति और हाव-भाव को देखते हुए पुलिस टीम ने तत्काल सक्रियता दिखाई। पुलिस कर्मियों ने उसे नहर में कूदने से पहले ही अपने संरक्षण में ले लिया, जिससे महिला और बच्ची दोनों की जान बच गई। पुलिस की इस तत्परता ने शहरवासियों को फिर से यह अहसास कराया कि खाकी न केवल अपराधियों से बल्कि ऐसी मानवीय त्रासदी से भी समाज की रक्षा के लिए सदैव तत्पर है। मिशन शक्ति केंद्र में हुई काउंसलिंग

इसके बाद महिला को उसके संरक्षण में थाना खतौली स्थित मिशन शक्ति केंद्र पर पहुंचाया गया। जहां महिला हेड कांस्टेबल रजनी की निगरानी में महिला की काउंसलिंग कराई गई और उसे समझाकर शांत किया गया। पुलिस टीम ने घटना की जानकारी महिला के परिजनों को दी। सूचना मिलने पर परिजन थाना खतौली पहुंचे। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद महिला को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। परिजनों ने खतौली पुलिस की तत्परता, मानवीय संवेदनशीलता और सराहनीय कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में महिला उपनिरीक्षक खुशबू कुमारी, महिला हेड कांस्टेबल रजनी, महिला कांस्टेबल कोमल तथा महिला कांस्टेबल जैनब जहां शामिल रहीं। खतौली पुलिस की इस तत्परता ने एक महिला की जिंदगी बचाने के साथ ही मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला सुरक्षा, संरक्षण और संवेदनशील पुलिसिंग के उद्देश्य को भी सार्थक किया है।

शीतलहर से पहले प्रशासन अलर्ट, गरीबों और बेसहारा लोगों को बांटे जाएंगे कंबल; सार्वजनिक स्थानों पर जलेंगे अलाव

एडीएम गंभीर सिंह ने सभी एसडीएम और नगर निकायों के अधिकारियों को दिए निर्देश, रैन बसेरों में भी किए जाएंगे पर्याप्त इंतजाम; अलाव और रैन बसेरों के स्थलों की होगी जियो टैगिंग

मुजफ्फरनगर। आगामी सर्दी और शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। सर्द मौसम में निराश्रित, असहाय, कमजोर और गरीब लोगों को ठंड से बचाने के लिए कंबल वितरण के साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलाने और रैन बसेरों में समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ठंड के दौरान जरूरतमंद लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पहले से ही आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गंभीर सिंह ने सभी उप जिलाधिकारियों, नगर पालिका और नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने अधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों को चिह्नित कर कंबल वितरण की व्यवस्था करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर अलाव और रैन



बसेरों के लिए उचित इंतजाम करने को कहा है। एडीएम ने निर्देश दिए हैं कि आगामी शीतलहर के दृष्टिगत ऐसे लोगों और परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर चिह्नित किया जाए, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और जिनके पास ठंड से बचाव के पर्याप्त साधन उपलब्ध नहीं हैं। इनमें निराश्रित, असहाय और गरीब परिवारों के साथ खुले में रहने वाले जरूरतमंद लोग भी शामिल हैं। ऐसे लोगों को कंबल उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाए, ताकि शीतलहर के दौरान उन्हें राहत मिल सके। प्रशासन की ओर से सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके लिए ऐसे स्थानों को चिह्नित किया जाएगा, जहां सर्दी के दौरान अधिक लोगों का आवागमन रहता है और जरूरतमंद लोग ठंड से बचने के लिए रुकते हैं। इसके साथ ही रैन बसेरों की व्यवस्था को भी दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि खुले आसमान के नीचे रात गुजारने को मजबूर लोगों को सुरक्षित आश्रय मिल सके। एडीएम गंभीर सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कंबल वितरण, रैन बसेरों और अलाव के लिए चिह्नित किए जाने वाले स्थलों की जियो टैगिंग कराई जाए। इसके बाद इन सभी व्यवस्थाओं से संबंधित जानकारी राहत आयुक्त कार्यालय के पोर्टल यानी राहत पोर्टल अथवा आपदा प्रहरी ऐप पर अपलोड की जाएगी। इसका उद्देश्य प्रशासन के पास सभी व्यवस्थाओं का डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध कराना और जरूरत के अनुसार उनकी निगरानी सुनिश्चित करना है। एसडीएम और नगर निकायों के अधिकारियों को जिम्मेदारी

एडीएम ने सभी उप जिलाधिकारियों, नगर पालिका और नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में रैन बसेरों और अलाव के लिए उपयुक्त स्थान चिह्नित करने को कहा है। चिह्नित स्थलों की जियो टैगिंग कराकर उनकी जानकारी राहत पोर्टल अथवा आपदा प्रहरी ऐप पर दर्ज कराना अनिवार्य होगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिया है कि जिन स्थानों पर रैन बसेरों और अलाव की व्यवस्था की जाएगी, उनकी सूची प्राथमिकता के आधार पर उन्हें उपलब्ध कराई जाए, जिससे प्रशासनिक स्तर पर तैयारियों की समीक्षा की जा सके। प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य सर्दी बढ़ने से पहले ही सभी जरूरी व्यवस्थाएं पूरी करना है। कंबल वितरण, अलाव और रैन बसेरों की उपलब्धता सुनिश्चित होने से जरूरतमंदों को ठंड से राहत मिल सकेगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं

मुजफ्फरनगर में जाट महासभा का सामाजिक चिंतन सम्मेलन, कुरीतियां मिटाने और समाज को एकजुट करने पर जोर



मुजफ्फरनगर। पचेंडा रोड स्थित प्लैटिनम रिसोर्ट में अखिल भारतीय जाट महासभा, मुजफ्फरनगर के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष ब्रजवीर सिंह एवं समस्त पदाधिकारियों के नेतृत्व में सामाजिक चिंतन सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में जाट समाज में व्याप्त विभिन्न सामाजिक कुरीतियों, आपसी मतभेदों और वर्तमान चुनौतियों को लेकर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया।

सम्मेलन में वक्ताओं ने समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त करने, शिक्षा को बढ़ावा देने, युवाओं में सामाजिक जागरूकता विकसित करने, बेटियों को शिक्षा एवं प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ाने तथा समाज में एकता और भाईचारे को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि समाज की उन्नति के लिए आपसी मतभेदों को भुलाकर एकजुट होना आवश्यक है। सामाजिक चिंतन और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से ही सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

कार्यक्रम का उद्देश्य केवल सामाजिक समस्याओं पर चर्चा करना ही नहीं, बल्कि उनके समाधान के लिए ठोस पहल और सामूहिक प्रयासों की शुरूआत करना भी रहा। सम्मेलन में उपस्थित गणमान्य लोगों ने अपने विचार एवं महत्वपूर्ण सुझाव रखते हुए समाज को नई दिशा देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रॉयल बुलेटिन के संस्थापक एवं संपादक अनिल रॉयल, राष्ट्रीय सचिव धर्मवीर खोखर, प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक प्रताप चौधरी, विधायक पंकज मलिक सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अरविंद चौहान, युवा प्रदेश महासचिव अमन रॉयल, युवा मंडल अध्यक्ष सहारनपुर मंडल चौधरी हिमांशु बालियान, जिला महासचिव एडवोकेट दीपक चौधरी, जिला संयोजक अंकुर काकरान एवं युवा जिलाध्यक्ष हर्षराज जावला सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। सम्मेलन का आयोजन सामाजिक एकता, जागरूकता और समाज सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

अमर वीरांगना ऊदा देवी पासी का बलिदान दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया, भाजपाइयों ने दी श्रद्धांजलि



मुजफ्फरनगर। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की महान वीरांगना ऊदा देवी पासी का शहीद दिवस 16 नवंबर को श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अनुसूचित मोर्चा के जिला अध्यक्ष यशवीर सिंह के नेतृत्व में जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं अनेक नेताओं ने वीरांगना ऊदा देवी पासी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी ने वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए अंग्रेजी सेना के खिलाफ ऐतिहासिक संघर्ष किया था। 16 नवंबर 1857 को लखनऊ के सिकंदर बाग में उन्होंने एक पेड़ पर चढ़कर अपनी बंदूक से 36 अंग्रेज सैनिकों को मार गिराया था। उनका यह शौर्य और बलिदान भारतीय इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है। वक्ताओं ने कहा कि ऊदा देवी पासी का जीवन नारी शक्ति, देशभक्ति, स्वाभिमान और संघर्ष की प्रेरणादायक मिसाल है। उन्होंने अपने अदम्य साहस से साबित किया कि देश की आजादी के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनकी वीरता आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी।

बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए कानून बना मजबूत हथियार, छात्र-छात्राओं को पॉक्सो अधिनियम की दी जानकारी

संविधान संवाद एवं सुरक्षित बचपन अभियान के तहत जनता इंटर कॉलेज हरसोली में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित, बाल विवाह, बाल श्रम, महिला उत्पीड़न और साइबर अपराध के प्रति किया जागरूक

मुजफ्फरनगर। बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, बाल अपराधों पर अंकुश लगाने और उन्हें कानूनी संरक्षण की जानकारी देने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से संविधान संवाद एवं सुरक्षित बचपन अभियान के अंतर्गत विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शाहपुर क्षेत्र के जनता इंटर कॉलेज हरसोली में आयोजित शिविर में छात्र-छात्राओं को पॉक्सो अधिनियम, बाल अधिकारों, भारतीय संविधान और विभिन्न कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. सत्येंद्र कुमार चौधरी ने बच्चों को जागरूक करते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित वातावरण में रहने, शिक्षा प्राप्त करने और सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार है। बच्चों को अपने अधिकारों की जानकारी होना बेहद जरूरी है, ताकि वे किसी भी प्रकार के शोषण, उत्पीड़न या अपराध के विरुद्ध आवाज उठा सकें।

संविधान की प्रस्तावना और मौलिक अधिकारों की दी जानकारी

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेश तथा जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में आयोजित इस शिविर में



डॉ. सत्येंद्र कुमार चौधरी ने छात्र-छात्राओं को संविधान की प्रस्तावना, संविधान निर्माण की प्रक्रिया और संविधान के रचयिताओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों और मौलिक कर्तव्यों की जानकारी देते हुए कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार प्रदान करता है। साथ ही प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह अपने कर्तव्यों का पालन करे और दूसरों के अधिकारों का भी सम्मान करे।

पॉक्सो अधिनियम से बच्चों को मिलता है कानूनी संरक्षण

शिविर में छात्र-छात्राओं को पॉक्सो अधिनियम के बारे में विशेष रूप से जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए यह कानून बनाया गया है। बच्चों के साथ किसी भी प्रकार का गलत व्यवहार, शोषण या उत्पीड़न होने पर चुप रहने के बजाय अभिभावकों, शिक्षकों और संबंधित अधिकारियों को जानकारी देनी चाहिए। उन्होंने बच्चों को समझाया कि उनकी सुरक्षा और सम्मान सर्वोपरि है तथा कानून ऐसे अपराधों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई का प्रावधान करता है।

बाल विवाह, बाल श्रम और महिला उत्पीड़न जैसी कुरीतियों पर किया जागरूक डॉ. चौधरी ने समाज में व्याप्त विभिन्न सामाजिक कुरीतियों और अपराधों पर प्रकाश डालते हुए बाल विवाह, बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति, महिला उत्पीड़न, दहेज प्रथा और घरेलू हिंसा जैसी समस्याओं के प्रति छात्र-छात्राओं को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि बाल विवाह और बाल श्रम बच्चों के भविष्य तथा उनके सर्वांगीण विकास में बाधा बनते हैं। बच्चों को शिक्षा से जोड़ना और उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने आसपास भी कानून एवं सामाजिक अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाएं। आपात स्थिति में इन हेल्पलाइन नंबरों पर लें मदद कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को विभिन्न सुरक्षा एवं सहायता हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। उन्हें बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति या परेशानी में संबंधित हेल्पलाइन के माध्यम से सहायता प्राप्त की जा सकती है। महिला हेल्पलाइन 1090, पुलिस सहायता 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 तथा निःशुल्क विधिक सहायता हेल्पलाइन 15100 के बारे में विस्तार से बताया गया। अधिकारियों ने बच्चों को इन नंबरों की उपयोगिता समझाते हुए कहा कि जरूरत पड़ने पर बिना संकोच सहायता मांगनी चाहिए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब नेशनल बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक ने प्रतिभाग किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को बैंक की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। साथ ही बैंकिंग सुविधाओं, योजनाओं और वित्तीय जागरूकता के महत्व से अवगत कराया, ताकि छात्राएं भविष्य में आर्थिक रूप से जागरूक बन सकें और उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठा सकें। कार्यक्रम के दौरान जनपद नोडल अधिकारी संविधान संवाद डॉ. रणवीर सिंह ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का अंगवस्त्र और प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालयों में बच्चों को संविधान, बाल अधिकारों और कानूनी सुरक्षा की जानकारी देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने भविष्य में भी विद्यालय में निरंतर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाने का आग्रह किया, जिससे अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं जागरूक हो सकें। शिविर के सफल आयोजन में विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, थाना शाहपुर की मिशन शक्ति प्रभारी टीम तथा वॉलंटियर धनीराम और गौरव मलिक सहित अन्य लोगों का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया और संविधान, बाल अधिकारों तथा कानूनी सहायता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति सजग बनाना, उन्हें अपराधों से बचाव के तरीके बताना और जरूरत पड़ने पर कानूनी सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना रहा।



प्रेग्नेंसी के दौरान भी दिखेंगी स्टाइलिश, ट्राई करें ये ट्रेंडी सूट डिजाइन

प्रेग्नेंसी में कम्फर्टेबल कपड़े पहनना हम सभी को पसंद होता है। आप भी अगर सूट के अलग-अलग डिजाइन को सर्च कर रही हैं, तो इसके लिए आर्टिकल में बताए गए डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं।

प्रेग्नेंसी टाइम हर महिला के लिए बेहद खास होता है। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा उलझन कपड़ों को लेकर होती है। ऐसा इसलिए क्योंकि हर किसी का मन करता है कि हम ऐसे कपड़ों को स्टाइल करें जो कम्फर्टेबल हो। इसके लिए महिलाएं अक्सर सूट को स्टाइल करना सबसे ज्यादा पसंद करती हैं। लेकिन सूट डिजाइन को लेने में हम हमेशा कन्फ्यूज्ड रहते हैं कि किस तरह के सूट को वियर करें। इसके लिए आप आर्टिकल में बताए गए डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं।

अनारकली सूट करें स्टाइल

अगर आपको खुला-खुला सूट पहनना पसंद है, तो इसके लिए आप अनारकली सूट के इस डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। रिचा चड्ढा ने हैवी अनारकली सूट को वियर किया है। आप इसमें चाहें तो प्रिंटेड या गोटा पट्टी वर्क वाले सूट को स्टाइल कर सकती हैं। मार्केट में इस तरह के सिंपल सूट आपको 500 रुपये में मिल जाएंगे। साथ ही इसे आप कहीं बाहर जाकर भी पहनकर जा सकती हैं। यह लुक को और अच्छा लगता है।

काफ्तान सूट करें स्टाइल

प्रेग्नेंसी में कम्फर्टेबल रहने के लिए आप काफ्तान सूट को स्टाइल कर सकती हैं। यह खुला-खुला होता है। साथ ही इसके साथ प्लाजो और पैंट आते हैं। जिसे वियर करके आप लुक को कम्फर्टेबल फील कर सकती हैं। इसमें आपको डिजाइन में अलग-अलग ऑप्शन मिल जाएंगे। साथ ही आप इसे अलग से भी खरीद सकती हैं और जींस के साथ पहन सकती हैं। इस तरह के सूट आप ऑफिस पहनकर भी जा सकती हैं। मार्केट में इस तरह के सूट आपको 250 से 500 रुपये में मिल जाएंगे।

प्लाजो सूट सेट

अगर आप कहीं बाहर जानें का प्लान कर रही हैं, और पूरे दिन कम्फर्टेबल रहना चाहती हैं, तो इसके लिए आप प्लाजो सूट को स्टाइल कर सकती हैं। इसमें आपको कट डिजाइन और स्लिट कट डिजाइन वाला सूट मिल जाएगा। जिसे आप आराम से पहनकर जा सकती हैं। इसमें आपको प्रिंट छोटे और बड़े दोनों मिल जाएंगे। मार्केट से खरीदने पर आपको इसमें वर्क भी अलग-अलग मिल जाएंगे। इससे आपका लुक अच्छा लगेगा। यह सूट आप बाजार से 500 रुपये में कॉटन फैब्रिक में खरीद सकती हैं।

प्रेग्नेंसी में खूबसूरत और कम्फर्टेबल दिखने के लिए आप इन सूट को स्टाइल कर सकती हैं। इसमें आपका लुक अच्छा लगेगा। साथ ही, आप अलग नजर आएंगी।



आपको भी लगता है स्क्रीन की लत ने बच्चों को बना दिया है बदतमीज? पेरेंट्स जरूर करें ये काम

आजकल के बच्चे इतने जिद्दी और बदतमीज हो गए हैं कि वे एक सेकंड भी बिना स्क्रीन देखे नहीं रह सकते हैं। कुछ माता-पिता की यह भी शिकायत है कि स्क्रीन टाइम के कारण उनके बच्चे बदतमीज होते जा रहे हैं। आइए इनके कारणों और निवारण के बारे में आज हम आपको बताते हैं।

स्क्रीन टाइम यानी स्मार्टफोन को देखने में बीतने वाला वक्त न केवल बच्चों के लिए शारीरिक समस्याएं पैदा करता है, बल्कि उनके व्यवहार पर भी दुष्प्रभाव डाल रहा है। कुछ माता-पिता की यह भी शिकायत है कि स्क्रीन टाइम के कारण उनके बच्चे बदतमीज होते जा रहे हैं। इसके कारणों को समझना और बचाव के तरीकों को लेकर समय रहते कदम उठाना बहुत जरूरी है।

स्क्रीन की लत से बच्चे के व्यवहार पर पड़ता है ऐसा असर

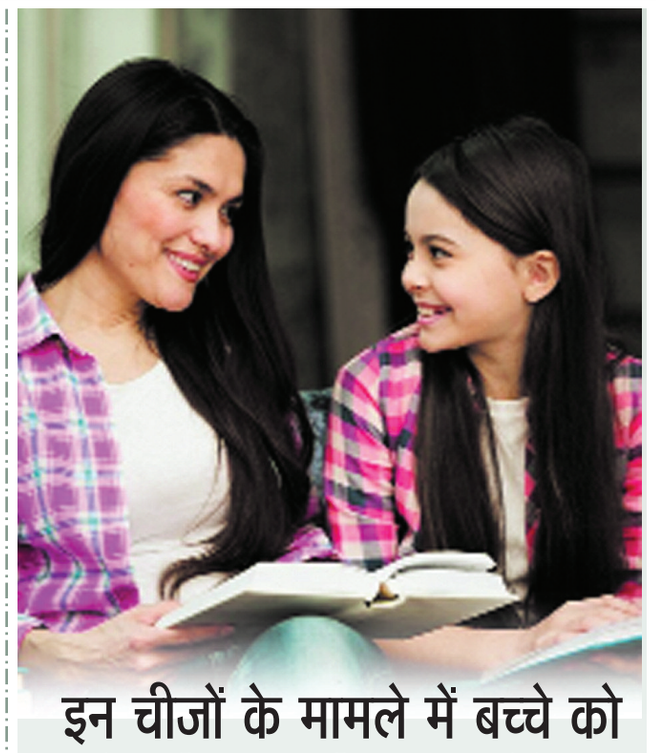
बहुत ज्यादा समय स्मार्टफोन पर बिताने से बच्चे सेंसरी ओवरलोड का शिकार हो जाते हैं। इससे उन्हें किसी बात पर फोकस करने में मुश्किल होने लगती है और मानसिक ऊर्जा में कमी का अनुभव होता है। इससे उनमें गुस्सा बढ़ता है। स्मार्टफोन पर ज्यादा समय बिताने वाले बच्चों और उनके माता-पिता के बीच संवाद कम होता है। घर में लोगों के साथ कम समय बिताने के कारण बच्चे सामाजिक एवं व्यावहारिक रूप से कटा-कटा अनुभव करते हैं, जिससे उनमें गुस्सा और चिड़चिड़ापन बढ़ता है। आजकल वीडियो गेम से लेकर कार्टून सीरियल्स और फिल्मों तक हर जगह हिंसा का बोलबाला है। लगातार इन्हें देखने वाले बच्चों के मन में हिंसा के प्रति आकर्षण पैदा होने लगता है। यही आकर्षण उन्हें शारीरिक एवं शाब्दिक हिंसा के लिए प्रेरित करता है और बच्चे बदतमीज हो जाते हैं। छोटे बच्चे वर्चुअल दुनिया और रियलिटी में बहुत ज्यादा फर्क करना नहीं जानते हैं। इसी कारण से स्मार्टफोन पर देखी गई बातें उनके व्यवहार पर असर डालती हैं।

पेरेंट्स सतर्कता से उठाएं कदम

अगर आपके बच्चे के व्यवहार में भी इस तरह के बदलाव आ रहे हैं, तो सतर्क हो जाएं। इससे पहले कि बच्चे के व्यवहार पर स्थायी प्रभाव पड़ने लगे, उसके स्क्रीन टाइम को कम करने की दिशा में प्रयास करें। इसके लिए आपको कुछ नियम तय करने पड़ सकते हैं। बच्चे कब, कितनी देर और क्या देखेंगे, इसे लेकर स्पष्ट रहना जरूरी है। इस संबंध में आपको शुरुआत से ही सख्ती रखनी चाहिए। बच्चे देखकर ही सीखते हैं। इसलिए स्वयं भी स्क्रीन टाइम कम रखें, जिससे बच्चा आपको देखकर प्रेरित हो और स्मार्टफोन पर कम समय बिताए।

व्यवहार पर नजर रखना भी जरूरी है। बच्चे के व्यवहार में अचानक से होने वाले किसी भी बदलाव के प्रति सतर्क रहें और उसके कारण को दूर करने का प्रयास करें।

बच्चे को किताबें पढ़ने के लिए और बाहर खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही उसे कुछ क्रिएटिव करने के लिए भी प्रेरित करें। घर में एक टेक-फ्री जोन बनाएं। वहां बच्चे के खेलने और मनोरंजन के लिए किसी तरह का इलेक्ट्रॉनिक गैजेट न रहे। बच्चे के साथ वहां कुछ समय बिताएं।



इन चीजों के मामले में बच्चे को दें पूरी आजादी, सख्त पैरेंटिंग से बिगड़ सकता है भविष्य

बच्चे के साथ हर समय सख्ती से पेश आना विपरीत परिणाम दे सकता है। इसका असर बच्चों के भविष्य पर पड़ सकता है, जिससे बाद में आपको भी परेशानी हो सकती है। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि बच्चे को किन मामलों में आजादी देना जरूरी होता है।

बच्चों को समझना और समझाना कतई बच्चों का खेल नहीं है। हर कदम पर सतर्कता बरतने की जरूरत होती है। हालांकि इसी सतर्कता के चक्कर में कई बार माता-पिता बहुत ज्यादा सख्त हो जाते हैं। यह बच्चों के विकास के लिए घातक है। बच्चों को आगे बढ़ने और सफल होने के लिए नियम-अनुशासन के साथ-साथ थोड़ी आजादी की भी जरूरत होती है। आजादी और सतर्कता के बीच संतुलन से आप बच्चों का विकास एवं उनकी सुरक्षा दोनों सुनिश्चित कर सकते हैं।

निर्धारित करें सीमा

स्कूल से आने के बाद बच्चों का थोड़ा खेलने-कूदने का मन कर सकता है। अगर उन्हें सख्त पैरेंटिंग के चक्कर में आप घर से भी बाहर नहीं निकलने देंगे, तो उनका विकास अवरुद्ध होगा। आप बच्चे के साथ सहमति के आधार पर कुछ सीमाएं बना सकते हैं। जैसे बच्चे को बताइए कि वह किस गली तक या किसके घर तक और कितने बजे तक अकेले खेलने जा सकता है। साथ ही उसे प्यार से यह भी समझाइए कि यह सीमा उसकी सुरक्षा के लिए तय की गई है और जब भी उसे इससे आगे जाना हो तो वह घर पर पूछकर ऐसा करे।

खुद से कुछ करने का मौका दें

किशोर होते बच्चे अकेले कुछ काम करना चाहते हैं। उन्हें इसका मौका दें। उनकी जरूरत की और स्टेशनरी की हर चीज उन्हें खरीदकर मत दें। अगर आसपास कोई दुकान है, तो उन्हें वहां जाकर खुद अपनी जरूरत की चीज खरीदने को कहें। इससे उनमें आत्मविश्वास भी आएगा और वे हिसाब-किताब भी समझेंगे। ऐसा करना उन्हें लोगों से संवाद करने में भी सहज बनाएगा।

बच्चों से कुछ काम करवाएं

किशोर होते बच्चों में जिम्मेदारी और समयबद्धता की भावना जगाने के लिए उनसे कुछ काम भी करवाना चाहिए। जैसे अगर घर में कोई अन्य छोटा बच्चा है, तो उसे घुमाने की जिम्मेदारी घर के बड़े बच्चे को दे सकते हैं। बच्चे को घर के कामों में भी थोड़ा-बहुत योगदान देने के लिए प्रेरित करें। इससे वह स्वयं का महत्व समझता है और उसमें जिम्मेदारी की भावना आती है।

हस्तक्षेप न करें

पैरेंटिंग का सबसे मुश्किल पहलू है हस्तक्षेप न करना। एक बार जब बच्चे के साथ आप किसी सीमा को तय कर लें, तो उसे उस सीमा तक आजादी से रहने दें। इसमें बहुत धैर्य की जरूरत होती है। कभी लगे कि बच्चा कोई काम बिगाड़ देगा, तब भी अगर बहुत बड़ा नुकसान नहीं होने जा रहा है, तो उसे मत टोकें। उसे अपनी समझ और आजादी के साथ काम करने दें। गलती का स्वयं आभास होने दें। बाद में भी उसे डांटने के बजाय सिखाने का प्रयास करें, जिससे भविष्य में गलती न हो।

स्कूल के मामले में भी आजादी जरूरी

स्कूल से जुड़े मामलों में भी बच्चों को आजादी की जरूरत होती है। स्कूल में कोई प्रोग्राम होना है, तो बच्चे को उसमें हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करें, लेकिन किस प्रतियोगिता में भाग लेना है, इसका निर्णय उसे स्वयं करने दें। हर बात में अपनी राय न थोपें। हो सकता है कि आप उसे मैथ्स के ओलंपियाड में हिस्सा दिलाना चाहते हों, लेकिन उसकी रुचि हिंदी में हो। उसे अपने निर्णय लेने दें। इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ेगा और वह बेहतर निर्णय लेने में भी सक्षम बनेगा।



कुछ ही दिनों में खराब हो जाएगा स्नेक प्लांट, अगर रखेंगी इन जगहों पर

स्नेक प्लांट एक लो मेंटेनेंस पौधा है और इसलिए लोग इसे अपने घर में जगह देना पसंद करते हैं। लेकिन फिर भी ऐसी कई जगहें होती हैं, जहां पर आपको स्नेक प्लांट को नहीं रखने से बचना चाहिए।

अपने घर को सजाने के लिए हम सभी कई चीजों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन पौधे ना केवल आपके घर को खूबसूरत बनाते हैं, बल्कि इनसे अन्य भी कई फायदे मिलते हैं। यूं तो घरों में हम सभी अपने स्पेस व जरूरत के अनुसार प्लांट लगाते हैं, लेकिन स्नेक प्लांट एक ऐसा पौधा है, जिसे हम घर की कई अलग-अलग जगहों पर रखना पसंद करते हैं। यह सबसे कम देखभाल वाला हाउसप्लांट है। साथ ही साथ, यह घर के अंदर की हवा को भी प्योरिफाई करने में मदद करते हैं। चूंकि इन्हें बहुत अधिक केयर की जरूरत नहीं होती है, इसलिए इन्हें एक बिगनर भी अपने घर में जगह दे सकता है। दरअसल, स्नेक प्लांट को इस बात से कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि आप उन्हें पानी देना भूल गए हैं या आपकी लाइटिंग सही नहीं है। वे जल्दी खराब नहीं होते हैं। वे आपके लिविंग रूम से लेकर आपके ऑफ़िस डेस्क तक लगभग किसी भी जगह में फ़िट हो सकते हैं और इसे स्टाइलिश भी बना सकते हैं। अमूमन लोग इन्हें कहीं पर भी रख देते हैं। हालांकि, ऐसी कुछ जगहें होती हैं, जहां पर स्नेक प्लांट को रखने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे उन्हें नुकसान हो सकता है। तो चलिए जानते हैं ऐसी ही कुछ जगहों के बारे में-

सीधी धूप में ना रखें

आपको अपने घर में स्नेक प्लांट को ऐसी किसी भी जगह पर नहीं रखना चाहिए, जहां से सीधी धूप आती हो। स्नेक प्लांट धूप को सहन कर सकते हैं, लेकिन बहुत ज्यादा सीधी धूप उनकी पत्तियों को झुलसा सकती है। अगर आपका स्नेक प्लांट सनबर्न से पीड़ित है, तो आपको ब्राउन, क्रिस्पी और फेडेड पीले पत्ते दिखाई दे सकते हैं। कोशिश करें कि आप स्नेक प्लांट को इनडायरेक्ट सनलाइट में रखें।

ह्यूमिडिफायर के ठीक बगल में ना रखें

हम सभी अपने घर में ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं, लेकिन आपको कभी भी स्नेक प्लांट को ह्यूमिडिफायर के ठीक बगल में रखने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, स्नेक प्लांट अपनी पत्तियों में पानी जमा करते हैं और सूखी हवा पसंद करते हैं। उन्हें ह्यूमिडिफायर के पास रखने से अत्यधिक नमी हो सकती है, जिससे रूट रॉट या फिर फंगल की समस्या हो सकती है। इसलिए, अपने ह्यूमिडिफायर को कहीं और रखें या पौधे के लिए कम नमी वाली जगह चुनें।

हीटर के पास ना रखें

ह्यूमिडिफायर की तरह ही स्नेक प्लांट को हीटर के करीब भी रखने से बचना चाहिए। ठंड के मौसम में हम हीटर का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन अगर स्नेक प्लांट को इसके करीब रखा जाता है तो पौधे को नुकसान उठाना पड़ सकता है। हीटर गर्म और रूखी हवा फेंकते हैं, जो आपके स्नेक प्लांट की मिट्टी और पत्तियों से नमी को सोख सकते हैं। इसकी वजह से आपका प्लांट सूख जाता है। कोशिश करें कि आप स्नेक प्लांट को हीटर सहित अन्य हीट सोर्स से कुछ फीट दूर रखें।

पुलिस मुठभेड़, 25-25 हजार के दो इनामी बदमाश गोली लगने से घायल, गिरफ्तार

नोएडा। थाना बीटा-2 क्षेत्र में डाकिया बाबा गोलचक्कर के पास सोमवार सुबह पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में 25-25 हजार रुपये के दो इनामी बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने दोनों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए बदमाशों पर लूट और चेन स्नैचिंग की कई वारदातों को अंजाम देने का आरोप है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल और दो देशी तमंचे बरामद किए हैं।



पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा श्रवण कुमार सिंह ने घटना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि थाना बीटा-2 पुलिस की टीम सोमवार सुबह इलाके में बैरियर लगाकर संदिग्धों और बदमाशों की तलाश में चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान डाकिया बाबा गोलचक्कर की तरफ से मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध युवक आते हुए दिखाई दिए। पुलिस टीम ने दोनों को रुकने का इशारा किया, लेकिन वे रुकने के बजाय बाइक मोड़कर भागने लगे। संदिग्धों को भागता देख पुलिस टीम ने तुरंत उनका पीछा किया और उन्हें चारों तरफ से घेर लिया। खुद को पुलिस से घिरा हुआ देखकर बदमाशों ने भागने के लिए पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। बदमाशों की तरफ से हुई फायरिंग के बाद पुलिस ने भी अपना बचाव करते हुए जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की तरफ से चलाई गई गोलियां दोनों बदमाशों के पैर में जा लगीं, जिससे वे घायल होकर वहीं गिर पड़े।

घायल बदमाशों की पहचान और बरामदगी: गोलियां लगने से घायल हुए दोनों बदमाशों को पुलिस ने तुरंत हिरासत में ले लिया। पुलिस की पूछताछ और जांच में घायल बदमाशों की पहचान सामने आई। इनमें से एक आरोपी की पहचान दीपू उर्फ पप्पू के रूप में हुई है, जो सुरेंद्र का बेटा है और अलीगढ़ का रहने वाला है। वहीं दूसरे घायल आरोपी की पहचान मोनू के रूप में हुई है, जो तुलसी का बेटा है और हमीरपुर का रहने वाला है।

पुलिस ने गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों के पास से हथियार और वाहन जब्त किया है। उनके पास से चोरी की एक मोटरसाइकिल मिली है, जिस पर सवार होकर वे जा रहे थे। इसके अलावा पुलिस को उनके कब्जे से दो देशी तमंचे भी मिले हैं, जिनका इस्तेमाल उन्होंने पुलिस टीम पर गोली चलाने में किया था।

शातिर स्नैचर और दर्ज मुकदमे: पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी शातिर चेन स्नैचर हैं और लंबे समय से अपराध की दुनिया में सक्रिय हैं। दोनों के खिलाफ अलग-अलग थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपी दीपू उर्फ पप्पू के खिलाफ पुलिस रिकॉर्ड में पहले से आठ मुकदमे दर्ज हैं। वहीं दूसरे अभियुक्त मोनू के खिलाफ अलग-अलग थानों में 19 मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस ने बताया कि आरोपी मोनू इससे पहले भी चेन स्नैचिंग के ही एक मामले में पकड़ा जा चुका है। वह गिरफ्तार होकर जेल भी गया था और फिलहाल अदालत से जमानत मिलने के बाद बाहर आया हुआ था।

फरार चल रहे थे 25 हजार के इनामी: दूसरे आरोपी दीपू उर्फ पप्पू के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि उसका एक साथी राजेंद्र उर्फ लल्लू था। 7 जून 2026 को पुलिस मुठभेड़ के दौरान राजेंद्र उर्फ लल्लू को छीनी गई चेन के साथ गिरफ्तार किया गया था। उस समय मुठभेड़ के दौरान दीपू रात के अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भागने में कामयाब हो गया था। उस समय से ही पुलिस दीपू की तलाश कर रही थी और उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

पुलिस ने आगे जानकारी दी कि गैंग के एक अन्य बदमाश की गिरफ्तारी होने के बाद से दीपू और मोनू लगातार फरार चल रहे थे। दोनों की गिरफ्तारी न होने पर पुलिस प्रशासन की तरफ से दोनों बदमाशों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। फिलहाल थाना बीटा-2 पुलिस दोनों गिरफ्तार आरोपियों से जुड़ी अन्य जानकारियां जुटाने में लगी हुई है।

उगते सूरज को अर्घ्य दिया

नोएडा। अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद एवं छठ पूजा समिति के अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार मिश्रा सेंट्रल पार्क पॉकेट -7 सेक्टर 82 नोएडा छठ घाट में दिया और अर्घ्य देते समय सूर्य देवता दूध, जल आदि अर्पित किया जाता है. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, अर्घ्य देने से कुंडली में सूर्य की कमजोर स्थिति मजबूत होती है. सौभाग्य बना रहता है. मान-सम्मान में भी वृद्धि होती है. यश और कीर्ति में इजाफा होता है. घर-परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहता है. सूर्य देवता की कृपा बनी रहती है. छठी मैया निःसंतान को संतान सुख का आशीर्वाद देती हैं.बाद छठ पूजा का समापन हो जाएगा. उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती छठ पूजा के व्रत का पारण कर अपना उपवास तोड़ते हैं.

'स्मरामि खलु तत्सवितुर्वरेण्यम् रूपं हि मण्डलमृचोथ तनुर्यजूंषि। सामानि यस्य किरणाः प्रभवादिहेतुं ब्रह्माहरात्मकमलक्ष्यमचिन्त्यरूपम।।' मंत्र का जाप करें. ओम सूर्याय नमः का भी उच्चारण कर सकते हैं. व्रती यदि सही तरीके और पूरे विधि-विधान से पूजा करें तो सुख-समृद्धि आती है

ओम ऐही सूर्यदेव सहस्त्रांशो तेजो राशि जगत्पते।

अनुकम्पय मां भक्त्या गृहणार्घ्य दिवाकरः।।



ऊँ सूर्याय नमः, ऊँ आदित्याय नमः, ऊँ न

समिति के अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार मिश्रा ने नोएडा प्राधिकरण ,नोएडा पुलिस ,नोएडा प्रिंट मीडया सेक्टर -82 पॉकेट -7 वासियो एवं समिति के समस्त पदाधिकारी एवं पुरे पॉकेट -7 वासियो का आभार व्यक्त किया और धन्यवाद दिया जिनके सहयोग से चार दिवसीय छठ पूजा का सफल आयोजन रहा इस अवसर पर संस्था के सदस्य शैलेन्द्र मिश्रा ,पप्पू सिंह ,अमरेश झा ,रामभरोष झा ,संतोष यादव ,जीतेन्द्र सिंह ,विजय कुमार झा ,बलराम कर्ण ,किशुन जी झा ,दिलीप राइ ,गोरे लाल ,मुरारी झा ,शिवा चौधरी ,संजय पांडेय के .के .झा ,अनूप सिंह ,हरी शंकर सिंह ,अशोक दास ,विजेंद्र सिंह ,रुपेश झा ,संटू मिश्रा , ,अजित मिश्रा ,अजय झा ,शंकर झा ,प्रकाश झा ,आंनद मिश्रा ,देव मणि शुक्ला ,संजय शुक्ला ,रवि राघव ,पंकज मिश्रा , ,एस .के .तिवारी , ,राम बाबू चौधरी ,मनोज झा ,गोविन्द मिश्रा ,अरविन्द सिंह , ,अंजनी सिंह , ,आशीष मिश्रा ,सुबोध सिंह ,कालू सिंह , ,मनीष पांडेय ,राघवेंद्र चौधरी , ,अटल बिहारी गुप्ता ,एस ,के पांडेय ,राहुल कुमार ,एस के रथ , ,देवेंद्र गुप्ता ,सत्शंकर दास मुकेश मिश्रा अभिनाश नंदन शर्मा संजय कुमार झा ,विनोद राजपूत , आदित्य जी ,देवेंद्र गुप्ता ,हनुमान जी ,विष्णु कुमार शर्मा ,तिमिर वि दान ,नीरज शर्मा ,, दिनेश शुक्ला ,नन्द कुमार चौहान ,दिवाकान्त झा , ,प्रेमचंद्र झा ,संतोष मिश्रा ,उपेंद्र यादव ,प्रकाश सिन्हा ,अशोक राइ,मनोज झा ,मनोज लड्डू बाबू ,पवन ,धनञ्जय सिंह ,संतोष झा ,प्रकाश झा ,अजय सिंह ,कुंदन पाठक ,हिमांशु ,अबधेश सिंह ,रमेश वर्मा काफी लोग उपस्थित हुए आज उगते सूर्य को अर्घ्य दिए।

गर्भावस्था के 37 सप्ताह पूरे होने से पहले जन्म लेने वाले बच्चे होते हैं प्री-मैच्योर, रहता है संक्रमण और सांस संबंधी खतरा

नोएडा। गर्भावस्था के नौ महीने पूरे होने से पहले बच्चे का जन्म होना प्री-मैच्योरिटी या समयपूर्व जन्म कहलाता है। ऐसे बच्चों का शारीरिक विकास पूरी तरह नहीं हो पाता, जिसके कारण उन्हें जन्म के बाद विशेष देखभाल और उपचार की आवश्यकता हो सकती है। कई मामलों में समय से पहले जन्म लेने वाले बच्चों को सांस लेने में परेशानी, शरीर का तापमान नियंत्रित रखने में कठिनाई, संक्रमण और कम वजन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। हालांकि आधुनिक चिकित्सा तकनीक, नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) और समय पर उपचार की मदद से ऐसे बच्चों को स्वस्थ जीवन दिया जा सकता है। यह बातें फेलिक्स हॉस्पिटल की गाइनोकोलॉजिस्ट डॉ. सुप्रिया आहूजा ने विश्व प्रीमैच्योरिटी दिवस डे पर कहीं।



उन्होंने बताया कि प्री-मैच्योरिटी के प्रति जागरूकता और गर्भावस्था के दौरान नियमित स्वास्थ्य जांच बेहद जरूरी है। समय से पहले प्रसव के संभावित कारणों की पहचान कर उचित चिकित्सकीय देखभाल की जाए तो कई मामलों में जोखिम को कम किया जा सकता है।

सामान्य गर्भावस्था लगभग 40 सप्ताह की होती है। यदि बच्चे का जन्म गर्भावस्था के 37 सप्ताह पूरे होने से पहले हो जाता है तो उसे प्री-मैच्योर या समयपूर्व जन्म कहा जाता है। ऐसे बच्चों के कई अंग, विशेषकर फेफड़े, मस्तिष्क और पाचन तंत्र पूरी तरह विकसित नहीं हुए होते हैं। जितने कम सप्ताह में बच्चे का जन्म होता है, उसे स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं का खतरा उतना ही अधिक हो सकता है। हालांकि हर समयपूर्व जन्मे बच्चे में गंभीर समस्या हो, यह जरूरी नहीं है। समयपूर्व जन्म को गर्भावस्था की अवधि के आधार पर तीन प्रमुख श्रेणियों में बांटा जाता है। 32 से 36 सप्ताह के बीच जन्म लेने वाले बच्चे मध्यम से देर से समयपूर्व जन्म की श्रेणी में आते हैं। 28 से 32 सप्ताह के बीच जन्म लेने वाले बच्चे बहुत समयपूर्व और 28 सप्ताह से पहले जन्म लेने वाले बच्चे अत्यंत समयपूर्व कहलाते हैं। अत्यंत समयपूर्व जन्मे बच्चों को अधिक गहन चिकित्सा और लंबे समय तक निगरानी की जरूरत पड़ सकती है।

यह होते हैं समयपूर्व जन्म के कारण: प्री-मैच्योर डिलीवरी के कई कारण होते हैं। गर्भवती महिला को उच्च रक्तचाप, मधुमेह, एनीमिया या संक्रमण होना, गर्भाशय अथवा गर्भाशय ग्रीवा से जुड़ी समस्या, जुड़वां या एक से अधिक बच्चों का गर्भ होना और पहले समयपूर्व प्रसव का इतिहास इसके जोखिम को बढ़ा सकता है। इसके अलावा धूम्रपान, तंबाकू का सेवन, गर्भावस्था में पर्याप्त पोषण नहीं मिलना और मां का अत्यधिक शारीरिक या स्वास्थ्य संबंधी तनाव भी जोखिम बढ़ा सकता है। कई बार सभी जांच सामान्य होने के बावजूद समयपूर्व प्रसव हो जाता है और इसका स्पष्ट कारण पता नहीं चल पाता।

जन्म के बाद इन समस्याओं का रहता है खतरा: समय से पहले जन्म लेने वाले बच्चों के फेफड़े पूरी तरह विकसित नहीं होने के कारण उन्हें सांस लेने में परेशानी होती है। इसके अलावा शरीर का तापमान बनाए रखने, दूध पीने और पचाने में कठिनाई, रक्त में शुगर की कमी, पीलिया और संक्रमण का खतरा रहता है। बहुत कम सप्ताह में जन्मे बच्चों में मस्तिष्क, आंखों और आंतों से संबंधित जटिलताएं भी होती हैं। ऐसे बच्चों की स्थिति के अनुसार चिकित्सक विशेष जांच और निगरानी करते हैं।

इलाज और देखभाल का तरीका: प्री-मैच्योर बच्चों का उपचार उनकी गर्भावस्था की अवधि, जन्म के समय वजन और स्वास्थ्य की स्थिति पर निर्भर करता है। जरूरत पड़ने पर बच्चे को एनआईसीयू में रखा जाता है। सांस लेने में परेशानी होने पर ऑक्सीजन, सी-पैप या वेंटिलेटर की सहायता दी जाती है। फेफड़ों के विकास में मदद के लिए चिकित्सकीय जरूरत के अनुसार सर्फेक्टेंट दिया जाता है। शरीर का तापमान बनाए रखने के लिए विशेष इनक्यूबेटर का इस्तेमाल किया जाता है। बच्चे को मां का दूध देना बेहद फायदेमंद होता है। यदि बच्चा सीधे स्तनपान नहीं कर पाता तो मां का निकाला हुआ दूध नली के माध्यम से दिया जा सकता है। जरूरत के अनुसार पोषण और तरल पदार्थ भी दिए जाते हैं। संक्रमण से बचाव, वजन की निगरानी, आंखों और सुनने की क्षमता की जांच भी उपचार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। चिकित्सकीय स्थिति स्थिर होने पर कंगारू मदर केयर यानी बच्चे को मां या पिता के सीने से त्वचा के संपर्क में रखना लाभकारी होता है।

ऐसे कर सकते हैं समयपूर्व जन्म से बचाव: गर्भधारण से पहले और गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी है। गर्भवती महिला नियमित रूप से स्त्री रोग विशेषज्ञ से जांच कराए। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, एनीमिया और संक्रमण का समय पर उपचार कराए। संतुलित और पौष्टिक भोजन ले, चिकित्सक की सलाह से आयरन और फोलिक एसिड का सेवन करे। तंबाकू, धूम्रपान और शराब से पूरी तरह दूर रहे। गर्भावस्था के दौरान किसी भी तरह की दवा चिकित्सकीय सलाह के बिना न लें। पेट में तेज दर्द, नियमित अंतराल पर संकुचन, योनि से पानी या रक्तस्राव और श्रोणि क्षेत्र में लगातार दबाव महसूस होने पर तत्काल अस्पताल पहुंचना चाहिए। जिन महिलाओं में समयपूर्व प्रसव का अधिक जोखिम है, उन्हें विशेषज्ञ की निगरानी में रखना जरूरी है। कुछ विशेष परिस्थितियों में चिकित्सक समय से पहले प्रसव का खतरा कम करने के लिए प्रोजेस्टेरोन, गर्भाशय ग्रीवा की लंबाई की निगरानी या अन्य उपचार की सलाह देते हैं। समय पर पहचान, सही उपचार और परिवार की जागरूकता से मां और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य की बेहतर सुरक्षा की जा सकती है।

बाल दिवस पर सेंचुरी अपार्टमेंट में बच्चों के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित, प्रतिभागी बच्चों को किया गया पुरस्कृत

नोएडा। बाल दिवस के अवसर पर सेंचुरी अपार्टमेंट, सेक्टर-100 में ्रह द्वारा बच्चों के लिए विभिन्न खेलकूद एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सोसायटी के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।



कार्यक्रम को सफल बनाने में ्रह कोषाध्यक्ष रेशु चोपड़ा एवं शिक्षिका कनिका शर्मा की विशेष भूमिका रही। रेशु चोपड़ा ने बच्चों के लिए विभिन्न खेलों एवं गतिविधियों की तैयारी कर उनका आयोजन कराया तथा पूरे कार्यक्रम के दौरान बच्चों का उत्साहवर्धन किया। वहीं शिक्षिका कनिका शर्मा ने एक शिक्षक की भूमिका निभाते हुए बच्चों के बीच रहकर विभिन्न खेल एवं गतिविधियां कराईं और उन्हें पूरे उत्साह एवं अनुशासन के साथ भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

बाल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ खेल भावना, रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं आपसी सहयोग की भावना से जोड़ना रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार एवं प्रोत्साहन देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर ्रह अध्यक्ष आलोक कुमार, महासचिव वी. के. टमटा, कोषाध्यक्ष रेशु चोपड़ा, मदन शर्मा, प्रमोद चौधरी, कनिका शर्मा, एम. के. सिंह, नवीन कुमार सहित ्रह के अन्य सदस्य एवं सोसायटी के निवासी उपस्थित रहे।

्रह महासचिव वी. के. टमटा ने कहा कि बच्चे समाज और राष्ट्र का भविष्य हैं। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ खेल, रचनात्मक गतिविधियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी भी आवश्यक है। ्रह का प्रयास रहेगा कि सेंचुरी अपार्टमेंट में बच्चों के लिए समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहें, जिससे बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का अवसर मिले।

उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग के लिए रेशु चोपड़ा एवं कनिका शर्मा का आभार व्यक्त किया तथा सभी अभिभावकों, ्रह सदस्यों एवं निवासियों को भी सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने सभी बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



नोएडा। श्री हनुमान मंदिर सेक्टर 20 नोएडा में उगते हुये सूर्य भगवान को अर्घ्य देती हुई व्रती महिलाएं।

हजारों छठव्रतियों ने उदीयमान भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया

नोएडा। कार्तिक शुक्ल पक्ष सप्तमी तिथि को चार दिवसीय सूर्योपासना के महान लोकपर्व छठ महापर्व के अंतिम दिन नोएडा के सेक्टर-75 स्थित सेंट्रल पार्क के छठ घाट सहित शहर के लगभग 250 छठ घाटों पर हजारों छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं ने अत्यंत श्रद्धा,भक्ति एवं उल्लास के साथ प्रातःकाल उदीयमान भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया।अर्घ्य एवं पारण के साथ ही सूर्योपासना के इस पावन महापर्व का विधिवत समापन हो गया।

अखिल भारतीय प्रवासी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्री सूर्यदेव पूजा समिति,नोएडा के अध्यक्ष डॉ?मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि छठ महापर्व के चौथे एवं अंतिम दिन छठव्रतियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार बांस के सूप में ठेकुआ,लड्डुआ,बताशा,बद्धी,अगरबत्ती,ि संदूर, पान,कसेली तथा से ब,के ला,संतरा,डाभ,सिंघाड़ा,



सूथनी,मूली,अमरूद सहित विभिन्न मौसमी फलों एवं पूजन सामग्री को सजाकर अपने हाथों में उठाया और उदीयमान भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया।इस अवसर पर व्रतियों ने अपने परिवार की सुख-समृद्धि,संतान की खुशहाली,आरोग्य,दीर्घायु एवं मंगलमय जीवन की कामना की।घाट पर उपस्थित श्रद्धालुओं एवं परिवार के सदस्यों ने भी भगवान सूर्यदेव को जल अर्पित कर पूजा-अर्चना की।

सेक्टर-75 के सेंट्रल पार्क स्थित छठ घाट पर प्रातः चार बजे से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था।छठी मैया के पारंपरिक एवं मधुर लोकगीतों,सूर्यदेव की आराधना और श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति से पूरा वातावरण भक्तिमय एवं आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर हो गया।

इस पावन अवसर पर श्री सूर्यदेव पूजा समिति के अध्यक्ष डॉ?मुन्ना कुमार शर्मा,संयोजक ओपी तिवारी,महासचिव राजीव त्यागी,कोषाध्यक्ष प्रभात कुमार,उपाध्यक्ष डॉ?शशांक शेखर, सहसंयोजक राकेश श्रीवास्तव,ब्रजेश शर्मा, हीरालाल यादव,मनीष यादव, कैप्टन राकेश कुमार,डॉ भारतेंदु कुमार, मल्लिकेश्वर झा,सीए निशांत कुमार, संतोष कुमार,वीके खुराना,ज्ञानेश मिश्रा,अनमोल सिंह,अनुराग श्रीवास्तव,आनंद सक्सेना,अतुल जैन,सहित हजारों छठव्रती एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाशों के पैर में लगी गोली, चार आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटरनोएडा। थाना रबूपुरा की पुलिस टीम ने इस्माइल हत्याकांड में शामिल और फरार चल रहे चार आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में दो आरोपी गोली लगने से घायल हो गए। इसके साथ ही कॉम्बिंग के दौरान उनके दो अन्य साथियों को भी दबोच लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू, लोहे की रॉड, अवैध तमंचे और अन्य सामान बरामद किया है।



पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा जोन श्रवण कुमार सिंह ने घटना के संबंध में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि थाना रबूपुरा पुलिस की टीम पुरानी मिर्जापुर रोड से रुस्तमपुर की ओर जाने वाली सड़क के टी-प्वाइंट पर गाड़ियों की चेकिंग कर रही थी। उसी समय सेक्टर-20, YEIDA की तरफ से दो संदिग्ध मोटरसाइकिलें आती हुई दिखाई दीं। पुलिस टीम ने जब बाइक सवारों को रुकने का इशारा किया, तो वे रुकने के बजाय तेज रफ्तार में भागने लगे।

पुलिस की टीम ने बिना देरी किए बदमाशों की मोटरसाइकिलों का पीछा करना शुरू कर दिया। भागने के चक्कर में बदमाशों की मोटरसाइकिलें अचानक फिसलकर सड़क पर गिर गईं। जब बदमाशों ने देखा कि वे पुलिस से घिर चुके हैं, तो उन्होंने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से सीधी फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी अपना बचाव करते हुए जवाबी कार्रवाई में गोलियां चलाईं, जिससे दो बदमाशों के पैर में गोली लग गई।



मुठभेड़ में घायल और गिरफ्तार आरोपियों की पहचान: जवाबी फायरिंग में गोली लगने से घायल हुए दोनों आरोपियों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। घायल आरोपियों में पहला राजकुमार है, जिसकी उम्र 22 वर्ष है। राजकुमार बुलंदशहर जिले के थाना सिकंदराबाद क्षेत्र के ग्राम गेसूपुर भराना का रहने वाला है। दूसरा घायल आरोपी सचिन है, जिसकी उम्र भी 22 वर्ष है। सचिन हापुड़ जिले के थाना कपूरपुर क्षेत्र के ग्राम बझेड़ा का रहने वाला है।

मुठभेड़ के दौरान मौके का फायदा उठाकर भागने की कोशिश कर रहे दो अन्य बदमाशों को पुलिस ने इलाके की कॉम्बिंग करके गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए तीसरे आरोपी की पहचान 26 साल के कमल के रूप में हुई है। वहीं चौथे आरोपी की पहचान 30 साल के हरेंद्र उर्फ हतेन्द्र के रूप में हुई है। कमल और हरेंद्र उर्फ हतेन्द्र दोनों ही बुलंदशहर जिले के थाना सिकंदराबाद क्षेत्र के ग्राम गेसूपुर भराना के रहने वाले हैं।

चोरी की नीयत से की गई थी इस्माइल की हत्या: पुलिस की पूछताछ और जांच प्रक्रिया में हत्या की वारदात का पूरा खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार, चारों आरोपी 8 नवंबर 2026 को चोरी करने के मकसद से थाना रबूपुरा क्षेत्र में नहर किनारे बने एक खेत में गए थे। वहां उन्होंने ग्राम मेंहदीपुर के रहने वाले इस्माइल पुत्र शेर मोहम्मद उर्फ शेरा की हत्या कर दी थी। इस मामले में चारों आरोपी लगातार फरार चल रहे थे, जिन्हें अब पुलिस ने पकड़ लिया है।

आरोपियों के पास से बरामद हुआ सामान: पुलिस ने चारों आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल हथियार और चोरी से जुड़ा काफी सामान बरामद किया है। आरोपियों के कब्जे से .315 बोर के दो अवैध तमंचे, दो खोखा कारतूस और दो जिंदा कारतूस मिले हैं। इसके अलावा पुलिस ने उनके पास से दो मोटरसाइकिलें, एक अवैध चाकू और लोहे की मोटी रॉड का एक टुकड़ा भी जब्त किया है।

साथ ही, आरोपियों के पास से चोरी के काम में इस्तेमाल होने वाला एक प्लास, एक पेचकस और पांच खाली प्लास्टिक के कट्टे भी बरामद किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि इन चारों आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ ही इस्माइल हत्याकांड के सभी फरार आरोपियों को पकड़ लिया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

आस्था का महाकुंभ: सेक्टर-105, नोएडा में लोकआस्था के महापर्व छठ का अलौकिक और भव्य समापन



नोएडा। आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय की करबद्ध उपस्थिति और आत्मीय सहभागिता के बीच, जब संध्या की ठंडी बयार के बीच गन्ने के मंडप तले हाथों में सूप थामे व्रतियों की नम आँखों में डूबते सूरज की लाली उतरी, और आज उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही जब यह पावन महापर्व पूर्ण हुआ, तो ऐसा लगा मानो यह दृश्य केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि इस धरा पर ईश्वर से सीधे संवाद का सबसे पवित्र क्षण था। इस महाव्रत की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि यह दुनिया की उस रीत को झुठला देता है जहाँ हमेशा उगते सूरज को ही पूजा जाता है; यह वह महा-साधना है जहाँ अपनी हर पीड़ा और थकान को भुलाकर ढलते और उगते दोनों रूपों में भगवान भास्कर को साष्टांग प्रणाम कर कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। यह अनुपम पर्व हमें सिखाता है कि जीवन के सबसे गहरे अंधकारों और झंझावातों के बीच भी यदि भीतर आस्था का दिया जल रहा है, तो कोई भी रात इतनी लंबी नहीं होती कि सुबह का सूरज न ला सके।

इसी हृदयस्पर्शी और अलौकिक संस्कृति की खुशबू से सराबोर होकर सेक्टर-105 कम्युनिटी सेंटर का प्रांगण इन दिनों किसी भव्य तीर्थ से कम नहीं लग रहा था, जहाँ आज सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही यह अनुष्ठान पूर्ण हुआ।

आरडब्ल्यूए कार्यकारिणी समिति एवं छठ पूजा समिति, सेक्टर-105 के संयुक्त आत्मीय प्रयासों से आयोजित इस महापर्व में 15 नवंबर की शाम को अस्ताचलगामी सूर्य को और आज 16 नवंबर की प्रातः 5:00 बजे से उदीयमान सूर्य को अर्पित किए गए अर्घ्यों ने मानो पूरे वातावरण को ही अमर कर दिया। गूँजते हुए पारंपरिक लोकगीत, छठी मैया के मधुर भजन, और भक्तों के बीच बँटता वह पावन महाप्रसाद – इन सबने मिलकर पूरे सेक्टर को एक विशाल, समृद्ध और अटूट परिवार में बदल दिया, जहाँ हर दिल एक ही लय में धड़कता नजर आया। इस अवसर पर हृदय से भावुक होते हुए आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने अपने संदेश में कहा कि इन व्रतियों और तपस्वियों का यह असीम समर्पण ही वह पवित्र ऊर्जा है जो हमारे पूरे सेक्टर को एक परिवार की तरह जीवंत, प्रेममय और जाग्रत रखती है। इस दिव्य आयोजन को पूर्णता और अपनेपन का शिखर देने वाले आर0 डबल्यू0 ए0 कोषाध्यक्ष श्री सुरेश बंसल जी , श्री महेश चौहान तथा छठ पूजा समिति के समर्पित स्तंभों– श्री परमानंद पांडे जी, श्री प्रभात रंजन , इंद्रजीत पांडे, अभिषेक पांडे और विवेक पांडे जी के साथ-साथ समस्त समिति सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि यह आयोजन किसी एक समिति का नहीं, बल्कि यहाँ रहने वाले हर एक परिवार की आस्था का जीता-जागता हस्ताक्षर है। आरडब्ल्यूए कार्यकारिणी समिति एवं छठ पूजा समिति, सेक्टर-105, नोएडा समस्त क्षेत्रवासियों का सपरिवार अभिनंदन करते हुए छठी मैया और भगवान भास्कर से यही प्रार्थना करती है कि आज इस पावन पर्व के पूर्ण होने के साथ ही आप सभी के जीवन में सुख, शांति, आरोग्य और असीम समृद्धि का ऐसा प्रकाश फैले जो कभी फीका न पड़े।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में उगते सूर्य को अर्घ्य देकर संपन्न हुआ छठ महापर्व

नोएडा। लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ का समापन सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ संपन्न हो गया। नहाय-खाय से शुरू हुए इस पावन पर्व के अंतिम दिन नोएडा और ग्रेटर नोएडा के सैकड़ों छठ घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही विभिन्न पूजा स्थलों और घाटों पर व्रती और उनके परिजन जुटने लगे थे। छठ व्रतियों ने उगते सूर्य देव को अर्घ्य देकर अपने परिवार, पुत्र-पुत्रियों, पति और मित्रों की सुख-शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। तड़के से ही विभिन्न घाटों पर छठी मैया के जयकारे गूंजने लगे और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

नोएडा शहर के कोने-कोने में स्थित छठ घाटों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब देखा गया। नोएडा के सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम के अलावा सेक्टर-71, 75, 72, 73, 82, 93, 137, 122, 44, 22, 66, 53, 19, 12 और सेक्टर-110 में छठ पूजा का भव्य आयोजन किया गया। सेक्टर-62 के रजत विहार सी ब्लॉक और सेक्टर-52 के अरावली में भी श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही सेक्टर-31 स्थित शहीद भगत सिंह पार्क में बने छठ घाट पर भी भक्तों की भारी भीड़ जुटी रही। शहरी क्षेत्रों के अलावा ग्रामीण इलाकों और स्थानीय बस्तियों में भी महापर्व की जबरदस्त रौनक रही। सदरपुर, छिजारसी, चोटपुर, ममूरा, होशियारपुर, निठारी, मोरना, भंगेल और सालारपुर सहित विभिन्न गांवों और सोसायटियों में बने छठ घाटों पर श्रद्धालुओं ने सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया।

सोसायटियों और पूजा समितियों की विशेष व्यवस्था: इस महापर्व के सफल आयोजन के लिए विभिन्न सामाजिक संगठनों और पूजा समितियों ने घाटों पर विशेष प्रबंध किए थे। पूर्वांचल मित्र मंडल छठ पूजा समिति, श्री सूर्यदेव पूजा समिति, श्री छठ पूजा समिति, अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद और प्रवासी महासंघ नोएडा सहित कई संस्थाओं ने पूजा कार्यक्रमों का सुचारू रूप से संचालन किया।

शहर की बहुमंजिला सोसायटियों में भी निवासियों ने सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की। सेक्टर-78 स्थित अंतरिक्ष गोल्फ व्यू प्रथम सोसायटी में बड़ी संख्या में लोगों ने छठ पूजा की। एक्सप्रेस व्यू अपार्टमेंट, सुपर एमआईजी और सेक्टर-93 में स्थानीय छठ कमेटी की ओर से पूजा का आयोजन किया गया।

ग्रेटर नोएडा और वेस्ट में कृत्रिम तालाबों पर अर्घ्य अर्पण: ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट क्षेत्र में भी छठ महापर्व पूरे भक्तिभाव से मनाया गया। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-36 में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए और उगते सूर्य को अर्घ्य समर्पित किया।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के इलाकों में भी पूजा घाटों पर भारी भीड़ दर्ज की गई। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में चेरी काउंटी के पास बने कृत्रिम तालाब में हजारों श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर महापर्व का समापन किया। इसके अलावा एस सिटी में सोसायटी और आसपास के निवासियों ने हर वर्ष की तरह इस बार भी सामूहिक रूप से छठ पूजा का आयोजन कर सूर्यदेव की आराधना की।

सेक्टर-94 से सेक्टर-135 तक किया निरीक्षण

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति को देखते हुए उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. आरपी सिंह ने सोमवार को गौतमबुद्धनगर में वायु प्रदूषण नियंत्रण उपायों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान यमुना पुस्ता मार्ग पर धूल-मिट्टी का अंबार, क्षतिग्रस्त सड़क और निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) अपशिष्ट का भंडारण मिलने पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सड़क की मरम्मत कराने, धूल-मिट्टी की सफाई और निर्माण मलबे का उचित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान बोर्ड अध्यक्ष के साथ मुख्य पर्यावरण अधिकारी राधेश्याम भी मौजूद रहे। भ्रमण के दौरान अध्यक्ष ने जिलाधिकारी मेधा रूपम से मुलाकात कर जिले में वायु प्रदूषण की मौजूदा स्थिति और उसे नियंत्रित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर प्रदूषण नियंत्रण के उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया। इसके अलावा यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह से भी प्रदूषण नियंत्रण के उपायों पर चर्चा की।

इसके बाद अध्यक्ष ने नोएडा क्षेत्र में यमुना पुस्ता मार्ग पर सेक्टर-94 से सेक्टर-135 तक का निरीक्षण किया। इस दौरान सड़क की खराब स्थिति, जगह-जगह जमा धूल-मिट्टी और निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट का भंडारण पाया गया। इस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों के प्रति नाराजगी जताते हुए कहा कि सड़क की मरम्मत, नियमित सफाई और मलबे का उचित निस्तारण तत्काल कराया जाए, ताकि वाहनों की आवाजाही से उड़ने वाली धूल पर नियंत्रण किया जा सके। पुस्ता रोड की स्थिति को लेकर अध्यक्ष ने नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्ण करुणेश से फोन पर वार्ता भी की।

बाल दिवस पर अनाथ आश्रम के बच्चे आउटस्टैंडिंग टैलेंट अवार्ड से सम्मानित



नोएडा। 'साहित्य वेलफेयर कल्चरल एंड स्पोर्ट्स फेडरेशन' एवं 'शब्दावली दर्पण न्यूज़' के संयुक्त बैनर तले वरिष्ठ साहित्यकार एवं पूर्व अधिकारी डॉ0 देवव्रत शर्मा 'अयन' की अध्यक्षता व मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार आनंद क्रांति वर्धन तथा नूतन अग्रवाल के उत्कृष्ट मंच संचालन में बरोला सेक्टर 49 नोएडा स्थित साहित्य सदन के 'साहित्यम् मंडपम्' में बाल दिवस के अवसर पर एक भव्य शब्दावली कवि सम्मेलन व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। देर रात तक चले इस कार्यक्रम में गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में 'चार दिशाएं' के चीफ़ एडिटर राजकुमार शर्मा की महत्वपूर्ण उपस्थिति रही। विशिष्ट अतिथि की भूमिका में बेंगलुरु से पधारी साहित्यकार रीता सिंह, यू के भारद्वाज, किशोर श्रीवास्तव रहे। कार्यक्रम का संयोजन अयोध्या की कवित्री व फेडरेशन की उपाध्यक्ष किरन सिंह 'किरण' द्वारा किया गया। आयोजन में अनाथ आश्रम के मेधावी बच्चों को मोमेंटो, प्रशस्ति प्रमाण पत्र, मेडल, उपहार देकर 'आउटस्टैंडिंग टैलेंट अवार्ड' से विधिवत् सम्मानित किया गया। इस मौके पर विभिन्न क्षेत्रों में जनहित में विशेष एवं सराहनीय कार्य करने वाले चार विभूतियों को भी सम्मानित किया गया। समाज सेवा के लिए डॉक्टर शेखर विश्वास एवं डॉक्टर सोनाली कटारिया, भारतीय संस्कृति के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त नृत्यांगना गुरु अनुराधा शर्मा, साहित्यिक क्षेत्र में प्रबुद्ध साहित्यकार डॉ0 विक्रम गौड़ 'रसिक' को उनके विशेष योगदान के लिए विधिवत् सम्मानित किया गया। इस मौके पर बच्चों की प्रतिभा का प्रदर्शन/प्रस्तुति देखते ही पूरा सभागार मंत्र मुग्ध हो गया। अतिथियों के साथ-साथ सभी ने बच्चों के टैलेंट की मुक्त कंठ से भूरी भूरी प्रशंसा की। कविताओं का दौर बखूबी चला, जिसमें मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, भिवानी- हरियाणा, आगरा के साथ-साथ एनसीआर के लगभग तीन दर्जन कलमकारों द्वारा विभिन्न विधाओं पर आधारित रचनाओं की शानदार प्रस्तुति दी गई। सभागार में उपस्थित सभी श्रोताओं की तालियों की गड़गड़ाहट इस आयोजन को सफलता का प्रमाण पत्र दे रही थी। विगत 26 वर्षों से निरंतर आयोजन करते आ रहे कार्यक्रम के आयोजक फेडरेशन के चेयरपर्सन, पूर्व राजपत्रित अधिकारी, भारत सरकार से सम्मानित कवि व लेखक पं0 साहित्य चंचल 'साधक' ने भविष्य में भी समाज एवं साहित्य हित में कार्य करने की प्रतिबद्धता जताते हुए सभागार में उपस्थित सभी लोगों का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया?।

संक्षिप्त समाचार

कहासुनी के बाद युवक ने छत पर चढ़कर पथराव किया

नोएडा। सेक्टर-10 में कहासुनी होने पर एक युवक पर चार लोगों ने घर की छत पर चढ़कर पत्थरबाजी कर हमला कर दिया। हमले में युवक सिर और चेहरे पर चोट आई। युवक ने चार लोगों के खिलाफ फेज-वन थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर-28 निवासी मोहित पार्चा पुलिस को बताया कि वह तीन नवंबर की रात करीब 10 बजे सेक्टर-10 स्थित एक दुकान पर गए थे। दुकान के पास युवक कुन्नू लोगों से कहासुनी कर रहा था। इन लोगों के बीच में मोहित भी बोल पड़ा। उसके विरोध करने पर कुन्नू अभद्रता करने लगा। लोग जब कुन्नू को पीटने के लिए दौड़े तो वह भागकर अपनी छत पर चढ़ गया।

उसने अपनी मां मीना, बहन अंजली उर्फ कल्लो व कान्हा के साथ मिलकर पत्थरबाजी कर दी। कुछ पत्थर सिर और चेहरे पर पत्थर लगने से मोहित घायल हो गया। इतना ही नहीं आरोपियों ने मोहित को घायल होने के बाद भी पीटा। उनको जान से मारने की धमकी दी। भीड़ ने मोहित को बचाया और उसको नजदीक के अस्पताल पहुंचा कर उपचार कराया। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच कराई जा रही है।

महिला का आपत्तिजनक वीडियो बनाने का आरोप

नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित एक रेस्टोरेंट में भोजन करने गई महिला का आपत्तिजनक वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। महिला के पति ने पुलिस से आरोपी की शिकायत की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। बिसरख कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक महिला शनिवार को अपने पति और बच्चों के साथ गौड़ सिटी-2 स्थित एक रेस्टोरेंट में भोजन करने गई थी। आरोप है कि वहां मौजूद एक आरोपी ने महिला का आपत्तिजनक वीडियो बना लिया। महिला के बच्चों ने आरोपी को वीडियो बनाते हुए देख लिया। इसके बाद महिला के पति ने आरोपी को पकड़ लिया और इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लिया गया है। मोबाइल की जांच की जा रही है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बाइक पार्किंग को लेकर महिला को पीटा

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बिसरख गांव में मोटरसाइकिल खड़ी करने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि कहासुनी के बाद युवक ने महिला को कई थप्पड़ मारे। बीच-बचाव करने आए किराएदारों के साथ भी मारपीट की गई और उनकी मोटरसाइकिल तोड़ दी गई।

घटना रविवार शाम बिसरख थाना क्षेत्र की है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, बिसरख गांव में बाइक खड़ी करने को लेकर महिला और युवक के बीच कहासुनी हुई थी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। आरोप है कि युवक ने महिला को थप्पड़ मारे। महिला को बचाने के लिए किराएदार बीच में आए तो उनके साथ भी मारपीट की गई। उनकी मोटरसाइकिल में तोड़फोड़ भी की गई।

वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस की कार्रवाई: घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया। बिसरख थाना प्रभारी रणजीत सिंह ने बताया कि युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच की जा रही है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह यमुना एक्सप्रेसवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार अजय कुमार (23) की मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

कानपुर देहात निवासी अजय सोमवार सुबह करीब 6:30 बजे बाइक से आगरा से नोएडा जा रहे थे। दनकौर क्षेत्र में स्पोर्ट्स सिटी के पास पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। बाइक क्षतिग्रस्त हो गई और अजय गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर दनकौर पुलिस और यमुना एक्सप्रेसवे के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। वे अजय को इलाज के लिए ग्रेटर नोएडा के अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। दनकौर कोतवाली पुलिस के मुताबिक, अजय के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है। परिजनों की शिकायत मिलने पर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ रवि कुमार एनजी का तबादला

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और स्थानिक आयुक्त रवि कुमार एनजी का तबादला कर दिया गया है। उन्हें उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) का मुख्य कार्यपालक अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही उन्हें आयुक्त एवं निदेशक, हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। वहीं, यूपीसीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. बलकार सिंह को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का नया सीईओ नियुक्त किया गया है। उन्हें स्थानिक आयुक्त के साथ आयुक्त, एनसीआर की जिम्मेदारी भी दी गई है। उनके आने से अब ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में नेतृत्व की जिम्मेदारी बदल जाएगी।

एसीईओ प्रवीण वर्मा बने डीएम शामली: ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) प्रवीण वर्मा का भी तबादला किया गया है। उन्हें शामली का जिलाधिकारी बनाया गया है। इस फेरबदल के बाद ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के शीर्ष प्रशासनिक पदों पर बदलाव हुआ है।

उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ पूजा का समापन



नोएडा। सेक्टर 31 स्थित शहीद भगत सिंह पार्क में आयोजित छठ पूजा महोत्सव में सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महोत्सव का समापन हुआ। सुबह 4 बजे से ही छठ वृतियों ने घाट पर आना शुरू कर दिया था। जलते दीपों के बीच छठी मैया के गीत वातावरण को भक्तिमय बना रहे थे। छठ वृतियों ने सूर्योदय पर भगवान भास्कर को दूध और जल का अर्घ्य दिया साथ ही प्रसाद अर्पित किया। सभी ने परिवार की उन्नति, आरोग्यता , संपन्नता के लिए छठी मैया से आशीर्वाद मांगा। इसके उपरांत ठेकुआ, केला, सेव का प्रसाद श्रद्धालुओं में बांटा गया।

आयोजन समिति के महासचिव राघवेंद्र दुबे ने बताया कि सूर्योपासना का महापर्व छठ पूजा परिवार और समाज की सामूहिकता को प्रमुख बनाती है।

बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक हर व्यक्ति इसमें शामिल होता है। यह पूजा व्यक्तिगत उपभोग से निकालकर सहयोग, साझेदारी, सामूहिक चेतना की संस्कृति को बढ़ावा देती है।

नोएडा-गाजियाबाद के बीच बनेगा फ्लाईओवर

नोएडा। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से जुड़े छिजारसी और बहलोलपुर के बीच लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। नोएडा प्राधिकरण ने यहां 3.2 किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कराने के लिए आईआईटी रुड़की को प्रस्ताव भेजा है।

करीब 14-15 साल से लंबित इस परियोजना पर अब काम आगे बढ़ने की तैयारी है। फ्लाईओवर बनने से दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और नोएडा के बीच आवागमन आसान हो सकेगा।प्रस्ताव के मुताबिक, फ्लाईओवर 6 लेन का बनाया जाएगा। इसे दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से जोड़ते हुए छिजारसी के सामने से बहलोलपुर तक बनाने की योजना है। फिलहाल इस रास्ते पर सुबह और शाम पीक आवर्स में वाहनों का दबाव बढ़ जाता है। खासकर छिजारसी के पास पुश्ते वाले रास्ते पर लोगों को लंबे जाम में फंसना पड़ता है।

सेक्टर-63ए तक बनाने का सुझाव: प्राधिकरण ने करीब चार महीने पहले इस मार्ग पर ट्रैफिक सर्वे कराया था। इसमें सामने आया कि फ्लाईओवर को सेक्टर-63ए के सामने तक बनाना ज्यादा उपयुक्त रहेगा। इसके अलावा करीब 150 मीटर चौड़े दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे को पार कर गाजियाबाद की तरफ फ्लाईओवर उतारने का विकल्प भी बेहतर माना गया है।अब डीपीआर में इन विकल्पों के आधार पर परियोजना की तकनीकी और निर्माण संबंधी रूपरेखा तैयार की जाएगी।

डीपीआर के बाद जारी होगा टेंडर: इस मार्ग पर एफएनजी (फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद) एक्सप्रेसवे बनाने की योजना वर्ष 2011-12 के आसपास तैयार की गई थी। इसी योजना के तहत फ्लाईओवर का प्रस्ताव भी सामने आया था, लेकिन करीब 14-15 साल तक परियोजना आगे नहीं बढ़ सकी।

गोपाष्टमी पर श्रीजी गौ सदन में आज होगा गौ-बाल आश्रय गृह व हवन स्थल का होगा लोकार्पण



नोएडा। श्री जी गौ सदन, नोएडा द्वारा गोपाष्टमी महोत्सव का भव्य आयोजन आज मंगलवार 17 नवम्बर को किया जाएगा। श्री जी गौ सदन आज गोवंश संरक्षण एवं सेवा का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। यहां वर्तमान में लगभग 1850 गौमाताओं एवं गोवंश का संरक्षण एवं पालन-पोषण किया जा रहा है। गौशाला में लगभग 100 गौसेवक अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं तथा उनके आवास की भी व्यवस्था है। गौवंश की समुचित देखभाल के लिए लगभग 27 बाड़े, 6 भूसा घर तथा एक गौ प्रयोगशाला स्थापित है। इसके अतिरिक्त गौशाला में विभिन्न गौ-उत्पाद भी उपलब्ध हैं। इतनी बड़ी संख्या में गोवंश के संरक्षण, चारे, चिकित्सा एवं देखभाल की व्यवस्थाओं का संचालन समाज के सहयोग एवं गौसेवकों के समर्पण से किया जा रहा है।कार्यक्रम में ये गणमान्य रहेंगे उपस्थितकार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री श्री 108 दीपांकर जी महाराज होंगे। इस अवसर पर गुरु माँ गीतेश्वरी जी का पावन आशीर्वचन प्राप्त होगा। समारोह में गरिमामयी उपस्थिति के रूप में डॉ. महेश शर्मा, सांसद गौतमबुद्ध नगर एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार; श्याम बिहारी गुप्ता, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग; पंकज सिंह, विधायक, नोएडा; श्री जे.के. दादू जी, आईएएस, पूर्व सचिव, भारत सरकार तथा आर.एन. मिश्रा जी, आईपीएस, पूर्व डीआईजी, उत्तर प्रदेश उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सी.ए मनोज बंसल जी करेंगे तथा स्वागत अध्यक्ष के रूप में सी.ए आर.के. अग्रवाल जी रहेंगे और कार्यक्रम के संयोजक सी.ए महेश बाबू गुप्ता होंगे।कार्यक्रम की रूपरेखा

महोत्सव का शुभारंभ प्रातः 8 बजे गौपूजन एवं भजन कार्यक्रम से होगा। प्रातः 10 बजे मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा तथा प्रातः 11:30 बजे नवनिर्मित गौ-बाल आश्रय गृह एवं हवन स्थल का लोकार्पण होगा। दोपहर 12 बजे से भंडारा एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा।श्री जी गौ सदन, नोएडा के अध्यक्ष सी.ए विकास अग्रवाल, महासचिव सुशील भारद्वाज, कोषाध्यक्ष सी.ए संजय कुमार गुप्ता एवं समस्त कार्यकारिणी ने बताया कि गौशाला का संकल्प केवल गोवंश को आश्रय देना ही नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य,पोषणएवंसम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना भी है। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग, गौसेवकों के अथक परिश्रम एवं दानदाताओं के समर्पण से गौसेवा के इस पुनीत कार्य को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है।

सभी गौभक्तों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, गणमान्य नागरिकों तथा शहरवासियों से गोपाष्टमी महोत्सव में सम्मिलित होकर गौसेवा के इस पुनीत अभियान में सहभागी बनने का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

घर से निकलते समय आखिरी दिन समझना... कनाडा में बैठे गैंगस्टर ने दिल्ली के कारोबारी से मांगी 2 करोड़ की रंगदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश में बैठकर दिल्ली में रंगदारी का नेटवर्क चलाने के आरोपी पूठ खुर्द निवासी नितिन डबास उर्फ विक्की हड्डल ने मंगोलपुर कलां के एक टाइल्स कारोबारी से 2 करोड़ की रंगदारी मांगी है।

आरोप है कि वह फोन और वायस नोट भेजकर कारोबारी को जान से मारने की धमकी दे रहा है। कारोबारी ने पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है, इसलिए केस दर्ज नहीं हुआ।

वायस नोट में कारोबारी को रोज घर से निकलते समय अपना आखिरी दिन समझने की धमकी दी गई है। धमकी देने वाला कहता है कि वह कहीं भी चला जाए, कोई सिफारिश उसे नहीं बचा पाएगी और पैसे दिए बिना उसका पीछा नहीं छूटेगा। पुलिस का कहना है कि शिकायत नहीं मिलने के कारण कार्रवाई नहीं हुई।

टाइल्स गोदाम पर गोलीबारी: बवाना और कीर्ति नगर के बाद मंगोलपुर में कारोबारी को धमकी मिलने से आशंका जताई जा रही है कि कोई व्यक्ति गैंगस्टर तक कारोबारियों की जानकारी पहुंचा रहा है। 19 अक्टूबर को पूठ खुर्द में टाइल्स गोदाम पर गोलीबारी हुई थी, जिसमें नितिन गैंग का नाम सामने आया था। 20 अक्टूबर को कीर्ति नगर में मार्बल कारोबारी के गोदाम पर हुई फायरिंग को भी इसी गैंग से जोड़ा जा रहा है।

विक्की करीब तीन वर्ष पहले कनाडा गया था। वहां से रंगदारी, फायरिंग और हत्या की साजिश रचने का आरोप है। उसका नाम अमेरिका में हिरासत में लिए गए हरियाणा के गैंगस्टर हिमांशु उर्फ भाऊ के नेटवर्क से भी जुड़ा बताया जाता है। विक्की सोशल मीडिया के माध्यम से कम उम्र के लड़कों को गिरोह से जोड़ता है और कनाडा में बसाने का लालच देता है। इसके बाद सोशल कालिंग एप से संपर्क कर उन्हें हथियार और पैसे दिए जाते हैं और कारोबारियों के ठिकानों की रेकी कराकर फायरिंग जैसी वारदात कराई जाती है।

एनडीएमसी कर्मचारियों पर गिरेगी गाज, बायोमेट्रिक अटेंडेंस नहीं लगाने वालों की रुकेगी सैलरी



नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) में अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली को लेकर अब सख्ती शुरू हो गई है। कार्यालय में समय पर नहीं पहुंचने और बायोमेट्रिक हाजिरी नहीं लगाने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई की तैयारी है।

एनडीएमसी चेयरमैन मनोज कुमार द्विवेदी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आधार आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली में पंजीकरण नहीं कराने वाले और पंजीकरण कराने के बावजूद हाजिरी नहीं लगाने वाले कर्मचारियों का वेतन रोक दिया जाए।

पूरी तरह अनुपालन होने तक उनका वेतन जारी नहीं किया जाएगा। हालांकि फिलहाल दो सप्ताह का समय दिया गया है अगर फिर भी पंजीकरण नहीं किया गया तो वेतन नहीं मिलेगा।

एनडीएमसी की रिपोर्ट के अनुसार 13376 कर्मचारियों में से महज 4352 ने ही बायोमेट्रिक हाजिरी 10 नवंबर को लगाई। वहीं, 9024 कर्मचारियों की उपस्थिति इस प्रणाली में दर्ज नहीं हुई। यानी करीब 67.5 प्रतिशत कर्मचारी बायोमेट्रिक हाजिरी नहीं लगा रहे हैं। केवल 32.5 प्रतिशत कर्मचारियों की ही उपस्थिति दर्ज हुई है। विभागवार आंकड़ों में सबसे खराब स्थिति सिविल इंजीनियरिंग विभाग की है। यहां 2789 कर्मचारियों में से 876 ने ही हाजिरी लगाई, जबकि 1913 की उपस्थिति दर्ज नहीं हुई। जनस्वास्थ्य विभाग में 2061 में से 405 कर्मचारियों ने हाजिरी लगाई और 1656 की उपस्थिति दर्ज नहीं हुई। बिजली विभाग के 1939 कर्मचारियों में से 448 ने ही बायोमेट्रिक हाजिरी लगाई। यहां 1491 कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज नहीं हुई। इसी तरह शिक्षा विभाग के 1810 कर्मचारियों में से 652, जबकि उद्यान विभाग के 1279 कर्मचारियों में से 431 ने ही हाजिरी लगाई। चिकित्सा सेवा विभाग में 647 में से 230 कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज हुई। 13 नवंबर को अधिकारियों के साथ साझा किए गए निर्देशों में चेयरमैन ने सभी विभागाध्यक्षों (एचओडी) को अपने विभाग की रिपोर्ट की समीक्षा करने को कहा है। अगले दो सप्ताह में बायोमेट्रिक प्रणाली में पंजीकरण कराने के लिए सर्कुलर जारी करने का निर्देश दिया गया है।

इलाज के साथ बिजनेस भी कर सकेंगे डॉक्टर

एम्स ने लागू की फैकल्टी एंटरप्रेन्योरशिप पॉलिसी



नई दिल्ली, एजेंसी। चिकित्सा अनुसंधान को अब सिर्फ शोध पत्रों और प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रखा जाएगा। एम्स के डॉक्टर और वैज्ञानिक अपने शोध, आविष्कार और नई चिकित्सा तकनीक को बाजार तक पहुंचाने के लिए खुद मेडिकल स्टार्टअप शुरू कर सकेंगे। इसके लिए एम्स प्रबंधन ने फैकल्टी एंटरप्रेन्योरशिप पॉलिसी लागू की है। इस पहल से चिकित्सा क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक, उपकरण और जांच की नई विधियों के विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

खास बात यह है कि स्टार्टअप में एम्स की पांच प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जो आगे निवेश आने पर भी कम नहीं होगी।

आईआईटी की तर्ज पर तैयार इस नीति का उद्देश्य संस्थान में होने वाले शोध को व्यावहारिक उपयोग में लाना और उसका लाभ सीधे मरीजों तक पहुंचाना है। इसके तहत फैकल्टी सदस्य अपना स्टार्टअप स्थापित करने के साथ किसी मौजूदा स्टार्टअप से भी जुड़ सकेंगे।

यह पहल केंद्र सरकार की आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया मुहिम के अनुरूप है। इससे विदेशी तकनीक और उपकरणों पर निर्भरता कम करने में भी मदद मिल सकती है।

2 साल की सेवा पूरी करना अनिवार्य

नीति के तहत एम्स में नियमित नियुक्ति वाले और कम से कम दो साल की सेवा पूरी कर चुके फैकल्टी सदस्य ही इसका लाभ उठा सकेंगे। वे स्टार्टअप में संस्थापक, प्रमोटर, निदेशक, शेयरधारक, सलाहकार या मेंटर की भूमिका निभा सकेंगे। हालांकि, मरीजों का उपचार, शिक्षण और शोध उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी बनी रहेगी।

स्टार्टअप से जुड़े काम के लिए वे अपने नियमित कार्य समय का अधिकतम 20 प्रतिशत हिस्सा ही दे सकेंगे। इससे अधिक समय देने के लिए संस्थान की अनुमति लेकर बिना वेतन छुट्टी लेनी होगी।

लैब और तकनीकी सलाह

एम्स में पहले से सेंटर फार मेडिकल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीएमआइई) के रूप में बायो-इंक्यूबेटर स्थापित है। इसके माध्यम से स्टार्टअप शुरू करने वाले फैकल्टी सदस्यों को तकनीकी सलाह, प्रयोगशाला और आधुनिक उपकरणों की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। हालांकि, एम्स की बौद्धिक संपदा या संस्थान में विकसित तकनीक का इस्तेमाल करने के लिए संबंधित स्टार्टअप को लाइसेंस और जरूरी मंजूरी लेनी होगी।

मरीजों को मिलेंगे उत्पाद

नीति में यह भी प्रावधान किया गया है कि इन स्टार्टअप के उत्पाद एम्स में उपचार कराने वाले मरीजों को निश्शुल्क या रियायती दरों पर उपलब्ध कराए जाएंगे। एक फैकल्टी सदस्य अधिकतम पांच स्टार्टअप से जुड़ सकेगा। हालांकि, सभी स्टार्टअप में उसकी कुल हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकेगी। वहीं, प्रत्येक स्टार्टअप में एम्स की पांच प्रतिशत हिस्सेदारी सुनिश्चित की गई है। एम्स प्रबंधन का मानना है कि इस नीति से संस्थान में विकसित होने वाली नई तकनीकों को व्यावसायिक रूप देने का रास्ता खुलेगा। इससे स्वदेशी चिकित्सा उपकरण, जांच की तकनीक और उपचार के नए विकल्प विकसित हो सकेंगे। साथ ही, चिकित्सा क्षेत्र में शोध करने वाले डाक्टरों और वैज्ञानिकों को अपने नवाचार को मरीजों के लिए उपयोगी उत्पाद में बदलने का अवसर मिलेगा।

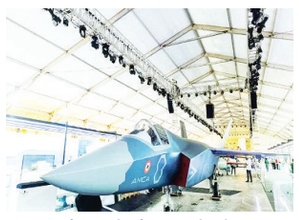
भारतीय रेलवे ने फ्रेट कॉरिडोर तो बना लिए, ग्राहक ट्रकों के बजाय रेल से कराएंगे माल ढुलाई?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे माल ढुलाई के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है। पूर्वी और पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर अब पूरी तरह से चालू हो गए हैं, जिससे क्षमता में वृद्धि हुई है और माल की आवाजाही तेज और अधिक भरोसेमंद हो गई है।

भविष्य में क्षमता और बढ़ने वाली है। एक प्रस्तावित पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर पूरे देश में कनेक्टिविटी को और मजबूत करेगा। कई दशकों तक निवेश की कमी झेलने के बाद अब रेल माल ढुलाई के पास प्रतिस्पर्धा करने के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा मौजूद है लेकिन केवल बुनियादी ढांचे के दम पर सड़क मार्ग से माल ढुलाई का काम वापस नहीं जीता जा सकता।

सामने कई चुनौतियां: अब चुनौती केवल ट्रैक बिछाने की नहीं है, बल्कि ग्राहकों को यह समझाने की है कि वे ट्रकों के बजाय रेल मार्ग को चुनें। पहली नजर में रेल माल ढुलाई (फ्रेट) काफी फलती-फूलती दिखती है। माल की लोडिंग वित्त वर्ष 2015 में 1,098 मिलियन टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 1,617 मिलियन टन हो गई है और पिछले वित्त वर्ष में तो यह रिकॉर्ड 1,670 मिलियन टन तक पहुंच गई थी। फिर भी भारत की लॉजिस्टिक्स प्रणाली में रेल की स्थिति इन आंकड़ों के मुकाबले काफी कमजोर है। हाल ही में एक संसदीय समिति ने अनुमान लगाया है कि वित्त वर्ष 2025 में राष्ट्रीय माल ढुलाई में रेल की हिस्सेदारी केवल 27 प्रतिशत के आसपास है।

एएमसीए एयरक्राफ्ट को विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम, 3 कंपनियों ने जमा की बोली; मूल्यांकन जारी



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर एयरक्राफ्ट को विकसित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए तीन भारतीय दावेदारों ने रक्षा मंत्रालय द्वारा गठित एक उच्च-स्तरीय समीक्षा समिति के समक्ष अपनी बोलियां जमा की हैं।

ये बोलियां 15,000 करोड़ रुपये के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट) कार्यक्रम के लिए प्रोटोटाइप विकसित करने से जुड़ी हैं और फिलहाल इनका मूल्यांकन किया जा रहा है।

किन कंपनियों ने जमा की बोली टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में इंडस्ट्री के सूत्रों के हवाले से बताया गया कि इन तीन दावेदारों में एलएंडटी के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम (जिसमें बीइएल और डायनामैटिक शामिल हैं), टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और भारत फोर्ज के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम शामिल हैं। इन तीनों ने 30 अक्टूबर की समय-सीमा तक अपनी-अपनी बोलियां जमा कर दी हैं। इन तीनों में से केवल ञ्जस्रुही अकेली बोली लगाने वाली कंपनी है।

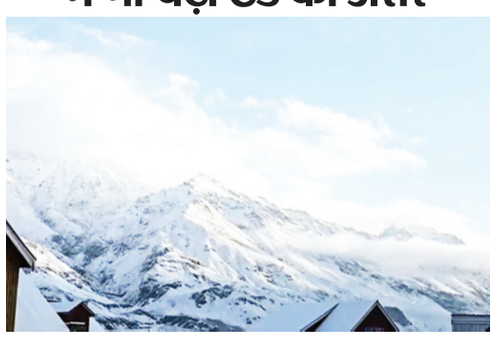
कब खोली गईं बोलियां?: रिपोर्ट के मुताबिक, डीआरडीओ की प्रयोगशाला एरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी द्वारा डिजाइन किए गए पांच एएमसीए प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए एक डेवलपमेंट-कम-प्रोडक्शन पार्टनर चुनने के वास्ते 1 नवंबर को बोलियां खोली गईं। बेंगलुरु स्थित एडीए ने इस परियोजना की परिकल्पना की थी और यही पांच ट्विन-इंजन एएमसीए प्रोटोटाइप के निर्माण की देखरेख करेगा।

दिल छू लेने वाली पहल, टायटेल्स और फीडिंग इंडिया ने 20000 जरूरतमंद बच्चों के हाथों में पहुंचाए रंग-बिरंगे खिलौने



नई दिल्ली, एजेंसी। जरूरतमंद बच्चों के जीवन में खुशियों के कुछ यादगार पल जोड़ने के उद्देश्य से टायटेल्स ने फीडिंग इंडिया के साथ मिलकर विशेष पहल की। इसके तहत देशभर के करीब 20 हजार बच्चों तक खिलौने पहुंचाए गए। इस आयोजन में बच्चों के लिए रस्साकशी सहित कई मनोरंजक खेल और गतिविधियां आयोजित की गईं। बच्चों ने उत्साह के साथ इनमें भाग लिया। कार्यक्रम का सबसे यादगार पल तब आया, जब बच्चों के सामने खिलौनों से भरे बक्से खोले गए। रंग-बिरंगे मुलायम खिलौने पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। लक्ष्य निर्धारित किया उन्होंने खिलौनों के साथ मस्ती की और नृत्य कर अपनी खुशी जाहिर की। टायटेल्स के निदेशक गौरव गोयल ने इस पहल का विस्तार करते हुए अगले चरण में दो लाख बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

पहाड़ों में बर्फ की सफेद चादर से ढकी ऊंची चोटियां, मैदानों में भी बढ़ा ठंड का असर



नई दिल्ली, एजेंसी। पहाड़ों में ऊंची चोटियां बर्फ की सफेद चारद से ढक गई हैं। उत्तराखंड में बदरीनाथ, हेमकुंड साहिब और पंचाचूली सहित उच्च क्षेत्रों में रविवार को हिमपात हुआ। हिमाचल में लाहुल स्पीति, रोहतांग व कुल्लू के जलोड़ी और कश्मीर में सोनमर्ग व जोजिला में जबर्दस्त बर्फबारी हुई। मौसम का मिजाज बदलने से पहाड़ से लेकर मैदानों तक ठंड बढ़ी है। दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के राज्यों में भी ठंड का असर बढ़ रहा है।

देहरादून-मसूरी के इलाकों में हल्की बूंदाबांदी: वहीं कुमाऊं मंडल की व्यास, दारमा और जोहार घाटियों में भी बर्फबारी दर्ज की गई। मुनस्यारी के खलिया टाप में इस सीजन का पहला हिमपात हुआ है। देहरादून और मसूरी के कुछ क्षेत्रों में भी हल्की बूंदाबांदी हुई। वहीं नैनीताल, अल्मोड़ा और बागेश्वर में हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई। जौलजीबी में वर्षा और तेज हवाओं के कारण मेले के लिए लगाए गए बैनर और पोस्टर उड़ गए।

कश्मीर में एक से दो इंच गिरी बर्फ: कश्मीर में सोनमर्ग, गुरेज घाटी और जोजिला दर्रे में करीब एक से दो इंच बर्फ गिरी। विश्व विख्यात पर्यटन स्थल गुलमर्ग में भी हल्की बर्फबारी हुई। गुलमर्ग में शनिवार रात का तापमान माइनस 2.5 डिग्री तक पहुंच गया। घाटी के अधिकांश जिलों में दिन का तापमान भी सामान्य से दो से चार डिग्री नीचे चल रहा है। जम्मू संभाग के भी कई जिलों में न्यूनतम तापमान दो से चार डिग्री होने से ठंड बढ़ी है। हिमाचल में लाहुल स्पीति, रोहतांग और जलोड़ी जोत में बर्फ की सफेद चादर पर्यटकों को आकर्षित कर रही है। खासकर ऊंची चोटियों पर हुए हिमपात ने पर्यटन कारोबार को रफ्तार दी है।

दिल्ली एनसीआर में पॉल्यूशन को लेकर केंद्रीय मंत्री सख्त, नेहा बोरा के पत्र पर पर्यावरण मंत्रालय का जवाब





नई दिल्ली। दिल्ली और आस-पास के शहरों की खराब हवा के मुद्दे पर ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) अध्यक्ष नेहा बोरा ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को एक पत्र लिखा था। नेहा बोरा के पत्र का पर्यावरण मंत्रालय ने जवाब देते हुए कहा है कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव दिल्ली-एनसीआर राज्यों में वायु प्रदूषण की समस्या को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं।

मंत्रालय ने नेहा बोरा के पत्र का दिया जवाब: पर्यावरण मंत्रालय ने 12 नवंबर, 2026 को भेजे गए उनके ईमेल का संज्ञान लेते हुए स्पष्ट किया है कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव दिल्ली-एनसीआर राज्यों में वायु प्रदूषण की समस्या को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। आधिकारिक जवाब में बताया गया है कि केंद्रीय मंत्री राज्य सरकारों और स्थानीय प्राधिकरणों द्वारा प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए जा रहे कदमों की लगातार निगरानी और समीक्षा कर रहे हैं। बीते 14 नवंबर 2026 को दिल्ली-हृष्टक्र राज्यों के साथ हुई अपनी उच्चस्तरीय बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रदूषण नियंत्रण के उपायों को केवल कागजों तक सीमित न रखकर जमीनी स्तर पर सख्ती से लागू किया जाए।

तुर्किए दौरे पर केंद्रीय मंत्री: पर्यावरण मंत्रालय ने जवाब में यह भी स्पष्ट किया है कि केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव फिलहाल तुर्किए दौरे पर हैं, जहां वे संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। विदेश दौरे पर होने के बाद भी वे दिल्ली एनसीआर की वायु गुणवत्ता की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

नेहा बोरा ने पत्र में क्या लिखा था?: नेहा बोरा ने दिल्ली एनसीआर की खराब हवा को लेकर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को मेल लिखकर मुलाकात का समय मांगा था। यह मेल भवरीन कंधारी एक वॉरियर मॉम जो क्लाइमेट चेंज के खिलाफ लड़ रही हैं।

उर्वशी प्रसाद जो खुद एक कैंसर पीड़िता हैं और पर्यावरणीय मुद्दों पर लगातार काम कर रही हैं। रिटायर्ड कैप्टन आशीष जैकब जो लगातार एयर पॉल्यूशन के खिलाफ मुहिम चला रहे हैं की ओर से केंद्रीय मंत्री को लिखा गया था।

हर शहर में वरिष्ठ अधिकारियों की होगी तैनाती

प्रदूषण नियंत्रण के नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए केंद्रीय मंत्री ने निर्देश दिया है कि दिल्ली एनसीआर राज्यों के प्रत्येक शहर में सचिव स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों की तैनाती की जाए। ये अधिकारी अपने-अपने शहरों में प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कार्यों और नियमों पर बारीकी से नजर रखेंगे, ताकि जमीनी स्तर पर ठोस परिणाम दिख सकें। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आस-पास के इलाकों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए गठित वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) भी सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। CAQM दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की राज्य सरकारों तथा स्थानीय निकायों के प्रयासों में बेहतर समन्वय स्थापित कर रहा है, जिससे जमीनी स्तर पर वायु प्रदूषण की चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

खाद्य पदार्थों के भ्रामक दावों पर FSSAI सख्त, गलत लेबलिंग पर 10 लाख तक जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। किसी फूड पैकेट पर 100 प्रतिशत शुद्ध फलों का रस, असली शहद या साबुत अनाज वाले बिस्कुट होने का दावा किया जाता है लेकिन भारत में अब यह आम बात हो गई है कि ऐसे दावों को बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाता है।

एक और स्थिति यह है कि ऑनलाइन ग्रोसरी प्लेटफॉर्म पर बताई गई सामग्री और घर पर डिलीवर होने वाले सामान में अंतर होता है। ऑनलाइन ग्रोसरी शॉपिंग का चलन बढ़ने के साथ इस तरह की गड़बड़ियां खाद्य सुरक्षा और उपभोक्ता संरक्षण के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही हैं।

तय की गई जिम्मेदारियां: खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 और विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 के तहत निर्माताओं, विक्रेताओं और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों के लिए कुछ जिम्मेदारियां तय की गई हैं। लेकिन इसके लिए यह जानना जरूरी है कि भ्रामक लेबलिंग क्या होती है, किस अथॉरिटी से संपर्क करना चाहिए और सही सबूत कैसे सुरक्षित रखने चाहिए।

FSSAI के हालिया आंकड़ों के अनुसार, 1,133 लाइसेंस सस्पेंड किए गए, 52 रद किए गए और 314 परिसरों को सील किया गया। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, FSSAI के नेशनल रिसोर्स पर्सन अश्विन भद्री का कहना है कि असली चुनौती तब शुरू होती है जब इंस्पेक्शन टीम वहां से चली जाती है। इंस्पेक्शन और दंडात्मक कार्रवाई जरूरी है क्योंकि इससे कारोबारियों को याद रहता है कि अधिकारी उन पर नजर रख रहे हैं, लेकिन ऐसे अस्थायी उपाय बार-बार होने वाले नियमों के उल्लंघन के मूल कारणों को दूर नहीं करते।

हिट एंड रन मामलों के 75 प्रतिशत पीड़ितों को नहीं मिल पा रहा मुआवजा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में दुर्घटना और हिट एंड रन मामलों में पीड़ित और उनके परिवारों को मिलने वाले सरकारी मुआवजे को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।

सरकारी आंकड़ों के आधार पर तैयार रिपोर्ट के अनुसार, मोटर वाहन अधिनियम के तहत मुआवजे के पात्र लगभग 75 प्रतिशत पीड़ित और उनके परिजन इस आर्थिक सहायता से वंचित रह जाते हैं।

मैनेजमेंट कंसल्टेंसी फर्म प्रिमस पार्टनर्स की रिपोर्ट में खुलासा: मैनेजमेंट कंसल्टेंसी फर्म प्रिमस पार्टनर्स की रिपोर्ट से पता चलता है कि हर साल लगभग 70000 हिट-एंड-रन के मामले सामने आते हैं, जिनमें 30000 से ज्यादा लोगों की जान चली जाती है और 16000 लोग गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं।

मोटर वाहन अधिनियम के मुआवजे के नियमों के हिसाब से सभी मामलों को देखते हुए कुल वार्षिक मुआवजा लगभग 600 करोड़ होना चाहिए। हालांकि, पिछले चार साल में 300 करोड़ रुपये से भी



मुआवजा दिया गया है, जो मुआवजे के वितरण में एक बड़ी कमी को दर्शाता है।

पीड़ितों तक नहीं पहुंच रहा है लाभ: केंद्र सरकार द्वारा फरवरी 2022 में शुरू की गई संशोधित मुआवजा योजना के तहत हिट एंड रन मामले में मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायल होने पर 50000 रुपये की सहायता देने का प्रावधान है।

रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि सलाना 46000 से ज्यादा मौतों और गंभीर चोटों के बाद भी हर साल 10000 से भी कम दावे दाखिल किए जाते हैं।

इनमें से भी सलाना 8000 से कम आवेदकों को ही वास्तव में मुआवजा मिल पाता है। परिणामस्वरूप, योजना लागू होने के चार साल बाद भी सरकार की वार्षिक देनदारी का 25 प्रतिशत से कम हिस्सा ही पीड़ितों तक पहुंच पा रहा है।

जागरूकता का अभाव और जटिल प्रक्रिया: रिपोर्ट में मुआवजा वितरण की इस सुस्त रफ्तार के पीछे कई प्रमुख कारण बताए गए हैं, जैसे की जागरूकता की कमी, जानकारी का अभाव, जटिल और लंबी प्रक्रिया, प्रशासनिक अड़चनें, मुआवजे के वितरण में अनावश्यक चरण और लोगों को हतोत्साहित करने वाली शर्तें।

रिपोर्ट में पाया गया कि 80 प्रतिशत से ज्यादा लोगों को इस योजना के बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी, और जो लोग इसके बारे में जानते थे उन्हें यह नहीं पता था कि इसके लए फॉर्म या दिशा-निर्देश कहां से प्राप्त करें।

रिपोर्ट में सुधार के दिए गए सुझाव: इस व्यवस्था को पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए रिपोर्ट में कई महत्वपूर्ण सिफारिशें की गई हैं, जैसे कि इस योजना को जिला पुलिस विभाग के माध्यम से लागू किया जाना चाहिए ताकि जैसे ही किसी सड़क दुर्घटना को हिट-एंड-रन मामला माना जाए।

ठगने का नया तरीका, 2 के लालच में 41000 मोबाइल बने हथियार; दिल्ली पुलिस ने खोला 10 करोड़ की ठगी का राज

नई दिल्ली, एजेंसी। डिजिटल अरेस्ट और निवेश के नाम पर झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह तो हर दिन सामने आते हैं। लेकिन, दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो ठगी का संदेश भेजने के लिए भी आम लोगों के मोबाइल का इस्तेमाल कर रहे थे।

खास बात ये है कि ठगी का संदेश भेजने वाले मोबाइल के स्वामी 2 रुपये के लालच में ठगों के जाल में फंस रहे थे और उन्हें भनक तक नहीं लग रही थी।

पुलिस की जांच में अब तक ऐसे ही 41 हजार लोगों के मोबाइल फोन इस्तेमाल कर 600 से अधिक लोगों को ठगे जाने की बात सामने आ चुकी है। गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी पर ये संख्या और बढ़ सकती है।

10 करोड़ रुपये की ठगी: दक्षिण-पश्चिमी जिले की साइबर सेल थाना पुलिस ने एक नंबवर को 2.21 लाख रुपये की ठगी के मामले की जांच करते हुए देशभर में फैले साइबर ठग गिरोह का पर्दाफाश किया था। इसमें 10 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया था।

सैफ चैंपियंस फाइनल

पाकिस्तान को हराकर इतिहास रचने उतरेगी टीम इंडिया

ढाका (एजेंसी)। भारतीय फुटबॉल टीम के पास इतिहास रचने का सुनहरा मौका है। डिफेंडिंग चैंपियन भारत मंगलवार को बांग्लादेश की राजधानी ढाका में ङ्स्त्रस्त्र चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ेगा। टीम इंडिया की नजरें लगातार तीसरी बार खिताब जीतने और अपने रिकॉर्ड में 10वीं ङ्स्त्रस्त्र चैंपियनशिप ट्रॉफी जोड़ने पर होंगी। हालांकि, पाकिस्तान को हराना भारत के लिए आसान नहीं होगा, क्योंकि विरोधी टीम पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है।



लगातार तीसरी बार चैंपियन बनने पर होगी भारत की नजर- भारत ने अब तक ङ्स्त्रस्त्र चैंपियनशिप के नौ खिताब अपने नाम किए हैं। टीम ने 1993, 1997, 1999, 2005, 2009, 2011, 2015, 2021 और 2023 में ट्रॉफी जीती थी। हालांकि, भारतीय टीम ने अभी तक लगातार तीन बार यह टूर्नामेंट नहीं जीता है। ऐसे में पाकिस्तान के खिलाफ जीत भारत को ऐतिहासिक हैट्रिक दिला सकती है।

पहली बार ङ्स्त्रस्त्र चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा पाकिस्तान- पाकिस्तान की टीम पहली बार ङ्स्त्रस्त्र चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची है। इससे पहले टीम चार बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी, जिसमें आखिरी बार 2018 में उसने अंतिम चार में जगह बनाई थी। इस बार पाकिस्तान ने सेमीफाइनल में मेजबान बांग्लादेश को 1-0 से हराकर फाइनल का टिकट हासिल किया। इस मुकाबले में अब्दुल समद ने 86वें मिनट में निर्णायक गोल किया था।

मैं ही आउट हो जाता हूं

अर्शदीप सिंह ने सिराज से मांगी माफी, अगली बार किया ये वादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में ऐतिहासिक जीत के बाद भारतीय टीम के खिलाड़ियों के बीच मैदान पर शानदार तालमेल देखने को मिला। पांचवें और आखिरी वनडे में मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया। मैच के बाद अर्शदीप ने सिराज की बल्लेबाजी की जमकर तारीफ की और मजाकिया अंदाज में उनसे माफी मांगते हुए अगली बार विकेट नहीं गंवाने का वादा भी किया।

सिराज और अर्शदीप ने गेंद से बरपाया कहर- भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें वनडे में 22 रन से जीत दर्ज कर सीरीज 2-1 से अपने नाम की। इस मुकाबले में भारतीय बल्लेबाजी लड़खड़ा गई थी, लेकिन निचले क्रम के खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण रन जोड़कर टीम को 209 के



स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 187 रन पर समेट दिया। सिराज और अर्शदीप ने मिलकर पांच विकेट हासिल किए। मैं ही आउट हो जाता हूं, सिराज भाई नॉट आउट रहते हैं अर्शदीप सिंह ने मजाकिया अंदाज में अपनी गलती स्वीकार करते हुए सिराज से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि सिराज हर बार नाबाद रहते हैं, जबकि वह अपना विकेट गंवा देते हैं। अर्शदीप ने कहा, जब पहली पारी खत्म हुई तो सिराज ने भी यही कहा था कि ये रन काफी महत्वपूर्ण साबित होंगे। उस समय हमें इसका एहसास नहीं होता, लेकिन मैच के लिहाज से इनकी अहमियत बहुत ज्यादा होती है। अगर आप मैच का नतीजा देखें तो ये रन गेम चेंजर साबित हुए। उन्होंने आगे कहा, सिराज एक बार फिर नाबाद रहे। मुझे इसका अफसोस है।

जय शाह बने लगातार दूसरी बार आईसीसी चेयरमैन

निर्विरोध चुने गए

नईदिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने बाली में आयोजित बैठक के दौरान जय शाह को दो वर्ष के दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध अध्यक्ष चुना है। वैश्विक संस्था ने कहा कि यह फैसला खेल के एक अहम मोड़ पर निरंतरता सुनिश्चित करेगा। शाह ने सभी निदेशकों के भरोसे और समर्थन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को घोषणा की कि जय शाह को दो साल के दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से निर्विरोध चेयरमैन नियुक्त किया गया है। आईसीसी ने कहा कि इससे ''खेल के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ पर निरंतरता'' सुनिश्चित होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव रह चुके 38 वर्षीय शाह ने दिसंबर 2024 में आईसीसी अध्यक्ष का पद संभाला था।

उन्हें यहां रविवार को संपन्न हुई वैश्विक संस्था की बोर्ड बैठकों के दौरान दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से नियुक्त किया गया। आईसीसी ने एक बयान में कहा, ''यह फैसला शाह के नेतृत्व में बोर्ड के विश्वास को दर्शाता है और खेल के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ पर निरंतरता सुनिश्चित करता है। वैश्विक विस्तार, प्रशंसकों की संख्या में वृद्धि और व्यावसायिक विकास हमारी रणनीतिक योजना के प्रमुख केंद्र में हैं।'' क्रिकेट 2028 में लॉस एंजिलिस खेलों के जरिए ओलंपिक में वापसी की तैयारी भी कर रहा है। शाह ने आईसीसी की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा, ''आईसीसी बोर्ड ने मुझ पर जो विश्वास जताया है उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं सभी निदेशकों का उनके निरंतर भरोसे और समर्थन के लिए तहे दिल से आभारी हूं।'' उन्होंने कहा, ''आईसीसी अध्यक्ष के रूप में काम करना मेरे लिए सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। मैं दुनिया भर में क्रिकेट के हितों को आगे बढ़ाने के लिए सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध हूं।''



जय शाह ने कहा-

आईसीसी चेयरमैन के रूप में काम करना बड़ी जिम्मेदारी है। मैं दुनिया भर में क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए सभी सदस्यों के साथ मिलकर काम करता रहूंगा।

शाह 2 साल पहले पहली बार चेयरमैन बने थे शाह

जय शाह 2024 में पहली बार आईसीसी के चेयरमैन बने थे। उन्होंने न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले की जगह ली थी। 36 साल के जय शाह आईसीसी के सबसे कम उम्र के चेयरमैन बने थे। आईसीसी चीफ को 2015 से पहले तक प्रेसिडेंट कहा जाता था। इसके बाद से इसे चेयरमैन कहा जाने लगा।

लगातार दूसरी बार आईसीसी चेयरमैन बनने वाले दूसरे भारतीय- जय शाह आईसीसी प्रमुख बनने वाले पांचवें भारतीय हैं। उनसे पहले जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन. श्रीनिवासन और शशांक मनोहर यह पद संभाल चुके हैं। शशांक मनोहर लगातार 2 बार आईसीसी चेयरमैन रहे हैं।

ओलंपिक 2028 के लिए

बांग्लादेश और अमेरिका में होंगे क्वालिफायर मुकाबले



क्रिकेट की ओलंपिक में ऐतिहासिक वापसी से पहले इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने बड़ा फैसला लिया है। लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए पुरुष और महिला क्रिकेट के आखिरी क्वालिफायर टूर्नामेंट की मेजबानी बांग्लादेश और अमेरिका को सौंपी गई है। फरवरी और मार्च 2028 में होने वाले इन मुकाबलों के जरिए पुरुष और महिला वर्ग की एक-एक टीम ओलंपिक का आखिरी टिकट हासिल करेगी।

बांग्लादेश और अमेरिका को मिली क्वालिफायर की मेजबानी- आईसीसी ने 15 नवंबर को इंडोनेशिया के बाली में हुई बोर्ड बैठकों के बाद इस फैसले की आधिकारिक घोषणा की। इसके तहत पुरुष वर्ग का ओलंपिक क्वालिफायर बांग्लादेश में और महिला वर्ग का क्वालिफायर अमेरिका में आयोजित होगा। दोनों टूर्नामेंट में आठ-आठ टीमें हिस्सा लेंगी और विजेता टीमों को लॉस एंजिल्स ओलंपिक का अंतिम कोटा स्थान मिलेगा।

पुरुष और महिला क्वालिफायर की तारीखें तय- आईसीसी ने दोनों प्रतियोगिताओं के लिए तारीखों का भी ऐलान कर दिया है। पुरुष वर्ग का क्वालिफायर 5 से 13 फरवरी 2028 तक आयोजित होगा, जबकि महिला वर्ग के मुकाबले 26 फरवरी से 5 मार्च 2028 तक खेले जाएंगे। इन दोनों टूर्नामेंटों में कुल 16 टीमें हिस्सा लेंगी और सिर्फ दो टीमें ओलंपिक में जगह बना पाएंगी।

क्वालिफायर में आठ-आठ टीमें लेंगी हिस्सा- पुरुष और महिला दोनों वर्गों के क्वालिफायर में आठ टीमें खेलेंगी। इन टीमों को चार-चार के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। हर टीम अपने ग्रुप की बाकी तीन टीमों के खिलाफ एक-एक मुकाबला खेलेगी।

आईसीसी का बड़ा फैसला

भारत करेगा 2029 चैंपियंसशिप ट्रॉफी और 2031 विश्व कप की मेजबानी



5 साल में भारत में 2 बड़े क्रिकेट टूर्नामेंट

बांग्लादेश के साथ 2031 वनडे वर्ल्ड कप होस्ट करेगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत अगले पांच साल में दो बड़े आईसीसी क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। 2029 में चैंपियंस ट्रॉफी खेली जाएगी। 2031 वनडे वर्ल्ड कप भारत और बांग्लादेश मिलकर होस्ट करेंगे। आईसीसी ने रविवार को 2035 तक के पुरुषों के बड़े टूर्नामेंट का कैलेंडर जारी किया।

बोर्ड ने लॉस एंजिलिस ओलिंपिक 2028 के क्वालिफाइंग मुकाबलों के लिए मेजबान देशों और तारीखों का भी ऐलान किया। पुरुषों का क्वालिफायर 5 से 13 फरवरी 2028 तक बांग्लादेश में होगा। महिलाओं का टूर्नामेंट 26 फरवरी से 5 मार्च तक अमेरिका में खेला जाएगा। इन मुकाबलों के जरिए ओलिंपिक में जगह बनाने वाली आखिरी टीमें तय होंगी।

2030 का टी-20 वर्ल्ड कप तीन देशों में- 2030 का टी-20 वर्ल्ड कप इंग्लैंड, आयरलैंड और स्कॉटलैंड में खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट 4 जुलाई से 4 अगस्त तक होगा।

डब्ल्यूटीसी का फाइनल 2029 और 2031 इंग्लैंड में

आईसीसी ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2029 और 2031 के फाइनल की मेजबानी इंग्लैंड को दी है। 2029 का फाइनल 8 से 12 जून और 2031 का मुकाबला 12 से 16 जून तक खेला जाएगा। 2033 और 2035 के फाइनल की तारीखें भी तय कर दी गई हैं, लेकिन उनके मेजबान देश का ऐलान बाकी है। दोनों फाइनल जून में होंगे। डब्ल्यूटीसी में टीमें दो साल में अलग-अलग देशों के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलती हैं।

आईओए चुनाव: पीटी उषा और हरजिंदर सिंह का नामांकन स्वीकार, सभी आपत्तियां खारिज

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ के निर्वाचन अधिकारी ने पांच दिसंबर को होने वाले चुनावों के लिए अध्यक्ष पीटी उषा और हरजिंदर सिंह का नामांकन स्वीकार कर लिया है। भारतीय आइस हॉकी संघ के प्रतिनिधि के रूप में निर्वाचक मंडल में उनके चयन पर उठी आपत्तियों को खारिज कर दिया गया। जांच के बाद दोनों की उम्मीदवारी को नियमों के तहत वैध पाया गया।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के निर्वाचन अधिकारी ने पांच दिसंबर को होने वाले चुनावों के लिए मौजूदा अध्यक्ष पीटी उषा और भारतीय आइस हॉकी संघ (आईएचएआई) के महासचिव हरजिंदर सिंह को निर्वाचक मंडल में शामिल करने को लेकर उठाई गई आपत्तियों को खारिज करते हुए उनके नामांकन को स्वीकार कर लिया है। आईएचएआई के एक गुट ने शुक्रवार को दावा किया था कि दिग्गज एथलीट उषा आइस हॉकी के राष्ट्रीय महासंघ की सदस्य नहीं हैं और इसलिए आईओए की आम सभा में इसका प्रतिनिधित्व नहीं कर सकती हैं। निर्वाचक मंडल की अंतिम सूची में शामिल उषा और हरजिंदर की पात्रता पर सवाल उठाए गए थे, जो दोनों आईएचएआई के सदस्य के रूप में सूचीबद्ध हैं।



निर्वाचन अधिकारी ने आईएचएआई से जवाब मांगा और 14 नवंबर को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उसके प्रतिनिधियों को बुलाया। हरजिंदर और श्रीनिवास कोटनी बैठक में उपस्थित हुए और उन्होंने पुष्टि की कि उषा और वर्तमान महासचिव आइस हॉकी संघ के सक्रिय सदस्य हैं। उन्होंने 14 नवंबर को नोटरी द्वारा सत्यापित एक विस्तृत हलफनामा भी पेश किया। इसके अलावा आपत्तियों के जवाब में रिकॉर्ड और स्पष्टीकरण भी प्रस्तुत किए।

तौहीद हृदोय के शतक से बांग्लादेश की वापसी

साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में स्कोर-327/6; रबाडा ने 5 विकेट लिए

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। बांग्लादेश ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन खराब शुरुआत के बाद वापसी की। रविवार को दिन का खेल खत्म होने तक टीम ने पहली पारी में 6 विकेट पर 327 रन बना लिए। तौहीद हृदोय ने 137 रन बनाए। लिटन दास 92 रन बनाकर नाबाद हैं। एक समय बांग्लादेश ने 22 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद हृदोय और लिटन ने छठे विकेट के लिए 206 रन की साझेदारी की। साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा ने 51 रन देकर 5 विकेट लिए।हृदोय और लिटन 200 रन की साझेदारी करने के बाद सेलिब्रेट करते हुए।



- **रबाडा ने पहली ही गेंद पर दिलाया विकेट-** साउथ अफ्रीका ने टॉस के बाद बल्लेबाजी के लिए उतरी बांग्लादेश की टीम को शुरुआत में ही दबाव में ला दिया। जोहान्सबर्ग की पिच पर घास होने से तेज गेंदबाजों को गेंद में उछाल मिल रही थी। डेब्यू कर रहे ओपनर महफिजुल इस्लाम पहली ही गेंद पर आउट हो गए। रबाडा की ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंद पर उन्होंने बल्ला लगाया। गेंद का किनारा लेकर गली में खड़े मार्को यानसन के हाथों में चली गई। वह टेस्ट डेब्यू की पहली गेंद पर शून्य पर आउट होने वाले इतिहास के चौथे खिलाड़ी बने। इसके बाद मोमिनुल हक भी खाता नहीं खोल सके।

बच्चों संग खेला गली क्रिकेट

सचिन के साथ मैदान पर उतरे प्रिंस विलियम

मुंबई (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और केट मिडलटन तीन दिवसीय दौरे पर मुंबई पहुंचे हैं, जहां उन्होंने सचिन तेंदुलकर के साथ क्रिकेट खेलकर अपनी यात्रा शुरू की। इस दौरे का मुख्य केंद्र प्रतिष्ठित अर्थशॉट प्राइज़ अवार्ड्स में भाग लेना है। शाही जोड़े की यात्रा के मद्देनजर मुंबई पुलिस ने 16 से 19 नवंबर तक शहर में कड़े यातायात प्रतिबंध लागू किए हैं।

हर साल, कई बड़ी अंतरराष्ट्रीय हस्तियां भारत आती हैं। अपनी यात्रा के दौरान, वे देश को जानने-समझने के लिए काफी उत्साहित रहती हैं। कभी-कभी वे पहली बार भारत आती हैं, तो कभी दशकों बाद वापस लौटती हैं। वेल्स के राजकुमार और राजकुमारी, प्रिंस विलियम और केट मिडलटन, भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर मुंबई पहुँच गए हैं। उन्होंने अपने कार्यक्रमों की शुरुआत क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और स्कूली बच्चों के साथ गली क्रिकेट खेलकर की। इस तरह, शाही जोड़े ने 2016 की अपनी मुंबई



यात्रा से जुड़ी खेल परंपरा को फिर से दोहराया। उनकी इस यात्रा में मुंबई में आयोजित होने वाला प्रतिष्ठित अर्थशॉट प्राइज़ अवार्ड्स नाइट कार्यक्रम भी शामिल है।

दक्षिण एशिया के लिए ब्रिटेन के व्यापार आयुक्त और पश्चिमी भारत के लिए उप उच्चायुक्त हरजिंदर कंग ने कहा कि ब्रिटेन-भारत साझेदारी के एक बेहद रोमांचक दौर में हमारे ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते के लागू होने के साथ, शाही परिवार के सदस्य भारत आ रहे हैं। उन्होंने कहा जलवायु संबंधी कार्यों को आर्थिक अवसरों में बदलने और दीर्घकालिक विकास हासिल करने की अपार संभावनाएं हैं। हमारी साझेदारी का मुख्य जोर ऐसे व्यावहारिक समाधानों पर है, जो हमारे ग्रह की रक्षा करते हुए व्यवसायों को भी सहयोग दें। इसे प्रदर्शित करने के लिए मुंबई से बेहतर कोई जगह नहीं हो सकती, क्योंकि इस शहर में नवाचार करने और उसे बड़े पैमाने पर लागू करने की अद्भुत क्षमता है। इस दौरे का मुख्य केंद्र छठा और सबसे बड़ा अर्थशॉट प्राइज अवार्ड्स है, जो जलवायु संबंधी नवाचारों को सम्मानित करता है। इसके अलावा, विलियम और केट कई अन्य कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे, जिनका उद्देश्य क्रिकेट, फैशन और सिनेमा के माध्यम से ब्रिटेन और भारत के बीच गहरे संबंधों का जश्न मनाना है। एफसीडीओ ने कहा कि जलवायु और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग, ब्रिटेन-भारत विजन 2035 साझेदारी का एक मुख्य स्तंभ है। ब्रिटेन और भारत मिलकर यह दिखा रहे हैं कि किस तरह जलवायु संबंधी कदम, नवाचार और आर्थिक विकास एक साथ आगे बढ़ सकते हैं, और साथ ही ऐसे समाधान तैयार कर रहे हैं जिन्हें वैश्विक स्तर पर अपनाया जा सकता है।

मुंबई में आज से यातायात प्रतिबंध लागू

ब्रिटेन के युवराज विलियम की यात्रा के मद्देनजर मुंबई की यातायात पुलिस ने घोषणा की कि 16 से 19 नवंबर तक शहर के कुछ हिस्सों में अस्थायी रूप से यातायात मार्ग परिवर्तित रहेंगे, सड़कें बंद रहेंगी और पार्किंग पर पाबंदियां रहेंगी। प्रिंस विलियम और वेल्स की राजकुमारी कैथरीन के 16 से 18 नवंबर तक शहर के दौरे से पहले ये पाबंदियां लगाई गई हैं। इस दौरान वे अर्थशॉट प्राइज समिट और अवार्ड्स नाइट में शामिल होंगे।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण यातायात) हेमराजसिंह राजपूत ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत जारी आदेश में कहा कि इन प्रतिबंधों का उद्देश्य जाम की स्थिति को रोकना और वाहनों की आवाजाही को सुचारू बनाए रखना है। हालांकि, एम्बुलेंस, दमकल गाड़ियों, पुलिस और अन्य आपातकालीन वाहनों को इससे छूट दी गई है। अधिसूचना के अनुसार, सोमवार को विशेष यातायात नियम लागू रहेंगे। हुतात्मा राजगुरु चौक पर मैडम कामा रोड से फ्री प्रेस रोड की ओर मुड़ने वाला दायां मोड़ और इसी चौराहे पर फ्री प्रेस रोड के उत्तर की ओर जाने वाले मार्ग से दक्षिण की ओर जाने वाले मार्ग की तरफ मुड़ने वाला यू-टर्न जो सामान्य यातायात के लिए आमतौर पर बंद रहते हैं केवल वीआईपी वाहनों के लिए खुले रहेंगे।